



वैज्ञानिकों को जाएंट रिवर डॉल्फिन की खोज का एक जीवाश्म मिला है। समझा जाता है कि डॉल्फिन की यह प्रजाति पहले समुद्र में रहती थी और 16 मिलियन वर्ष पूर्व पेरु की एमेज़ॉन नदी में रहने लगी थी। वैज्ञानिकों का मानना है कि, विलुप्त प्रजाति की ये डॉल्फिन साढ़े तीन मीटर लम्बी रही होगी, जिसे विश्व की सबसे लम्बी रिवर डॉल्फिन कहा जा सकता है। इस नई प्रजाति, पेबानिस्टा याकूरुना की खोज ने विश्व की बची खुची रिवर डॉल्फिन्स के खतरे को उजागर कर दिया है। शोध के अनुसार, आगामी 20-40 वर्षों में इन सभी को ऐसे ही खतरे का सामना करना पड़ेगा। साइंस एडवांसेज़ में छपे इस शोध में मुख्य शोध लेखक आल्डो बेनीते पालमीनो ने कहा कि, यह नई प्रजाति डॉल्फिन की प्लाटानिस्टोइडिआ फैमिली से संबंधित है, जो 24 मिलियन और 16 मिलियन वर्ष पूर्व महासागरों में मिलती थी। इस समय जो रिवर डॉल्फिन्स हैं, वे इन्हीं समुद्री डॉल्फिन्स की वंशज मानी जाती हैं। माना जाता है कि, इन्होंने नए भोजन स्रोत की तलाश में समुद्र को छोड़कर मीठे पानी वाली नदियों को अपना आवास बनाया था। वैज्ञानिक बेनीते पालमीनो ने वर्ष 2018 में पेरु में इस जीवाश्म की खोज की थी, तब वे स्नातक छात्र थे और अब युनिवर्सिटी ऑफ ज्यूरिख में रिसर्च कर रहे हैं। उस समय अपने साथी के साथ घूमते समय उन्हें सबसे पहले जबड़े का एक टुकड़ा मिला था। वे पहचान गए कि यह जीवाश्म डॉल्फिन का था, लेकिन यह एमेज़ॉन में मिलने वाली पिंक रिवर डॉल्फिन का नहीं था। क्योंकि यह किसी बड़े आकार की डॉल्फिन का लग रहा था, जिसके सबसे करीबी रिश्तेदार इस समय दस हजार कि.मी. दूर साउथ ईस्ट एशिया में रहते हैं। ज्यूरिख युनिवर्सिटी के जीवाश्म विभाग के निदेशक मारसैलो आर. सैन्जेज विसाग्रा ने कहा कि, यह खोज बहुत रोचक है। इस तरह की डॉल्फिन की खोज पहली बार हुई है। बेनीते ने कहा कि, डॉल्फिन का यह जीवाश्म अपने आकार की वजह से महत्वपूर्ण तो है ही साथ ही इस वजह से भी खास है क्योंकि, इसका इस समय एमेज़ॉन नदी में मिलने वाली डॉल्फिन्स से कोई सम्बंध नहीं है। जीवाश्म के वर्तमान जीवित रिश्तेदार, जो गंगा और सिंधु नदी में पाए जाते हैं, सहित सभी रिवर डॉल्फिन विलुप्त के खतरे से जूझ रही हैं।

हेमंत सोरेन के समर्थक अति उत्साहित हैं, केजरीवाल की रिहाई ने राह दिखा दी है, झारखण्ड के मु.मंत्री की भी रिहाई की

हेमंत सोरेन की पत्नी कल्पना, जो पार्टी की नेता भी हो गयी हैं, ने कहा, "हमें आशा ही नहीं पूर्ण विश्वास है, हमें शीघ्र ही शुभ समाचार मिलेगा कोर्ट से"

-श्रीनंद झा-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 10 मई। "इण्डिया ब्लॉक" और "आप" पार्टी के नेता, दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल को उच्चतम न्यायालय द्वारा अंतरिम जमानत दिए जाने पर उत्साहित हैं क्योंकि यह अब विपक्ष के चल रहे चुनाव प्रचार में नया जोश भर देगा, लेकिन इस घटनाक्रम ने झारखंड में झारखंड मुक्ति मोर्चा (जे.एम.एम.) के सदस्यों में बड़ी आशाएं जगा दी हैं। शीर्ष न्यायालय ने केजरीवाल को सशर्त जमानत देने के बाद जे.एम.एम. के नेता खुश हैं क्योंकि इस आदेश से एक नज़ीर बन गई है जिसके आधार पर हेमंत सोरेन के जेल से छूटने के प्रयास किए जा सकते हैं। हेमंत सोरेन

कल्पना सोरेन ने इन तर्कों को खारिज कर दिया कि, सुप्रीम कोर्ट के आदेश से गलत परम्परा पड़ी है कि, राजनीतिज्ञ (नेता लोग) एक अलग व सोशल क्लास हैं।

कल्पना सोरेन के अनुसार, चुनाव प्रचार में भाग लेना और अपनी पार्टी के लिये प्रचार करके वोट मांगना संवैधानिक अधिकार है तथा सुप्रीम कोर्ट के निर्णय से सभी चुनाव लड़ने वालों के लिये, "लैवल प्लेईंग फील्ड" स्थापित हुई है।

भी एक अन्य विपक्षी मुख्यमंत्री हैं जो भ्रष्टाचार के आरोपों के कारण जेल में हैं। हेमंत सोरेन की पत्नी कल्पना जो हाल ही में जे.एम.एम. में सक्रिय पद पर आई हैं, ने कहा, हम आशावात ही नहीं बल्कि हमें पक्का यकीन है कि, "बहुत

जल्दी हमको न्यायालय से खुशखबरी मिलेगी।" उन्होंने आगे कहा, "केजरीवाल के केस का फैसला निश्चित रूप से हमारे लिए उज्ज्वलदायक है। इससे हम सबको, हर जे.एम.एम. पार्टी कार्यकर्ता को और "इण्डिया"

गठबंधन को उम्मीद बंधी है। हमको सुशी है कि केजरीवाल बाहर आ गये हैं और हेमंत सोरेन के लिए भी हम यही आशा करते हैं।

कल्पना ने इन दलीलों को नकार दिया कि उच्चतम न्यायालय ने राजनीतिज्ञों को आम आदमी से अलग मानते हुए एक गलत उदाहरण पेश किया है और कहा कि आदेश संवैधानिक प्रावधानों के अनुसार था। जे.एम.एम. नेता कल्पना ने आगे कहा, "आम चुनाव पांच साल में एक बार ही आते हैं। राजनीतिज्ञ होने के नाते प्रचार करना, जनदेश मांगना और चुनाव लड़ना हमारा हक है। आज के समय में, सभी को अवसर मिलने चाहिए ताकि संविधान को (शेष अंतिम पृष्ठ पर)

'भारत को परमाणु शक्ति सम्पन्न पाकिस्तान से डरना चाहिए'

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 10 मई। कांग्रेस ने अपने पूर्व सांसद मणि शंकर अय्यर के द्वारा पाकिस्तान पर की गई टिप्पणी से अधिकृत रूप से स्वयं को अलग कर लिया है, परंतु भाजपा के केन्द्रीय मंत्री

कांग्रेस ने अपने पूर्व सांसद मणिशंकर अय्यर के इस बयान से हालांकि दूरी बना ली है, पर भाजपा इस बयान के आधार पर कांग्रेस को निशाना बना रही है।

राजीव चन्द्रशेखर ने शुक्रवार को दावा किया कि कांग्रेस का यह एक पैटर्न बन गया है कि उसके नेताओं द्वारा दिए गए बयानों से खुद को अलग कर लेती है (शेष अंतिम पृष्ठ पर)

'चुनाव प्रचार में भाग लेना न तो "फंडामेंटल राईट" है, न ही संवैधानिक अधिकार और न ही कानूनी अधिकार'

ई.डी. के वकील व एडिशनल सॉलिसिटर जनरल की यह दलील सुप्रीम कोर्ट ने स्वीकार नहीं की

संकेत दिया था कि लोकसभा चुनावों को देखते हुए एडवोकेट ऑफिस के एक सीमित अवधि के लिए रिहा किया जा सकता है।

केजरीवाल की पैरवी कर रहे सीनियर एडवोकेट अभिषेक मनु सिंघवी ने बैंच से अनुरोध किया कि दिल्ली के मुख्यमंत्री को कुछ और दिन बाहर रहने दिया जाए क्योंकि वोटों की गिनती 4 जून को होगी, तथापि बैंच ने उनकी इस मांग को स्वीकार नहीं किया।

सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने कहा कि "ऐसा कोई पूर्व उदाहरण मौजूद नहीं है जिसमें किसी व्यक्ति को चुनाव प्रचार के लिए रिहा किया गया हो।" इस पर जस्टिस खन्ना ने कहा कि

सुप्रीम कोर्ट ने दिल्ली के मु.मंत्री को 21 दिन की अंतरिम जमानत पर रिहा किया।

सुप्रीम कोर्ट ने रिहाई का आदेश देते हुए यह भी कहा कि, केजरीवाल बार-बार सम्मन मिलने के बाद भी, न्यायालय के समक्ष उपस्थित नहीं हुए तथा उनके खिलाफ एक गंभीर मुकदमा चल रहा है, पर, उन्हें अभी दोषी करार नहीं किया गया है, और वो आदतन अपराधी नहीं हैं, और न ही समाज को उनसे कोई खतरा है, अतः उन्हें अंतरिम जमानत पर 21 दिन के लिये रिहा किया जाता है।

"हमें यह किसी धारणा से नहीं जोड़ना है। हम आदेश पारित कर रहे हैं।"

एडीशनल सॉलिसिटर जनरल एस.वी. राजू ने कहा कि "केजरीवाल

'कांग्रेस अध्यक्ष खड़गे अनर्गल आरोप न लगाएं'

नई दिल्ली, 10 मई। चुनाव आयोग ने मौजूदा लोकसभा चुनाव में मतदान के आंकड़ों में विसंगति के बारे में कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे के छह मई के पत्र में उठाए गए सवालों को आक्षेप और आरोप बताते हुए को शुक्रवार को खारिज कर दिया।

आयोग ने खड़गे को भेजे गए विस्तृत जवाब में यह भी कहा है कि, उन्होंने सोशल मीडिया पर जारी उस पत्र में संबंधित मुद्दे पर सवाल पूछने को आड़

चुनाव आयोग ने मतदान आंकड़ों में विसंगति के आरोप के संबंध में कांग्रेस अध्यक्ष द्वारा लिखी गई चिट्ठी का जवाब देते हुए कहा।

में एक वक्तव्य दिया जो सार्वजनिक तथ्यों के परिप्रेक्ष्य में असत्य है।

खड़गे ने छह तारीख को आयोग को लिखे पत्र में छह सवाल उठाए थे और उस पत्र को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर डाल दिया था। आयोग ने कहा है कि, पत्र में लिखा है कि "इतिहास में पहली बार मतदान के अंतिम प्रतिशत आंकड़े जारी करने में देरी की गयी है और उसमें मीडिया की विभिन्न खबरों के (शेष अंतिम पृष्ठ पर)

एक जून तक के लिये केजरीवाल जेल से अंतरिम जमानत पर रिहा उनकी रिहाई से मीडिया व राजनीतिक नेता अचंभित, क्योंकि, अधिकतर चर्चा यह थी कि, केजरीवाल को किसी हालत में जमानत नहीं मिलेगी

उनकी रिहाई से मीडिया व राजनीतिक नेता अचंभित, क्योंकि, अधिकतर चर्चा यह थी कि, केजरीवाल को किसी हालत में जमानत नहीं मिलेगी

-नेगु मिश्रा-

राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो- नई दिल्ली, 10 मई। दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल को सुप्रीम कोर्ट द्वारा अंतरिम जमानत दिए जाने से प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की मुश्किलें और बढ़ गई हैं। शुक्रवार शाम उन्हें तिहाड़ जेल से छोड़ दिया गया। कार्यकर्ताओं की भीड़ ढोल और गाजे-बाजे के साथ उन्हें घर ले गई।

केजरीवाल को एक जून तक के लिए जमानत मिली है। इससे सत्तारूढ़ भाजपा और मीडिया को भारी झटका लगा है क्योंकि चर्चा यही थी कि केजरीवाल को किसी भी सूत्र में जमानत नहीं मिल सकती। पर केजरीवाल ने हर मुश्किल का सामना किया, अब वे दिल्ली, पंजाब यहाँ तक कि उत्तरप्रदेश में भी मोदी का मुक़ाबला करने को तैयार हैं। उम्मीद है कि वे इन राज्यों में गहन चुनाव प्रचार करेंगे।

यह सच है कि, जब से मु.मंत्री केजरीवाल की गिरफ्तारी हुई थी तथा उन्हें तिहाड़ जेल में कैद रखा गया था, उनके प्रति दिन पर दिन सहानुभूति पैदा हो रही थी जन्मानस में।

अब दिल्ली की सात संसदीय सीटों पर तीव्र संघर्ष होगा, क्योंकि चर्चा है कि, केजरीवाल अब धुंआधार चुनाव अभियान चलायेंगे दिल्ली में।

सुप्रीम कोर्ट ने केजरीवाल को इस शर्त पर रिहा किया है कि, वे ना तो अपने दफ्तर जायेंगे, ना ही मु.मंत्री कार्यालय जायेंगे और ना ही किसी ऑफिशियल फाइल पर दस्तखत करेंगे। पर, वे चुनाव प्रचार के लिए पूर्ण रूप से स्वतंत्र हैं, उन पर कोई पाबंदी नहीं है।

जब से केजरीवाल को गिरफ्तार कर जेल में डाला गया है तब से उनके लिए जमीनी स्तर पर बेहद गरीब वर्गों में सहानुभूति बढ़ रही है। वे सवाल कर रहे हैं कि चुनाव से ठीक पहले एक निर्वाचित मुख्यमंत्री

को क्यों गिरफ्तार किया गया है? वे कहते हैं केजरीवाल ने गरीबों को बहुत ज्यादा राहत दी है इसलिए वे मोदी की आंखों में चुभ रहे हैं।

सूत्रों का कहना है कि उनकी रिहाई के बाद भाजपा दिल्ली की सातों सीटों

पर मुश्किल में आ गई है, क्योंकि अब केजरीवाल इन सीटों पर भारी प्रचार करेंगे।

दिल्ली में आम आदमी पार्टी और कांग्रेस का गठबंधन है। आप 4 सीटों पर कांग्रेस 3 सीटों पर मैदान में है। आशंकाएं थी कि दोनों दलों के कार्यकर्ता एक दूसरे की पार्टियों के लिए काम नहीं करेंगे। पर सभी कार्यकर्ता और नेताओं का मत है कि अभी ज्यादा महत्वपूर्ण है भाजपा को हराना, आपसी मतभेद तो बाद में भी हल किए जा सकते हैं।

केजरीवाल से सुप्रीम कोर्ट ने कहा है कि वे ना तो अपने ऑफिस जा सकते हैं ना ही किसी फाइल पर हस्ताक्षर कर सकते हैं पर सुप्रीम कोर्ट ने उन्हें देशभर में भाजपा के खिलाफ प्रचार से नहीं रोका है। इंडिया गठबंधन के सहयोगी दलों ने केजरीवाल की रिहाई पर बधाई दी और कहा कि इससे विपक्ष को ताकत बढ़ी और भाजपा कमजोर पड़ी है।

शराब के ठेके चलाने की अवधि जबरन बढ़ाने का आदेश रद्द

हाईकोर्ट ने लगभग 500 लाइसेंस धारकों को राहत देते हुए राज्य सरकार के आदेश को रद्द किया है

जयपुर, 10 मई (का.सं.)। राजस्थान हाईकोर्ट ने राज्य सरकार के 13 मार्च 2024 के उस आदेश को रद्द कर दिया है जिसके तहत शराब के ठेकों के लाइसेंस धारकों को 30 जून 2024 तक शराब की दुकानें संचालन करने के आदेश दिये गये। गौरतलब है कि प्रदेश में करीब 7000 शराब ठेकों के लाइसेंस धारकों में से 4000 ने जनवरी-फरवरी, 2024, में आयोजित शराब के ठेकों के लाइसेंस की नीलामी में भाग नहीं लिया था। परंतु राज्य सरकार ने सभी भाग ना लेने वाले पुराने लाइसेंसधारकों को लाइसेंस अवधि का समय एकतरफा कार्रवाई करते हुए तीन माह और बढ़ा दिया था, जिसके खिलाफ कृष्णा शर्मा व 275 अन्य याचिकाकर्ताओं ने जयपुर स्थित हाईकोर्ट का दरवाजा खटखटाया और वहीं करीब 200 अन्य लाइसेंस धारकों ने जोधपुर में याचिका दायर की थी। आज जयपुर में सुनवाई के बाद जस्टिस अदालत ने केजरीवाल को 20 मई तक इस आदेश से इन करीब 500 लाइसेंसधारकों को राहत मिली है। इस

राज्य सरकार ने नई लिफ्ट पॉलिसी के तहत जनवरी-फरवरी में 7000 शराब ठेकों के लाइसेंस के लिये निविदा आमंत्रित की थी लेकिन करीब 4000 पुराने लाइसेंस धारकों ने इसमें भाग नहीं लिया। उनका कहना है कि, उन्हें नई नीति से तय दर पर राजस्व देने में घाटा हो रहा है।

इन 4000 लाइसेंस धारकों में से करीब 500 ने अदालत का दरवाजा खटखटाया। उनका कहना था कि, राज्य सरकार उनके लाइसेंस की अवधि बढ़ाकर उन्हें घाटे पर कार्य करने पर विवश नहीं कर सकती। उन्होंने कोर्ट से यह भी कहा कि, राज्य सरकार ने उनकी सुरक्षा राशि लौटाने से मना कर दिया, जब तक कि बढ़ाई गई अवधि का समय समाप्त नहीं हो जाता।

हालांकि, अदालत को यह नहीं बताया गया है कि, लाइसेंस धारकों को नई पॉलिसी के तहत घाटा क्यों हो रहा है, जबकि नई पॉलिसी और पुरानी पॉलिसी में कोई खास परिवर्तन नहीं है।

मामले में लाइसेंसधारकों की ओर से वरिष्ठ अधिवक्ता आर.बी.माथुर और उनके सहायक अधिवक्ता पलक माथुर

पेश हुए थे और अदालत में इस मामले को अधिवक्ता अचिंत्य कौशिक ने दायर (शेष अंतिम पृष्ठ पर)

केजरीवाल को सशर्त जमानत

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 10 मई। न्यायाधीश संजीव खन्ना व दीपांकर दत्ता की सुप्रीम कोर्ट बैंच ने दिल्ली के मुख्यमंत्री से कहा कि वे शराब नीति घोटाला के बारे में कुछ भी नहीं बोलेंगे यही बात कोर्ट ने इसी मामले से संबंधित पिछले माह आप पार्टी के नेता संजय सिंह को जमानत देते समय कहा था। यही शर्त उन पर भी कर ली थी।

दिल्ली के मुख्यमंत्री केजरीवाल को सुप्रीम कोर्ट ने एक जून तक के लिए 5 शर्तों पर जमानत दी है।

लगाई थी। उन्होंने वर्तमान लोकसभा चुनावों के दौरान केवल आप पार्टी का प्रचार करने के लिए अनुमति प्रदान की गई है। केजरीवाल को इस जमानत अवधि में मुख्य मंत्री के बतौर कोई भी अधिकारिक कार्य करने की इजाजत नहीं दी गई है और वो इस अवधि के दौरान उनके दिल्ली सचिवालय स्थित (शेष अंतिम पृष्ठ पर)

सीनियर नेता संजय सिंह को भी आबकारी नीति घोटाले से संबंधित केस में 4 अक्टूबर 2023 को गिरफ्तार किया गया था, लेकिन शीर्ष अदालत ने गत 2 अप्रैल को उनकी जमानत मंजूर कर ली थी।

संजय सिंह के केस में ई.डी. ने सुप्रीम कोर्ट में कहा था कि उन्हें जमानत पर रिहा करने में उसे कोई आपत्ति नहीं है। हालांकि, ई.डी. ने यह भी स्पष्ट किया था कि सिंह को दी गई न्यायिक छूट को एक नज़ीर ना माना जाए।

"आप" के दो अन्य सीनियर नेता दिल्ली के पूर्व उप मुख्यमंत्री मनीष सिंसोदिया और दिल्ली के पूर्व स्वास्थ्य मंत्री सत्येन्द्र जैन, मनी लॉण्डिंग के दो अलग-अलग केसों में अभी जेल में ही बंद हैं।

10 मई को अहम सुनवाई से ठीक पहले ई.डी. ने एक ताजा शपथ पत्र प्रस्तुत कर इस पर जोर दिया था कि (शेष अंतिम पृष्ठ पर)

विचार बिन्दु

पति के किये पत्नी कार्य में मंत्री के समान सलाह देने वाली, सेवा में दासी के समान काम करने वाली, माता के समान सुन्दर भोजन बनाने वाली, धर्म के अनुकूल और क्षमादी गुण धारण करने में पृथ्वी के समान स्थिर रहने वाली होती है। -संस्कृत सूक्ति

असंगठित क्षेत्र में महिला कामगारों की बढ़ती भागीदारी

बात भले ही थोड़ी अजीब लगे पर वास्तविकता तो यही बयां करती है कि आज देश में असंगठित क्षेत्र में पुरुषों के मुकाबले महिलाओं की हिस्सेदारी अधिक हो गई है। केन्द्र सरकार के ई-श्रम पोर्टल पर देश में 29 करोड़ 56 लाख श्रमिकों का पंजीकरण हो चुका है जिसमें से महिला श्रमिकों की संख्या पुरुषों की तुलना में अधिक है। देखा जाए तो असंगठित क्षेत्र में आज महिला श्रमिकों की हिस्सेदारी आधी से भी ज्यादा हो चुकी है। केन्द्र सरकार के ई-श्रम पोर्टल की ही बात करें तो इसमें पंजीकृत 29 करोड़ 56 लाख श्रमिकों में से 53 फीसदी से भी अधिक महिला श्रमिक रजिस्टर्ड हैं जबकि पुरुष श्रमिकों की संख्या यही कोई 46 फीसदी से कुछ ही अधिक है। दरअसल बात भले ही कुछ भी की जाती हो पर तस्वीर तो यही है कि पुरुषों की तुलना में महिलाएं अधिक श्रम कर रही थीं और कर रही हैं। भले ही व्हाइट कालर क्षेत्र में महिलाओं की भागीदारी पुरुषों की तुलना में कम हो पर आज संगठित व असंगठित क्षेत्र में महिलाएं पुरुषों से पीछे नहीं हैं।

भारत सरकार के ई श्रम पोर्टल के आंकड़ों की ही भाषा में बात करें तो केरल में सबसे अधिक 59.79 प्रतिशत महिला श्रमिक असंगठित क्षेत्र में हैं तो आंध्रप्रदेश, असम, बिहार, छत्तीसगढ़, झारखण्ड, कर्नाटक, राजस्थान, उत्तर प्रदेश, उत्तराखण्ड और पश्चिम बंगाल आदि सभी जगह पुरुषों की तुलना में महिला श्रमिक अधिक हैं। दरअसल देखा जाए तो खेती और पशुपालन तो महिलाओं के भरोसे ही चल रहा है। शहरों में घरेलू कामकाज और रियल स्टेट क्षेत्र में असंगठित क्षेत्र के श्रमिकों की हिस्सेदारी सर्वाधिक है। करीब 15 करोड़ श्रमिक खेती किसानों क्षेत्र से जुड़े हुए हैं। इसका अर्थ साफ-साफ यह हुआ कि खेती किसानों से आधे से भी अधिक श्रमिक जुड़े हुए हैं और इसमें भी कोई दो राय नहीं कि पुरातन काल से ही पशुपालन तो महिलाओं के भरोसे ही चलता आया है। खेती किसानों में भी महिलाओं की प्रमुख भागीदारी होती है।

बात भले ही थोड़ी अजीब लगे पर वास्तविकता तो यही बयां करती है कि आज देश में असंगठित क्षेत्र में पुरुषों के मुकाबले महिलाओं की हिस्सेदारी अधिक हो गई है। केन्द्र सरकार के ई-श्रम पोर्टल पर देश में 29 करोड़ 56 लाख श्रमिकों का पंजीकरण हो चुका है जिसमें से महिला श्रमिकों की संख्या पुरुषों की तुलना में अधिक है। देखा जाए तो असंगठित क्षेत्र में आज महिला श्रमिकों की हिस्सेदारी आधी से भी ज्यादा हो चुकी है।

रखा जाएगा। इनमें महिला और पुरुष श्रमिक दोनों ही शामिल हैं। संगठित क्षेत्र के श्रमिक अपनी संख्या बल के आधार पर अपनी बात मनवाने में सफल रहते हैं पर असंगठित क्षेत्र के श्रमिकों की अपनी समस्याएं हैं और उन्हें कुछ हद तक दूर करवाये जाने के प्रयास जारी रहे हैं। श्रमिकों से जुड़े गैर सरकारी संगठनों द्वारा भी समय समय पर आवाज उठाई जाती है और उसी का परिणाम है कि सरकारें अब असंगठित क्षेत्र के श्रमिकों की सुरक्षा योजनाओं के लिए गंभीर प्रयास करने लगी हैं।

दरअसल असंगठित क्षेत्र के श्रमिकों की अपनी समस्या है। काम मिले तो मिल गया और नहीं मिला तो नहीं मिला। यानी असंगठित क्षेत्र में रोजगार की स्थिरता नहीं होती। यही कारण है कि पूरे महीने रोजगार मिलेगा या नहीं व पूरे महीने की पगार मिलेगी, इसकी कोई गारंटी नहीं होती। इसके लिए रोजगार व आय की सुरक्षा व नियमितता की बात भी नहीं की जा सकती। इसका अर्थ यह हुआ कि सामाजिक आर्थिक सुरक्षा की बात करना बेमानी होगी। मोटे रूप से रोजगार, सुरक्षा और स्वास्थ्य व आवश्यक सुविधाओं की सुलभता असंगठित क्षेत्र के श्रमिकों के लिए दूर की कोड़ी ही मानी जा सकती है। हालांकि असंगठित क्षेत्र की श्रमिकों की समस्याओं को लेकर सरकार गंभीर होने लगी है। पहली बात यह कि श्रम पोर्टल पर रजिस्टर्ड होने से सरकार के सामने वास्तविक तस्वीर सामने आने लगी है। सरकार ने प्रधानमंत्री जीवन ज्योति बीमा योजना, प्रधानमंत्री सुरक्षा बीमा योजना, आयुष्मान भारत प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना, श्रम योगी मान धन योजना, अटल पेंशन योजना और इसी तरह की अन्य योजनाओं से जोड़कर असंगठित क्षेत्र के श्रमिकों को सामाजिक सुरक्षा देने के प्रयास किये गये हैं।

अब देश दुनिया में श्रमिक आंदोलन का समय तो करीब-करीब समाप्त ही हो चुका है। ऐसे में इस क्षेत्र में कार्य कर रहे गैरसरकारी संगठनों, सामाजिक संगठनों आदि को आगे आना होगा और असंगठित क्षेत्र के श्रमिकों की आवाज बनना होगा और अब तो चूंकि असंगठित क्षेत्र में पुरुषों की अपेक्षा महिला श्रमिक अधिक हैं तो फिर और भी अधिक जिम्मेदारी हो जाती है। सरकार को भी इस क्षेत्र के श्रमिकों की समस्याओं के समधान के लिए फोकस करना होगा।

-अतिथि सम्पादक,
डॉ. राजेन्द्र प्रसाद शर्मा
(वरिष्ठ लेखक)

राशिफल शनिवार 11 मई, 2024



पंडित अनिल शर्मा

वैशाख मास, शुक्ल पक्ष, चतुर्थी तिथि, शनिवार, विक्रम संवत् 2081, मृगशिरा नक्षत्र दिन 10:15 तक, सुकर्म योग दिन 10:02 तक, वणिज करण दिन 2:27 तक, चन्द्रमा आज मिथुन राशि में संचार करेगा।

ग्रह स्थिति: सूर्य-मेघ, चन्द्रमा-मिथुन, मंगल-मीन, बुध-मेघ, गुरु-वृष, शुक-मेघ, शनि-कुम्भ, राहु-मीन, केतु-कन्या राशि में। आज रविविद्योग प्रातः 7:02 तक है और प्रातः 10:15 से पुनः आरम्भ होगा। भद्रा दिन 2:27 से रात्रि 7:04 तक रहेगी। आज विनायक चतुर्थी है।

श्रेष्ठ चौघड़िया: शुभ 7:25 से 9:04 तक, चर 12:19 से 2:03 तक, लाभ-अमृत 2:03 से 5:21 तक।

राहुकाल: 9:00 से 10:30 तक। सूर्योदय 5:45, सूर्यास्त 7:01

मेघ	सिंह	धनु
परिवार में मन को प्रसन्न करने वाले संदेश प्राप्त होंगे। व्यक्तिगत प्रयासों से वर्तमान समस्या का समाधान हो सकता है। व्यावसायिक कार्यों के लिए दिन अच्छा रहेगा। व्यावसायिक आय में वृद्धि होगी।	आर्थिक/वित्तीय मामलों में संतुलन बना रहेगा। व्यावसायिक कार्यों में व्यस्तता अभी यथावत बनी रहेगी। नैकीरपेक्षा व्यक्तियों को अतिरिक्त जिम्मेदारी मिल सकती है।	परिवार में आपसी सहयोग-समन्वय बना रहेगा। परिवार में धार्मिक-मौलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। परिवर्तनों के सहयोग से वर्तमान समस्या का समाधान हो सकता है।
वृष	कन्या	मकर
आर्थिक कारणों से अटक हुए कार्य बन्दे लगे। धन प्राप्त होगा। आय में वृद्धि होगी। व्यावसायिक कार्यों में व्यस्तता अभी यथावत बनी रहेगी।	व्यावसायिक कार्यों में आ रही अड़चनें दूर होने लगेगी। व्यावसायिक कार्य शीघ्रता/सुगमता से बन्दे लगे। आर्थिक स्थिति में सुधार होगा। धार्मिक स्थान की यात्रा संभव है।	घर-परिवार में चल रहे आवसी मतभेद समाप्त होंगे। स्वास्थ्य संबंधित चिन्ता दूर होगी। परिवार में अतिथियों का आमनन बना रहेगा। व्यावसायिक/आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।
मिथुन	तुला	कुंभ
आर्थिक/वित्तीय मामलों के लिए दिन अच्छा रहेगा। आय में वृद्धि होगी। व्यावसायिक कार्यों के लिए यात्रा संभव है। मानसिक तनाव से राहत मिलेगी। मनोबल-आत्मविश्वास बढ़ेगा।	नवीन कार्यों के संबंध में शुभ संदेश प्राप्त होंगे। अटक हुए कार्य बन्दे लगे। व्यावसायिक कार्यों में आ रही अड़चनें दूर होने लगेगी। आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।	व्यावसायिक कार्यों से संबंधित आर्थिक समस्या का समाधान हो सकता है। आर्थिक कारणों से अटक हुए कार्य सुगमता से बन्दे लगे। सम्पादित धन प्राप्त होगा। परिवार में मौलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं।
कर्क	वृश्चिक	मीन
व्यक्तिगत परेशानियों के कारण भागदौड़ रहेगी और मन में असंतोष बना रहेगा। घर-गृहस्थी के खर्चों में अनावश्यक वृद्धि होगी। अनर्गल कार्यों में समय खराब होगा।	चन्द्रमा अष्टम भाव में शुभ कार्य में शुभ कार्यों में व्यवधान सामने आ सकते हैं। आवश्यक कार्यों में विलम्ब हो सकता है। खान-पान के कारण स्वास्थ्य खराब हो सकता है।	घर-परिवार में सुख-शांति बनी रहेगी। परिवार में महत्वपूर्ण कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। व्यावसायिक वार्ता सफल रहेगी। व्यावसायिक प्रयासों में उचित सफलता मिलेगी।



प्रो. अशोक कुमार

दल बदल, जिसे राजनीतिक दल-बदल भी कहा जाता है, एक ऐसी प्रथा है जिसमें कोई निर्वाचित प्रतिनिधि उस राजनीतिक दल को छोड़ देता है जिसके टिकट पर वह चुनाव जीता था और दूसरे दल में शामिल हो जाता है। इतिहास:- भारत में दल बदल की प्रथा स्वतंत्रता से पहले से ही मौजूद थी, लेकिन 1960 के दशक में

गठबंधन सरकारों के उदय के साथ यह अधिक आम हो गई। 1980 के दशक में, दल बदल ने भारतीय राजनीति में अस्थिरता पैदा कर दी, जिसके कारण अक्सर सरकारें गिर जाती थीं।

दल बदल विरोधी कानून:- 1985 में, दल बदल को रोकने के लिए 52वें संविधान संशोधन के माध्यम से दसवीं अनुसूची को संविधान में जोड़ा गया। इस कानून के तहत, यदि कोई निर्वाचित प्रतिनिधि दल बदल करता है, तो उसे अपनी सीट से अयोग्य घोषित किया जा सकता है और उसे अगले कुछ वर्षों तक चुनाव लड़ने से वंचित किया जा सकता है।

दल बदल के कारण:- दल बदल के कई कारण हो सकते हैं, जिनमें शामिल हैं: वैचारिक मतभेद:- कभी-कभी, निर्वाचित प्रतिनिधि उस राजनीतिक दल की विचारधारा से सहमत नहीं रह जाते हैं जिसके टिकट पर उन्होंने चुनाव लड़ा था।

राजनीतिक महत्वाकांक्षा :- कुछ निर्वाचित प्रतिनिधि अधिक शक्ति या पद प्राप्त करने के लिए दल बदलते हैं।

पैसे या अन्य प्रलोभन:- कभी-कभी, निर्वाचित प्रतिनिधियों को दूसरे दल में शामिल होने के लिए रिश्वत या अन्य प्रलोभन दिए जाते हैं।

विरोधी दल द्वारा दबाव:- विरोधी दल कभी-कभी सत्ताधारी दल के सदस्यों को दल बदलने के लिए धमकाते हैं या उन्हें मनाते हैं।

दल बदल के प्रभाव:- दल बदल के कई नकारात्मक प्रभाव हो सकते हैं, जिनमें शामिल हैं: राजनीतिक अस्थिरता:- दल बदल से सरकारें गिर सकती हैं और राजनीतिक अस्थिरता पैदा हो सकती है।

मतदाताओं का विश्वास कम होना:- दल बदल से मतदाताओं का राजनीतिक दलों और नेताओं पर विश्वास कम हो सकता है।

राजनीतिक भ्रष्टाचार:- दल बदल से राजनीतिक भ्रष्टाचार बढ़ सकता है, क्योंकि निर्वाचित प्रतिनिधि अक्सर अपने निजी लाभ के लिए दल बदलते हैं।

नीतिगत निष्क्रियता:- दलबदल से नीतिगत निष्क्रियता पैदा हो सकती है, क्योंकि सरकारें अक्सर राजनीतिक अस्थिरता से जूझ रही होती हैं।

दल बदल को रोकने के उपाय:- दल बदल को रोकने के लिए कई उपाय किए जा सकते हैं, जिनमें शामिल हैं:

दल बदल विरोधी कानून को मजबूत करना:- दल बदल विरोधी कानून को और अधिक मजबूत बनाया जा सकता है ताकि दल बदल को रोकने में अधिक प्रभावी हो सके।

राजनीतिक दलों के बीच आंतरिक लोकतंत्र को बढ़ावा देना:- राजनीतिक दलों के बीच आंतरिक लोकतंत्र को बढ़ावा देने से

यह सुनिश्चित करने में मदद मिलेगी कि निर्वाचित प्रतिनिधि दल के नेतृत्व और सदस्यों के साथ सहमत हों।

मतदाताओं में जागरूकता पैदा करना:- मतदाताओं में जागरूकता पैदा करने से उन्हें उन उम्मीदवारों को चुनने में मदद मिलेगी जो दल बदल की संभावना कम रखते हैं। दल बदल कानून में संशोधन के लिए एक सुझाव- आचार संहिता लागू होने के बाद से चुनाव परिणाम तक दल बदल अवैध माना जाएगा।

निष्कर्ष:- दल बदल भारत में एक गंभीर समस्या है जिसके कई नकारात्मक प्रभाव हैं। दल बदल को रोकने के लिए कई उपाय किए जा सकते हैं, लेकिन इसके लिए राजनीतिक दलों, चुनाव आयोग और नागरिकों की ओर से एक ठोस प्रयास की आवश्यकता होगी।

-प्रो. अशोक कुमार,
पूर्व कुलपति कानपुर,
गोरखपुर विश्वविद्यालय

कागजों में ही चल रहा रणजीतपुरा उप तहसील कार्यालय

उप तहसील कार्यालय पर ताले लगे होने से किसानों को भटकना पड़ रहा है

बीकानेर, (निर्स)। जिले की बज्जू उपखण्ड के सीमावर्ती क्षेत्र के किसानों को वर्ष 2022 में रणजीतपुरा में उपतहसील कार्यालय खुलने पर प्रसन्नता हुई थी कि अब भटकना नहीं पड़ेगा, लेकिन उप तहसील कार्यालय पर ताले लगे हैं और किसानों को भटकना पड़ रहा है। वैसे तो 2022 में उपतहसील कार्यालय खुलने के साथ ही परेशानी शुरू हो गई थी, लेकिन अब तो ताला लगने की स्थिति आ चुकी है। किसानों के अब काम के लिए 90 किलोमीटर दूरी तय करके बज्जू पहुंचना पड़ रहा है। बज्जू में भी कई बार पटवारी व कर्मचारी नहीं मिलने से

निराश लौटना पड़ता है। बज्जू राजस्व तहसील के 7 राजस्व ग्राम रणजीतपुरा, गजेवाला, चारणवाला, बरसलपुर, भूरासर, छिला कर्मपुर, राववाला के 30 गांवों में 14 पटवार मंडल, 4 गिरदावरी सर्किल की 7 लाख 20 हजार बीघा जमीन व 339 चर्कों को रणजीतपुरा उपतहसील में शामिल किया गया था। उपतहसील कार्यालय शुरू होने के साथ ही परेशानी शुरू हो गई थी। गत 14 मार्च को नायब तहसीलदार का तबादला होने के साथ ही तहसील कार्यालय पर ताला लगा गया। इसके बाद पटवारियों ने भी बज्जू में उठराव शुरू कर दिया। अन्य

■ किसानों को काम के लिए 90 किलोमीटर दूर बज्जू जाना पड़ता है

■ बज्जू में भी कई बार पटवारी व कर्मचारी नहीं मिलने से निराश लौटना पड़ता है

रणजीतपुरा उपतहसील में लंबे समय से तहसीलदार व नायब तहसीलदार का पद रिक्त है। इससे जनता का कोई धणी धोरी नहीं है। बज्जू में तहसीलदार व नायब तहसीलदार, रणजीतपुरा में नायब तहसीलदार का पद रिक्त है। इससे रणजीतपुरा में काम बंद है। बज्जू में कभी कभार कार्य होता है। बज्जू में कार्यवाहक भी राज्य तहसील के बजाय एएसडीएम कार्यालय से नायब तहसीलदार को बज्जू का कार्यवाहक के रूप में चार्ज दिया। वे भी इन दिनों अवकाश पर हैं, जिससे आमजन को परेशानी उठानी पड़ रही है।

मनरेगा कार्य स्थलों पर पीने के पानी को तरस रहे हैं मजदूर

हनुमानगढ़, (निर्स)। शहरी मनरेगा में काम रहे मजदूरों को समय पर मजदूरी नहीं मिल रही है। स्थिति यह है कि नवम्बर के बाद से अब तक यानी पांच महीने की मजदूरी श्रमिकों को नहीं मिली है। इस स्थिति में इनकी आर्थिक स्थिति खराब हो रही है। शहरी क्षेत्र में ज्यादातर मनरेगा मजदूरों में महिलाएं हैं। कुछ मनरेगा कार्य स्थलों पर छाया-पानी की समुचित व्यवस्था भी नजर नहीं आ रही है। ऐसे में भीषण गर्मी में मनरेगा श्रमिकों के लिए मजदूरी का काम काफी चुनौतीपूर्ण बना हुआ है। शहरी मनरेगा से अलग ग्रामीण मनरेगा में मार्च तक की मजदूरी मजदूरों को जारी कर दी गई है। ऐसे में मजदूरी भुगतान मामले में उनकी स्थिति थोड़ी ठीक है, लेकिन शहरी क्षेत्र में मनरेगा श्रमिकों की स्थिति दयनीय बनी हुई है। बड़े स्तर पर बजट के अटकने से मनरेगा योजना में लगे कार्मिक व श्रमिक प्रभावित हो रहे हैं।

मनरेगा मजदूरों के साथ ही मेटा का भुगतान भी अटका हुआ है। वहीं मनरेगा कार्य स्थलों पर पीने के पानी को मजदूर तरस रहे हैं। नगर परिषद में मनरेगा कार्यालय में कार्यरत जेटिए रघुवीर मीणा के अनुसार मनरेगा कार्य स्थल पर हम छाया-पानी की समुचित व्यवस्था करवा रहे हैं। सभी मेटा को हमने कैंपर दे रखा है। ताकि मजदूरों को पेयजल आसानी से उपलब्ध हो सके। उन्होंने बताया कि शहरी क्षेत्र में ज्यादातर मजदूर पार्क के सौंदर्यकरण कार्य में लगे हुए हैं। ऐसे में पेड़ आदि की छांव में वह आराम कर लेते हैं। जहां पेड़ नहीं होते, वहां पर हम छाया की व्यवस्था करवाते हैं। जेटिए के अनुसार नवम्बर के बाद मनरेगा मजदूरों के मजदूरी मद में भुगतान नहीं हुआ है। मनरेगा मजदूरों मांगों को लेकर सरकार गंभीर नहीं हो रही है। मनरेगा मजदूरों के बकाया भुगतान की मांग

■ कुछ मनरेगा कार्य स्थलों पर छाया-पानी की समुचित व्यवस्था भी नजर नहीं आ रही है

■ भीषण गर्मी में मनरेगा श्रमिकों के लिए मजदूरी का काम काफी चुनौतीपूर्ण बना हुआ है

अब तक अचूरी है। श्रमिक नेता सुरेंद्र शर्मा के अनुसार केंद्र सरकार लगातार मनरेगा के कार्य को बंद करना चाहती है। इसलिए वह मनरेगा मजदूरों की पूरी मजदूरी भेज नहीं रही है। इसके कारण मजदूरों के 100 दिन का कार्य नहीं हो रहा है। ना ही उन्हें पांच महीने तक कोई मजदूरी मिली है। इससे रोजगार की गारंटी मजबूत बन रही है। इतना ही नहीं मजदूरी अटकने से रोजगार की गारंटी पर सवाल उठ रहे हैं। संघर्षीय में महात्मा गांधी राष्ट्रीय रोजगार गारंटी योजना तहत कार्यस्थलों पर सरकार की ओर से मजदूरों के लिए पर्याप्त पानी, छाया व्यवस्था के साथ मेडिकल किट मौजूद होना अनिवार्य है,

रघुवीर गोदारा के अनुसार एक जून से वृहद स्तर पर काम चलेंगा। कुछ जगह पोधरोपण या शेष रहे पक्के काम चल रहे हैं। गर्मी में सुबह छह से दोपहर एक बजे तक काम है। टास्क पूरा होते ही मजदूर घर चला जाता है। पानी की दो लीटर बोतल भरकर साथ लाते हैं। पेड़ की छांव में आराम कर लेते हैं। गांव ढाबां में कर्णोसिंह ब्रांच की नहर के पट्टा पर बुर्जी संख्या 13 से 26 पर घास-फूस, झाड़ी सफाई आदि कार्य इन दिनों चल रहा है। पूर्व मेट मांगीलाल लेखा व मजदूरों ने बताया कि गर्मी में परेशानी तो होती है। चार-पांच सालों से तंबू-टेंट नहीं देखा। छाया के लिए पेड़ों तले बैठ जाते हैं। मेडिकल किट कहाँ है। पखवाड़े में कभी-कभार एएनएम आती है। पानी की बोतल घर से भरकर लाते हैं। दिनभर चलने वाली गर्मी हवा से लोगों को परेशानी होती है। टास्क पूरा होते ही घर चले जाते हैं।

आंगनवाड़ी केन्द्रों पर नौनिहालों की भीषण गर्मी में हालत खराब

श्रीगंगानगर, (निर्स)। प्रदेश भीषण गर्मी की चपेट में है। सरकारी और प्राइवेट स्कूलों में समय बदल दिया गया है लेकिन आंगनवाड़ी केन्द्रों में 3 से 6 साल के नौनिहालों की इस गर्मी में हालत खराब हो रही है। आंगनवाड़ी केन्द्र के बच्चों से भेदभाव नहीं किया जाए, इसके लिए समय परिवर्तन या अवकाश देने का मार्ग प्रशस्त करो ताकि बच्चों को राहत मिल सके। यह कहना था नारी शक्ति महिला एवं बाल

■ आंगनवाड़ी केन्द्रों की मानदेय कार्मिकों ने समय परिवर्तन या अवकाश की क्लेक्टर से गुहार लगाई

■ 'आंगनवाड़ी केन्द्रों में 3 से 6 वर्ष तक के बच्चों के लिए अभी तक सुबह 8 से 12 बजे तक समय निर्धारित है'

विकास विभाग संगठन की जिलाध्यक्ष मंजू स्वामी और संगठन संस्थापक सीता स्वामी का। इस संगठन से जुड़ी महिलाओं ने क्लेक्टर को बच्चों के समक्ष पेश होकर कार्यकर्ता, आशा

सहयोगिनी, सहायिका, साथियों की इस समस्या से अवगत कराया इस संबंध में ज्ञापन भी दिया। इस दौरान दिए गए ज्ञापन में बताया गया कि जिले में कक्षा 1 से 8 तक के विद्यार्थियों के लिए स्कूल का समय सुबह 7 से 11 बजे तक कर दिया गया है। वहीं कई विद्यालयों में समय में परिवर्तन किया गया है। लेकिन आंगनवाड़ी केन्द्रों में 3 से 6 वर्ष तक के बच्चों के लिए अभी तक सुबह 8 से 12 बजे तक समय निर्धारित है। भीषण गर्मी के प्रकोप से छोटी आयु पड़ सकता है। इस मौके पर कुलविन्द्र कौर और अरुणी भी मौजूद थीं।

इन महिलाओं का कहना था कि आंगनवाड़ी केन्द्रों में पोषाहार रेडीमेड आ रहा है। वहीं उन केन्द्रों के साथ दोहरे मापदंड बनाए हैं जहां सरकारी स्कूलों में केन्द्र संचालित है। इन स्कूलों में तो समय में परिवर्तन कर दिया जबकि केन्द्रों के बच्चों के लिए आने के लिए दबाव डाला जा रहा है। इस दोहरे मापदंड से छुटकारा दिलाने के लिए क्लेक्टर को निर्णय लेने के लिए आग्रह किया है।

महाराव शेखाजी की पुण्यतिथि पर श्रद्धासुमन अर्पित

चूरू, (कासं)। महाराव शेखाजी की 536वें पुण्यतिथि शेखावत कॉलोनी के श्रीकरणी माता जी मन्दिर सभागार में संस्थान के अध्यक्ष डॉ. अमरसिंह शेखावत की अध्यक्षता में मनाई गई। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि अतिरिक्त जिला कलेक्टर उत्तम सिंह शेखावत ने शत्रोत्रीय का गौरवपूर्ण इतिहास बताते हुए उच्च स्तरीय कार्यक्रम को प्रहण करने की बात कही। उन्होंने कहा कि जीवन में सकारात्मक सोच के साथ सभी समाज को एक साथ लेकर एकजुटता से प्रयास करना चाहिए ताकि समाज आगे बढ़कर देश सेवा करता रहे।

विशिष्ट अतिथि अतिरिक्त जिला पुलिस अधीक्षक चूरू सतपाल सिंह शेखावत ने कहा कि शेखाजी सद्गुणी व्यक्तित्व के धनी थे। उनके जीवन के एक भी गुण को अपने जीवन में उतार लिया जावे तो व्यक्ति का जीवन सफल हो जाएगा। उन्होंने कहा कि युवाओं को महाराव शेखाजी से प्रेरणा लेकर शिक्षा को बढ़ावा देना चाहिए। राव शेखाजी प्रजातंत्र एवं एकता में विश्वास रखते थे। प्रारम्भ में अतिथियों ने महाराव शेखाजी के चित्र के समक्ष दीप प्रज्वलित कर सभी ने पुष्प अर्पित किए। कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे

■ स्त्री रक्षक एवं हिन्दु-मुस्लिम एकता के प्रतीक थे महाराव शेखाजी : शेखावत

संस्थान के अध्यक्ष डॉ. अमर सिंह शेखावत ने कहा कि महाराव शेखा के जीवन मूल्यों को वर्तमान में अपने जीवन में ढालने तथा संस्कृति एवं संस्कार बच्चों को सिखाने की आवश्यकता है। शेखा नारी रक्षक व हिन्दु-मुस्लिम एकता के प्रतीक थे। इस अवसर पर विशिष्ट अतिथि भवानी सिंह निर्वाण डीएफओ,

एएसपी (सेवानिवृत्त) रामसिंह बीका, दिलीप सिंह राठौड़ डीएफओ ने भी महाराव शेखाजी के जीवनवृत्त पर प्रकाश डाला। इस दौरान रतन सिंह ख्याली ने महाराव शेखा की प्रेरणादायक जीवनी पर विस्तृत जानकारी दी। इस अवसर पर कर्नल विक्रम सिंह शेखावत, सेवानिवृत्त प्राचार्य उमदेसिंह राठौड़, गुलाब सिंह, जय सिंह, एड. सुरेंद्र सिंह, एड. कुन्दन सिंह, कमल सिंह राठौड़, रतन सिंह, प्रेम सिंह इन्द्रा, मदन सिंह, गुमानसिंह, रघुवीर सिंह, इन्द्र सिंह राठौड़, सूरजभान सिंह, कर्णपाल सिंह, रणजीत सिंह,

सुन्दरपाल सिंह, हरिसिंह, जगमल सिंह टकणेत, भागीरथ सिंह, नरेन्द्र सिंह, उमदे सिंह भाटी, प्रभु सिंह, एड. धने सिंह, वैद्य विजेन्द्र सिंह राठौड़, रविन्द्र सिंह, डॉ. हर्षवर्द्धन सिंह शेखावत, प्रहलाद सिंह, अशोक सिंह, नाहर सिंह भाटी, विक्रम सिंह, राकेश सिंह, भरत सिंह ख्याली, जसवन्त सिंह, लादू सिंह, नरपाल सिंह, सम्पत सिंह, राववीर सिंह आदि उपस्थित थे। कप्तान मदन सिंह शेखावत ने सभी का आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम का संचालन एडवोकेट हेमसिंह शेखावत ने किया।

भगवान परशुराम की जयंती धार्मिक आयोजन के साथ धूमधाम से मनाई

जन्मोत्सव पर हुआ ध्वजारोहण, हवन यज्ञ सहित प्रतिभाओं का हुआ सम्मान

अजमेर, (कास)। भगवान विष्णु के छठे अवतार भगवान परशुराम जी का जन्मोत्सव शुक्रवार को सर्वब्राह्मण समाज की ओर से धार्मिक आयोजित के साथ धूमधाम से मनाया गया। जन्मोत्सव पर परशुराम सिकल स्थित परशुराम जी की प्रतिमा पर ध्वजारोहण, हवन यज्ञ का आयोजन हुआ। समाज के लोगों ने मावे का केक काटकर दूसरे को मुं मीठा कराया। शाम को समाज के प्रतिभावानों को सम्मानित किया गया।



परशुराम की प्रतिमा पर माल्यार्पण करते हुए, निकाली गई शोभायात्रा।

सर्व ब्राह्मण महासभा व विप्र सेना द्वारा भगवान परशुराम की भव्य शोभा यात्रा निकाली गई, जिसमें बड़ी संख्या में समाज बंधुओं ने भाग लिया।

बन्धु ब्राह्मण महासभा के अध्यक्ष पंडित बलराम शर्मा व जिला अध्यक्ष पंडित रवि शर्मा ने बताया कि भगवान परशुराम जी का जन्मोत्सव शुक्रवार को पुष्कर रोड स्थित परशुराम सिकल पर प्रातः 7 बजे महिलाओं द्वारा कलश यात्रा निकाली गई तथा साढ़े आठ बजे पुष्करजी, विप्रजनों ने ध्वजारोहण कर

हवन यज्ञ किया। उन्होंने बताया कि भगवान परशुराम जी के जन्मोत्सव पर सायं साढ़े छह बजे प्रतिभा सम्मान समारोह आयोजित हुआ, जिसमें प्रतिभावानों को सम्मानित किया गया एवं समाज के प्रबुद्ध लोगों ने कार्यक्रम को संबोधित किया। सात बजे करीब आतिशबाजी 8:30 बजे महाआरती की गई, जिसमें एक आलौकिक छंटा बिखेरी। दीपको की रोशनी से पूरा परिसर

संख्या में ब्राह्मण समाज के महिला-पुरुषों ने भाग लिया। भगवान परशुराम की शोभायात्रा का शहर भर में स्वागत हुआ जगह जगह स्वागत किया गया। शीतलपेय, आईसक्रीम, ठंडा पानी, चाय नाश्ता श्रद्धालुओं को कराया गया। संयोजक लोकेश मिश्रा ने बताया कि भव्य शोभायात्रा सायं 4 बजे परशुराम मंदिर अर्जुना सिनेमा के पास से प्रारंभ हुई। शोभा यात्रा में सुसज्जित बग्घी में भगवान परशुराम की प्रतिमा एवं उनके स्वरूप को स्थापित किया गया। शोभा यात्रा परशुराम मंदिर अर्जुना सिनेमा के पास से प्रारंभ होकर केसरगंज, गोल चक्कर, क्लॉक टावर, गांधी भवन, नर्सियां होते हुए पुष्कर रोड स्थित परशुराम सिकल पहुंची, जहां महाआरती का आयोजन किया गया। शोभायात्रा में माताएं व बहनें कलश धारण कर चल रही थी, साथ ही घोड़े डीजे एवं पुष्पवर्षा मशीन से फूलों की वर्षा कर शोभायात्रा की शोभा को और अधिक बढ़ा रहे थे। शोभायात्रा का प्रारंभ भगवान परशुराम

के पूजन के साथ हुआ। इस अवसर पर सभी विप्र बंधुओं के मस्तक पर चंदन एवं रोली का टीका लगाया गया। शोभायात्रा का समापन पुष्कर रोड स्थित परशुराम सिकल हुआ। राजस्थान सर्व ब्राह्मण महासभा, राजस्थान ब्राह्मण महासभा, विप्र फाउंडेशन, विप्र सेना और भगवान परशुराम समारोह समिति से जुड़े पदाधिकारियों ने सामाजिक एकता में सहयोग किया।

व्यापारिक महासंघ ने किया शोभायात्रा का अभिनन्दन:- श्री अजमेर व्यापारिक महासंघ व संजय मार्केट युथ ग्रुप के पदाधिकारियों द्वारा छत्रपति शिवाजी महाराज स्मारक के पास परशुराम शोभायात्रा का भव्य अभिनन्दन किया। महासचिव रमेश लालवानी ने अपने विचार व्यक्त करते हुए कहा कि श्री अजमेर व्यापारिक महासंघ सदस्यों की भावना रखते हुए अजमेर के भाईचारे को बढ़ावा देने के कार्यक्रम निरन्तर रूप से आयोजित करता रहता है।

पृथ्वीराज चौहान जयंती पर विचार गोष्ठी का आयोजन

अजमेर, (कास)। सम्राट पृथ्वीराज चौहान स्मारक पर शुक्रवार को आयोजित विचार गोष्ठी में अजयमेरु 84 कोस परियोजना समिति के तहसील वार्ड ने अपने विचार रखते हुए कहा कि आज अक्षय तृतीया 10 मई से 9 जून तक शौर्य माह मनाया जाएगा, जिसमें 2 जून को सम्राट पृथ्वीराज चौहान की जयंती एवं 9 जून को महाराणा प्रताप की जयंती मनाई जाएगी। अक्षय तृतीया के दिन फिल्म अभिनेता अक्षय कुमार से आत्मान किया गया कि वह अजयमेरु के यशस्वी सम्राट पृथ्वीराज चौहान की नगरी में ऐतिहासिक महत्व के स्थान तारागढ़ दुर्ग, ढाई दिन का झोपड़ा संस्कृत पाठशाला अक्षय सागर आना सागर अजय पाल चामुंडा माता मंदिर को भी फिल्मों में शूटिंग में शामिल कर अजयमेरु की शौर्य वीरगाथाएं करोड़

लोगों तक पहुंचा कर देशभक्ति का संदेश दे सकते हैं।

कार्यक्रम संयोजक तरुण कुमार वर्मा, सहसंयोजक रमेश लालवानी, राकेश कुमार विश्वावत आदि ने सम्राट पृथ्वीराज चौहान की जयंती के पखवाड़े के शुभारम्भ के अवसर पर मांग की कि अजमेर में अपनी फिल्म को शूटिंग के लिए आए अभिनेता अक्षय कुमार और फिल्म के निर्माता सम्राट पृथ्वीराज चौहान की जीवनी से संबंधित दृश्य अपनी फिल्म में दर्शाकर लोगों को उनके स्मारक की जानकारी प्रदान करने की मांग की गई। सहसंयोजक रमेश लालवानी ने बताया कि अजमेर और पुष्करराज का विश्व स्तर पर ऐतिहासिक दृष्टिकोण से भी अत्यन्त महत्व है। इस अवसर पर पृथ्वीराज स्मारक पर चिड़ियाओं के लिए दाने पानी के प्रबंध भी किए।

मदनगंज-किशनगढ़, (निस)। राज. ब्राह्मण महासभा के तत्वाधान में भगवान परशुराम का जन्मोत्सव उल्लास के साथ मनाया गया। डाक बंगले से शुरू शोभायात्रा मुख्य मार्गों से होती हुई खंडल विप्र छात्रावास पहुंची। मार्ग पर माहेश्वरी समाज, सिंधी समाज, वैष्णव समाज, पारोकि समाज सहित कई समाज व संगठनों में शोभायात्रा पर पुष्प वर्षा कर अभिनंदन किया। मुख्य चौराये पर गुर्जर गौड़ ब्राह्मण महिला महासभा प्रदेशाध्यक्ष ममता शर्मा के नेतृत्व में वाहन रैली के साथ आइसक्रीम वितरण की गई।



भगवान परशुराम का जन्मोत्सव उल्लास के साथ मनाया गया।

परशुराम, राधा कृष्ण, श्रीनाथजी, भारत माता, भगवान लक्ष्मीनारायण, राम देवरी की मनमोहक झांकियों के दर्शनार्थ आस्था का सैलाब उमड़ पड़ा।

सांसद भागीरथ चौधरी ने पुष्प वर्षा कर विप्र बन्धुओ का स्वागत किया। महासभा अध्यक्ष मनीष कौशिक, फाउंडेशन अध्यक्ष वेदप्रकाश दाधीच,

परशुराम जयंती पर 2722 किलो पोष्टिक सब्जियां बांटी

अजमेर, (कास)। लॉयस क्लब अजमेर उमंग व गौ भक्त भामाशाह ग्रुप सदस्यों के सहयोग से फरवरी 10 अक्षय तृतीया के शुभ अवसर पर 3 टैपू 2722 किलो जिसमें से श्रीमृसिंह गोपाल गौ शाला अरडका 1040 किलो, कांजी हाऊस 840 किलो, श्री सीता गौ शाला पहाड़ गंज पर 842 किलो अर्पण करवाई। भामाशाह ग्रुप जीव सेवा संयोजक निवर्तमान पार्षद लॉयन महेंद्र जैन मितल के अनुसार सेवा में भगवान दास पालाडीवाल, शिव कुमार बंसल, ओमप्रकाश मंगल, कुलदीप सिंह रामगंज, कीर्ति लोकेश पाटनी जोधपुर, नील बंसल हस्ते, लायन दीपक गुप्ता, मनोज सुशीला पांडे, निधि चोरसिया, सीमा रवि गुप्ता, ज्योत्सना महेंद्र जैन मितल, अक्षय वैशाली जैन, हितेश गर्ग, ज्योति चंदेल, महेश सांखला, डॉ सतीश अरोड़ा, राजेंद्र पाटनी, विनोद सेठी, नवल खंडेलवाल, लायन आर पी

गौ माता के प्रति समर्पित भक्तों द्वारा अर्पित 24785 किलो सब्जियां बांटी

चौबीस हजार सात सौ किलो सब्जियां 30 टैपू अजमेर शहर की विभिन्न गौ शालाओं में गौ भक्त सहयोगियों में इंद्र चंद पोखरना, ओम प्रकाश गर्ग गोटे वाला, श्री दीपचंद श्रियगं, डॉ विष्णु चौधरी परिवार, विनोद बिजावत, सुषमा अग्रवाल, नरेश ऐरन, संजय अतरा, संजय लालवानी, बी एल अग्रवाल, सुषमा सोमानी, रमेश मोटवानी, मनोज नानकानी, लॉयन उषा हनुमान दयाल बंसल, सत्यनारायण हर्षित चौरसिया, लॉयन प्रवीण रायगुण गुप्ता, ज्ञानेश गुप्ता, मोतोराम टिलवानी, लायन अशोक इंद्रा जैन, प्रहलाद, लायन राम किशोर गर्ग, देवेंद्र सिंघल जी.आई.सी, अनिल गदिया, लायन डॉ रश्मि इंजीनियर अशोक शर्मा, सुनीता ओम जी गोयल, विष्णु कांत गर्ग, चंदीराम, मनोष जयसवाल, किशन चंद बंसल, ए के रेना सहित अनेकों गौ भक्तों के सहयोग से ही संभव होती है।

अक्षय-अरशद के वकील ने लगाई अर्जी

अजमेर, (कास)। अजमेर जिला बार एसोसिएशन द्वारा अदालत में जॉली एलएलबी-3 फिल्म के खिलाफ दाखिल किए गए परिवार पर शुक्रवार को अभिनेता अक्षय कुमार, अरशद वारसी, फिल्म प्रोड्यूसर सुभाष के वकील कोर्ट में पेश हुए और उन्होंने वाद खारिज करने का प्रार्थना पत्र प्रस्तुत किया। अभिनेताओं और रेलवे के साथ ही वकीलों की ओर से पेश की गई तीनों अर्जियों पर सुनवाई अब 18 मई को होगी।

पक्षियों के लिए दाना एवं पानी की व्यवस्था की

मकराना, (निस)। रोटी क्लब मकराना के तत्वाधान में आज रोटी क्लब डिस्ट्रिक्ट 3053 के डी जी पवन खंडेलवाल एवं आगामी डी जी निशा शेखावत ने मकराना रोटी क्लब को ओसीबी करने के साथ-साथ मुक्त पक्षियों के लिए इस तपती धूप में पानी का महत्व समझते हुए 210 परिंडे लगाए दिन में पारा 45 डिग्री के आस पास रहते रहा है। पक्षियों के प्रति सेवा भाव रखते हुए पक्षियों के लिए दाना एवं पानी की व्यवस्था रहेगी। श्री श्याम गौशाला सेवा समिति के पदाधिकारी भी मौजूद रहे डी जी पवन जी खंडेलवाल ने क्लब को परंपरा के अनुसार अभी तक के किए गए सेवा कार्यों की समीक्षा करने के साथ-साथ मकराना रोटी क्लब की भूरी भूरी प्रशंसा करते हुए मकराना रोटी क्लब को सेवा भाव में अग्रणी क्लब बताया जिसमें सर्व समाज से जुड़े रोटैरियन अपनी निरंतर सेवाएं दे रहे हैं। 40 सदस्यों क्लब को मकराना ही नहीं बल्कि डिस्ट्रिक्ट

आज और कल प्रभावित रहेगी पेयजलापूर्ति

अजमेर, (कास)। संभाग के केकड़ी और नसीराबाद उपखंड के पास बीसलपुर पाइप लाइन का लीकेज सुधारने तथा केकड़ी और थडौली पंप हाउस के आसपास विद्युत तंत्र की मरम्मत के लिए जलदाय विभाग ने शनिवार को सुबह 8 बजे से रविवार सुबह 8 बजे तक 24 घंटे का शटडाउन लिया है। बीसलपुर से अजमेर को करीब 90 एमएलपीटी पानी कम मिलेगा, जिसके चलते आज और कल शहर की जलापूर्ति प्रभावित रहेगी।

जलदाय विभाग के अधीक्षण अभियंता भुवनेश्वर अग्निहोत्री ने बताया कि पिछले सप्ताह तीन-चार बार आई पावर ट्रिपिंग के चलते केकड़ी से नसीराबाद पुरानी पीएससीसी लाइन में लीकेज हो गया है। इसके अलावा थडौली में विद्युत लिफ्ट खंडों व लाइन का मॉन्टेज का कार्य किया जाएगा, शटडाउन के दौरान पाइप लाइन सहित बाल्व व टी बदली जाएगी। शट डाउन के दौरान कई पाइप लाइन अलग अलग समय के लिए बंद रहेगी। केकड़ी-गोयला 1300 एमएल की पीएससीसी पाइप लाइन बंद रहेगी। गोयला-नसीराबाद 1200 एमएल की पीएससीसी लाइन बंद रहेगी। अग्निहोत्री ने आमजन से आवश्यकता अनुसार पानी का संग्रहण करने तथा पानी का मितव्यवस्था से उपयोग करने की अपील की गई।

सार-समाचार

शिविर में प्रमाण पत्र किये वितरित
अजमेर, (कास)। राजस्थान समग्र कल्याण संस्थान ने ग्रामीण महिलाओं व बालिकाओं के उज्वल भविष्य के लिए निशुल्क सिलाई प्रशिक्षण केंद्र का संचालन किया। ग्राम लामाना में इस प्रशिक्षण केंद्र के माध्यम से 30 प्रशिक्षार्थियों को 3 महीने का प्रशिक्षण प्राप्त हुआ। प्रशिक्षण के समापन पर, प्रशिक्षार्थियों को प्रमाण पत्र वितरित किया गया और उन्हें उनके उज्वल भविष्य की शुभकामनाएं दी गईं। कार्यक्रम के अंतर्गत, प्रशिक्षण में सिलाई के साथ-साथ जीवन कौशल और उद्यमिता विकास जैसे कार्यशाला का भी आयोजन किया गया। इस उत्कृष्ट कार्यक्रम के द्वारा, प्रशिक्षार्थियों को आत्मनिर्भर बनाने का मार्ग प्रशस्त हुआ है। लामाना संपर्क कमला देवी की संस्था द्वारा स्मृतिचिह्न के साथ माल्यार्पण कर सम्मानित किया गया। उन्होंने महिला स्वरोजगागी को और आगे बढ़ने के लिए संस्था के कार्यों की सराहना की। संस्था के मुख्य कार्यकारी अधिकारी डॉ एस एन शर्मा ने बताया कि भविष्य में भी महिला स्वरोजगागी को बढ़ावा देने के लिए अन्य स्थानों पर भी सिलाई प्रशिक्षण की शिक्षा प्रदान की जाएगी। इस कार्यक्रम में मास्टर ट्रेनर आशा राजपुरोहित, संस्था प्रतिनिधि, सरोज, हंसराज ने सहयोग प्रदान किया।

'चांद उत्सव' धूम धाम से मनाया

अजमेर, (कास)। श्री झूलाल मन्दिर वैशाली नगर अजमेर में श्री झूलाल सेवा मंडली द्वारा गुरुवार को 'चांद उत्सव' बड़े धूम धाम से मनाया गया। मन्दिर के अध्यक्ष प्रकाश जेठार ने बताया कि इस अवसर पर श्री झूलाल जी की पवित्र महाजोत झूलाल सेवा मंडली परिवार द्वारा जगाई गई। महश्वर गायक महेश कुमार एंड पार्टी द्वारा शानदार भजन एवं पंजड़ों का कार्यक्रम प्रस्तुत किया गया जिसमें 'अज त असंजा भाग भला थिया लाल उडरो आयो' एवं 'मुहिजो झूलन त पीरन जो पीर आ जहनजी संगत त खंड एं खीर आ' आदि श्री झूलाल जी के पंजड़े गाए गए। इन भजनों पर उत्कृष्ट श्रद्धालु झुमने लगे। सांय दीवाना के साथ महाअरती जयप्रकाश मंधाणी, ईश्वरदास जैसवानी, खुशीराम इंसरानी, शंकर टिलवानी, रमेश रायसिंधानी, गोविंदराम कोडवानी, वासुदेव गिदवानी, भेरूमल शिवनानी, मुरली गुरनानी, ओमप्रकाश शर्मा, राम भगतानी द्वारा की गई। उसके बाद आरती व अरदास की गई।

शोभायात्रा आज

अजमेर, (कास)। दिगंबर जैन समाज के प्रवक्ता संदीप बोहरा बताया कि आचार्य सुनील सागर महाराज के सांनिध्य में शनिवार को ऐतिहासिक भव्य शोभायात्रा निकली जाएगी, जो बड़ा धड़ा नसिया महावीर सिकल से प्रारंभ होकर विद्यासागर तपोवन योजना क्षेत्र पहुंचेगी। रथ यात्रा में आदिनाथ भगवान नेमीनाथ भगवान वासपुत्र्य भगवती 4 महावीर स्वामी की प्रतिमा होंगी। किशनगढ़, बौर, अजमेर समाज के रथ शोभायात्रा में शामिल हो रहे हैं।

उत्तर पश्चिम रेलवे	
निविदा सूचना	
वॉरिष्ठ माण्डल यांत्रिक इंजीनियर (सवमा) अजमेर, भारत के राष्ट्रपति की ओर से निम्नलिखित कार्य हेतु दिनांक 30.05.2024 को 15:00 बजे तक ई-निविदा (Single packet system) आभितिक की जाती है। E-Tender Notice No.: M-02-CW-ALL-2024-25 Reten Date 09/05/2024, कार्य का नाम: Setting up of quick watering arrangement system at Udaipur station. कार्य की अनुमानित लागत: ₹ 1,06,98,239.59. निविदा दर्ताजें की कीमत: Nil. बयाना राशि: ₹ 2,03,50,000। ई-प्रस्ताव का वेबसाइट पर अपलोड करना एवम् खुला दिनांक 09.05.2024 को अपनोड करना सूचना दिनांक 30.05.2024 को 15.30 बजे खुलना। Website Particulars: www.ireps.gov.in 546-AR/24	
ई प्रस्ताव	ई प्रस्ताव

कार्यालय प्राधिकृत अधिकारी जोन पुष्कर अजमेर विकास प्राधिकरण अजमेर

क्र.	प्राधिकृत का नाम	कार्य का नाम	कार्य का नाम	कार्य का नाम	कार्य का नाम	
1.	राजेश, पुष्कर (अजमेर)	RAVI PRAKASH SHARMA S/o GOPAL KRISHAN SHARMA SHYAM PRAKASH SHARMA S/o GOPAL KRISHAN SHARMA	3150/85	2800	0.28	
2.	राजेश, पुष्कर (अजमेर)	RAVI PRAKASH SHARMA S/o GOPAL KRISHAN SHARMA SHYAM PRAKASH SHARMA S/o GOPAL KRISHAN SHARMA	3153/86	568	0.0568	
					कुल	0.3368

इसलिए, इसके द्वारा प्रस्ताव संश्लेषण अधिकारी को सूचित किया जाता है कि यदि किसी व्यक्ति को उक्त कार्य में रुचि है तो वह दिनांक 09-05-2024 को 15:00 बजे तक ई-निविदा पोर्टल पर जाकर प्रस्ताव दर्ज करवाए। प्रस्ताव दर्ज करने के लिए प्रस्तावकर्ता को निम्नलिखित जानकारी देनी होगी: 1. प्रस्तावकर्ता का नाम, पता, मोबाइल नंबर, ई-मेल आदि। 2. प्रस्तावकर्ता को उक्त कार्य में रुचि है तो वह दिनांक 09-05-2024 को 15:00 बजे तक ई-निविदा पोर्टल पर जाकर प्रस्ताव दर्ज करवाए। प्रस्ताव दर्ज करने के लिए प्रस्तावकर्ता को निम्नलिखित जानकारी देनी होगी: 1. प्रस्तावकर्ता का नाम, पता, मोबाइल नंबर, ई-मेल आदि। 2. प्रस्तावकर्ता को उक्त कार्य में रुचि है तो वह दिनांक 09-05-2024 को 15:00 बजे तक ई-निविदा पोर्टल पर जाकर प्रस्ताव दर्ज करवाए। प्रस्ताव दर्ज करने के लिए प्रस्तावकर्ता को निम्नलिखित जानकारी देनी होगी: 1. प्रस्तावकर्ता का नाम, पता, मोबाइल नंबर, ई-मेल आदि। 2. प्रस्तावकर्ता को उक्त कार्य में रुचि है तो वह दिनांक 09-05-2024 को 15:00 बजे तक ई-निविदा पोर्टल पर जाकर प्रस्ताव दर्ज करवाए। प्रस्ताव दर्ज करने के लिए प्रस्तावकर्ता को निम्नलिखित जानकारी देनी होगी: 1. प्रस्तावकर्ता का नाम, पता, मोबाइल नंबर, ई-मेल आदि। 2. प्रस्तावकर्ता को उक्त कार्य में रुचि है तो वह दिनांक 09-05-2024 को 15:00 बजे तक ई-निविदा पोर्टल पर जाकर प्रस्ताव दर्ज करवाए। प्रस्ताव दर्ज करने के लिए प्रस्तावकर्ता को निम्नलिखित जानकारी देनी होगी: 1. प्रस्तावकर्ता का नाम, पता, मोबाइल नंबर, ई-मेल आदि। 2. प्रस्तावकर्ता को उक्त कार्य में रुचि है तो वह दिनांक 09-05-2024 को 15:00 बजे तक ई-निविदा पोर्टल पर जाकर प्रस्ताव दर्ज करवाए। प्रस्ताव दर्ज करने के लिए प्रस्तावकर्ता को निम्नलिखित जानकारी देनी होगी: 1. प्रस्तावकर्ता का नाम, पता, मोबाइल नंबर, ई-मेल आदि। 2. प्रस्तावकर्ता को उक्त कार्य में रुचि है तो वह दिनांक 09-05-2024 को 15:00 बजे तक ई-निविदा पोर्टल पर जाकर प्रस्ताव दर्ज करवाए। प्रस्ताव दर्ज करने के लिए प्रस्तावकर्ता को निम्नलिखित जानकारी देनी होगी: 1. प्रस्तावकर्ता का नाम, पता, मोबाइल नंबर, ई-मेल आदि। 2. प्रस्तावकर्ता को उक्त कार्य में रुचि है तो वह दिनांक 09-05-2024 को 15:00 बजे तक ई-निविदा पोर्टल पर जाकर प्रस्ताव दर्ज करवाए। प्रस्ताव दर्ज करने के लिए प्रस्तावकर्ता को निम्नलिखित जानकारी देनी होगी: 1. प्रस्तावकर्ता का नाम, पता, मोबाइल नंबर, ई-मेल आदि। 2. प्रस्तावकर्ता को उक्त कार्य में रुचि है तो वह दिनांक 09-05-2024 को 15:00 बजे तक ई-निविदा पोर्टल पर जाकर प्रस्ताव दर्ज करवाए। प्रस्ताव दर्ज करने के लिए प्रस्तावकर्ता को निम्नलिखित जानकारी देनी होगी: 1. प्रस्तावकर्ता का नाम, पता, मोबाइल नंबर, ई-मेल आदि। 2. प्रस्तावकर्ता को उक्त कार्य में रुचि है तो वह दिनांक 09-05-2024 को 15:00 बजे तक ई-निविदा पोर्टल पर जाकर प्रस्ताव दर्ज करवाए। प्रस्ताव दर्ज करने के लिए प्रस्तावकर्ता को निम्नलिखित जानकारी देनी होगी: 1. प्रस्तावकर्ता का नाम, पता, मोबाइल नंबर, ई-मेल आदि। 2. प्रस्तावकर्ता को उक्त कार्य में रुचि है तो वह दिनांक 09-05-2024 को 15:00 बजे तक ई-निविदा पोर्टल पर जाकर प्रस्ताव दर्ज करवाए। प्रस्ताव दर्ज करने के लिए प्रस्तावकर्ता को निम्नलिखित जानकारी देनी होगी: 1. प्रस्तावकर्ता का नाम, पता, मोबाइल नंबर, ई-मेल आदि। 2. प्रस्तावकर्ता को उक्त कार्य में रुचि है तो वह दिनांक 09-05-2024 को 15:00 बजे तक ई-निविदा पोर्टल पर जाकर प्रस्ताव दर्ज करवाए। प्रस्ताव दर्ज करने के लिए प्रस्तावकर्ता को निम्नलिखित जानकारी देनी होगी: 1. प्रस्तावकर्ता का नाम, पता, मोबाइल नंबर, ई-मेल आदि। 2. प्रस्तावकर्ता को उक्त कार्य में रुचि है तो वह दिनांक 09-05-2024 को 15:00 बजे तक ई-निविदा पोर्टल पर जाकर प्रस्ताव दर्ज करवाए। प्रस्ताव दर्ज करने के लिए प्रस्तावकर्ता को निम्नलिखित जानकारी देनी होगी: 1. प्रस्तावकर्ता का नाम, पता, मोबाइल नंबर, ई-मेल आदि। 2. प्रस्तावकर्ता को उक्त कार्य में रुचि है तो वह दिनांक 09-05-2024 को 15:00 बजे तक ई-निविदा पोर्टल पर जाकर प्रस्ताव दर्ज करवाए। प्रस्ताव दर्ज करने के लिए प्रस्तावकर्ता को निम्नलिखित जानकारी देनी होगी: 1. प्रस्तावकर्ता का नाम, पता, मोबाइल नंबर, ई-मेल आदि। 2. प्रस्तावकर्ता को उक्त कार्य में रुचि है तो वह दिनांक 09-05-2024 को 15:00 बजे तक ई-निविदा पोर्टल पर जाकर प्रस्ताव दर्ज करवाए। प्रस्ताव दर्ज करने के लिए प्रस्तावकर्ता को निम्नलिखित जानकारी देनी होगी: 1. प्रस्तावकर्ता का नाम, पता, मोबाइल नंबर, ई-मेल आदि। 2. प्रस्तावकर्ता को उक्त कार्य में रुचि है तो वह दिनांक 09-05-2024 को 15:00 बजे तक ई-निविदा पोर्टल पर जाकर प्रस्ताव दर्ज करवाए। प्रस्ताव दर्ज करने के लिए प्रस्तावकर्ता को निम्नलिखित जानकारी देनी होगी: 1. प्रस्तावकर्ता का नाम, पता, मोबाइल नंबर, ई-मेल आदि। 2. प्रस्तावकर्ता को उक्त कार्य में रुचि है तो वह दिनांक 09-05-2024 को 15:00 बजे तक ई-निविदा पोर्टल पर जाकर प्रस्ताव दर्ज करवाए। प्रस्ताव दर्ज करने के लिए प्रस्तावकर्ता को निम्नलिखित जानकारी देनी होगी: 1. प्रस्तावकर्ता का नाम, पता, मोबाइल नंबर, ई-मेल आदि। 2. प्रस्तावकर्ता को उक्त कार्य में रुचि है तो वह दिनांक 09-05-2024 को 15:00 बजे तक ई-निविदा पोर्टल पर जाकर प्रस्ताव दर्ज करवाए। प्रस्ताव दर्ज करने के लिए प्रस्तावकर्ता को निम्नलिखित जानकारी देनी होगी: 1. प्रस्तावकर्ता का नाम, पता, मोबाइल नंबर, ई-मेल आदि। 2. प्रस्तावकर्ता को उक्त कार्य में रुचि है तो वह दिनांक 09-05-2024 को 15:00 बजे तक ई-निविदा पोर्टल पर जाकर प्रस्ताव दर्ज करवाए। प्रस्ताव दर्ज करने के लिए प्रस्तावकर्ता को निम्नलिखित जानकारी देनी होगी: 1. प्रस्तावकर्ता का नाम, पता, मोबाइल नंबर, ई-मेल आदि। 2. प्रस्तावकर्ता को उक्त कार्य में रुचि है तो वह दिनांक 09-05-2024 को 15:00 बजे तक ई-निविदा पोर्टल पर जाकर प्रस्ताव दर्ज करवाए। प्रस्ताव दर्ज करने के लिए प्रस्तावकर्ता को निम्नलिखित जानकारी देनी होगी: 1. प्रस्तावकर्ता का नाम, पता, मोबाइल नंबर, ई-मेल आदि। 2. प्रस्तावकर्ता को उक्त कार्य में रुचि है तो वह दिनांक 09-05-2024 को 15:00 बजे तक ई-निविदा पोर्टल पर जाकर प्रस्ताव दर्ज करवाए। प्रस्ताव दर्ज करने के लिए प्रस्तावकर्ता को निम्नलिखित जानकारी देनी होगी: 1. प्रस्तावकर्ता का नाम, पता, मोबाइल नंबर, ई-मेल आदि। 2. प्रस्तावकर्ता को उक्त कार्य में रुचि है तो वह दिनांक 09-05-2024 को 15:00 बजे तक ई-निविदा पोर्टल पर जाकर प्रस्ताव दर्ज करवाए। प्रस्ताव दर्ज करने के लिए प्रस्तावकर्ता को निम्नलिखित जानकारी देनी होगी: 1. प्रस्तावकर्ता का नाम, पता, मोबाइल नंबर, ई-मेल आदि। 2. प्रस्तावकर्ता को उक्त कार्य में रुचि है तो वह दिनांक 09-05-2024 को 15:00 बजे तक ई-निविदा पोर्टल पर जाकर प्रस्ताव दर्ज करवाए। प्रस्ताव दर्ज करने के लिए प्रस्तावकर्ता को निम्नलिखित जानकारी देनी होगी: 1. प्रस्तावकर्ता का नाम, पता, मोबाइल नंबर, ई-मेल आदि। 2. प्रस्तावकर्ता को उक्त कार्य में रुचि है तो वह दिनांक 09-05-2024 को 15:00 बजे तक ई-निविदा पोर्टल पर जाकर प्रस्ताव दर्ज करवाए। प्रस्ताव दर्ज करने के लिए प्रस्तावकर्ता को निम्नलिखित जानकारी देनी होगी: 1. प्रस्तावकर्ता का नाम, पता, मोबाइल नंबर, ई-मेल आदि। 2. प्रस्तावकर्ता को उक्त कार्य में रुचि है तो वह दिनांक 09-05-2024 को 15:00 बजे तक ई-निविदा पोर्टल पर जाकर प्रस्ताव दर्ज करवाए। प्रस्ताव दर्ज करने के लिए प्रस्तावकर्ता को निम्नलिखित जानकारी देनी होगी: 1. प्रस्तावकर्ता का नाम, पता, मोबाइल नंबर, ई-मेल आदि। 2. प्रस्तावकर्ता को उक्त कार्य में रुचि है तो वह दिनांक 09-05-2024 को 15:00 बजे तक ई-निविदा पोर्टल पर जाकर प्रस्ताव दर्ज करवाए। प्रस्ताव दर्ज करने के लिए प्रस्तावकर्ता को निम्नलिखित जानकारी देनी होगी: 1. प्रस्तावकर्ता का नाम, पता, मोबाइल नंबर, ई-मेल आदि। 2. प्रस्तावकर्ता को उक्त कार्य में रुचि है तो वह दिनांक 09-05-2024 को 15:00 बजे तक ई-निविदा पोर्टल पर जाकर प्रस्ताव दर्ज करवाए। प्रस्ताव दर्ज करने के लिए प्रस्तावकर्ता को निम्नलिखित जानकारी देनी होगी: 1. प्रस्तावकर्ता का नाम, पता, मोबाइल नंबर, ई-मेल आदि। 2. प्रस्तावकर्ता को उक्त कार्य में रुचि है तो वह दिनांक 09-05-2024 को 15:00 बजे तक ई-निविदा पोर्टल पर जाकर प्रस्ताव दर्ज करवाए। प्रस्ताव दर्ज करने के लिए प्रस्तावकर्ता को निम्नलिखित जानकारी देनी होगी: 1. प्रस्तावकर्ता का नाम, पता, मोबाइल नंबर, ई-मेल आदि। 2. प्रस्तावकर्ता को उक्त कार्य में रुचि है तो वह दिनांक 09-05-2024 को 15:00 बजे तक ई-निविदा पोर्टल पर जाकर प्रस्ताव दर्ज करवाए। प्रस्ताव दर्ज करने के लिए प्रस्तावकर्ता को निम्नलिखित जानकारी देनी होगी: 1. प्रस्तावकर्ता का नाम, पता, मोबाइल नंबर, ई-मेल आदि। 2. प्रस्तावकर्ता को उक्त कार्य में रुचि है तो वह दिनांक 09-05-2024 को 15:00 बजे तक ई-निविदा पोर्टल पर जाकर प्रस्ताव दर्ज करवाए। प्रस्ताव दर्ज करने के लिए प्रस्तावकर्ता को निम्नलिखित जानकारी देनी होगी: 1. प्रस्तावकर्ता का नाम, पता, मोबाइल नंबर, ई-मेल आदि। 2. प्रस्तावकर्ता को उक्त कार्य में रुचि है तो वह दिनांक 09-05-2024 को 15:00 बजे तक ई-निविदा पोर्टल पर जाकर प्रस्ताव दर्ज करवाए। प्रस्ताव दर्ज करने के लिए प्रस्तावकर्ता को निम्नलिखित जानकारी देनी होगी: 1. प्रस्तावकर्ता का नाम, पता, मोबाइल नंबर, ई-मेल आदि। 2. प्रस्तावकर्ता को उक्त कार्य में रुचि है तो वह दिनांक 09-05-2024 को 15:00 बजे तक ई-निविदा पोर्टल पर जाकर प्रस्ताव दर्ज करवाए। प्रस्ताव दर्ज करने के लिए प्रस्तावकर्ता को निम्नलिखित जानकारी देनी होगी: 1. प्रस्तावकर्ता का नाम, पता, मोबाइल नंबर, ई-मेल आदि। 2. प्रस्तावकर्ता को उक्त कार्य में रुचि है तो वह दिनांक 09-05-2024 को 15:00 बजे तक ई-निविदा पोर्टल पर जाकर प्रस्ताव दर्ज करवाए। प्रस्ताव दर्ज करने के लिए प्रस्तावकर्ता को निम्नलिखित जानकारी देनी होगी: 1. प्रस्तावकर्ता का नाम, पता, मोबाइल नंबर, ई-मेल आदि। 2. प्रस्तावकर्ता को उक्त कार्य में रुचि है तो वह दिनांक 09-05-2024 को 15:00 बजे तक ई-निविदा पोर्टल पर जाकर प्रस्ताव दर्ज करवाए। प्रस्ताव दर्ज करने के लिए प्रस्तावकर्ता को निम्नलिखित जानकारी देनी होगी: 1. प्रस्तावकर्ता का नाम, पता, मोबाइल नंबर, ई-मेल आदि। 2. प्रस्तावकर्ता को उक्त कार्य में रुचि है तो वह दिनांक 09-05-2024 को 15:00 बजे तक ई-निविदा पोर्टल पर जाकर प्रस्ताव दर्ज करवाए। प्रस्ताव दर्ज करने के लिए प्रस्तावकर्ता को निम्नलिखित जानकारी देनी होगी: 1. प्रस्तावकर्ता का नाम, पता, मोबाइल नंबर, ई-मेल आदि। 2. प्रस्तावकर्ता को उक्त कार्य में रुचि है तो वह दिनांक 09-05-2024 को 15:00 बजे तक ई-निविदा पोर्टल पर जाकर प्रस्ताव दर्ज करवाए। प्रस्ताव दर्ज करने के लिए प्रस्तावकर्ता को निम्नलिखित जानकारी देनी होगी: 1. प्रस्तावकर्ता का नाम, पता, मोबाइल नंबर, ई-मेल आदि। 2. प्रस्तावकर्ता को उक्त कार्य में रुचि है तो वह दिनांक 09-05-2024 को 15:00 बजे तक ई-निविदा पोर्टल पर जाकर प्रस्ताव दर्ज करवाए। प्रस्ताव दर्ज करने के लिए प्रस्तावकर्ता को निम्नलिखित जानकारी देनी होगी: 1. प्रस्तावकर्ता का नाम, पता, मोबाइल नंबर, ई-मेल आदि। 2. प्रस्तावकर्ता को उक्त कार्य में रुचि है तो वह दिनांक 09-05-2024 को 15:00 बजे तक ई-निविदा पोर्टल पर जाकर प्रस्ताव दर्ज करवाए। प्रस्ताव दर्ज करने के लिए प्रस्तावकर्ता को निम्नलिखित जानकारी देनी होगी: 1. प्रस्तावकर्ता का नाम, पता, मोबाइल नंबर, ई-मेल आदि। 2. प्रस्तावकर्ता को उक्त कार्य में रुचि है तो वह दिनांक 09-05-2024 को 15:00 बजे तक ई-निविदा पोर्टल पर जाकर प्रस्ताव दर्ज करवाए। प्रस्ताव दर्ज करने के लिए प्रस्तावकर्ता को निम्नलिखित जानकारी देनी होगी: 1. प्रस्तावकर्ता का नाम, पता, मोबाइल नंबर, ई-मेल आदि। 2. प्रस्तावकर्ता को उक्त कार्य में रुचि है तो वह दिनांक 09-05-2024 को 15:00 बजे तक ई-निविदा पोर्टल पर जाकर प्रस्ताव दर्ज करवाए। प्रस्ताव दर्ज करने के लिए प्रस्तावकर्ता को निम्नलिखित जानकारी देनी होगी: 1. प्रस्तावकर्ता का नाम, पता, मोबाइल नंबर, ई-मेल आदि। 2. प्रस्तावकर्ता को उक्त कार्य में रुचि है तो वह दिनांक 09-05-2024 को 15:00 बजे तक ई-निविदा पोर्टल पर जाकर प्रस्ताव दर्ज करवाए। प्रस्ताव दर्ज करने के लिए प्रस्तावकर्ता को निम्नलिखित जानकारी देनी होगी: 1. प्रस्तावकर्ता का नाम, पता, मोबाइल नंबर, ई-मेल आदि। 2. प्रस्तावकर्ता को उक्त कार्य में रुचि है तो वह दिनांक 09-05-2024 को 15:00 बजे तक ई-निविदा पोर्टल पर जाकर प्रस्ताव दर्ज करवाए। प्रस्ताव दर्ज करने के लिए प्रस्तावकर्ता को निम्नलिखित जानकारी देनी होगी: 1. प्रस्तावकर्ता का नाम, पता, मोबाइल नंबर, ई-मेल आदि। 2. प्रस्तावकर्ता को उक्त कार्य में रुचि है तो वह दिनांक 09-05-2024 को 15:00 बजे तक ई-निविदा पोर्टल पर जाकर प्रस्ताव दर्ज करवाए। प्रस्ताव दर्ज करने के लिए प्रस्तावकर्ता को निम्नलिखित जानकारी देनी होगी: 1. प्रस्तावकर्ता का नाम, पता, मोबाइल नंबर, ई-मेल आदि। 2. प्रस्तावकर्ता को उक्त कार्य में रुच

झुंझुनू के कई इलाकों में बारिश के साथ ओले गिरे

बिगड़े मौसम के मिजाज से शादियों के कार्यक्रमों में भी खलल पड़ गया

झुंझुनू, (निसं)। झुंझुनू के कई इलाकों में शुक्रवार शाम को मौसम पलटा और बारिश के साथ ओले भी गिरे। बारिश के कारण आमजन को गर्मी से राहत मिली।

जानकारी के मुताबिक पिलानी के बेरी, रामपुरा, हमीनपुर, बनगोटडी आदि गांवों के अलावा सूरजगढ़ के

■ पिलानी में अधिकतम तापमान 43.5 डिग्री दर्ज किया गया

गोदा का बास और बुहाना क्षेत्र में शाम को तेज हवाओं के साथ बारिश हुई और ओले गिरे। बारिश के कारण आमजन को गर्मी से राहत मिली। वहीं कई खेतों में किसानों की कटी हुई सरसों की फसल और पशुओं के लिए चारा पड़ा हुआ है, जिसे नुकसान भी हुआ है, लेकिन नुकसान काफी कम है। शुक्रवार को बिगड़े मौसम से उन शादियों के कार्यक्रमों में भी खलल पड़ गया, जिन्होंने अक्षय तृतीया के दिन अबूज सावे को ध्यान में रखते हुए अपने बेटे-बेटियों की शादी करने



झुंझुनू के कई इलाकों में बारिश के साथ ओले भी गिरे।

का कार्यक्रम तय कर लिया। बदले मौसम से टेंट आदि उखड़ गए। इधर, शुक्रवार को दिन का तापमान गुरुवार की बजाय अधिक रहा। गुरुवार को

जहां पिलानी में अधिकतम तापमान 41.5 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया था। वहीं शुक्रवार को यह बढ़कर 43.5 डिग्री दर्ज किया गया। तेज गर्मी

ने शुक्रवार को दिनभर आमजन को बेहाल रखा। हालांकि जिले के अन्य इलाकों में भी बादल छाने से गर्मी से राहत मिली।

बीकानेर में अधिकतम तापमान 45.2 डिग्री पहुंचा, गर्मी से लोग परेशान

बीकानेर, (निसं)। दिनों-दिन गर्मी अपने तेवर तल्लू कर रही है। नतीजा सुबह के दो घंटे बीते ही सड़कें-गलियां सूनी होने लगी हैं। लू के थपड़े ऐसे सता रहे हैं, जैसे अभी जला ही देंगे। हालांकि, मौसम विभाग ने पहले ही लू तथा तापघात की चेतावनी दे रखी थी। फिर भी दिनों दिन बढ़ रही गर्मी एवं लू की वजह से जनता परेशान रही है। वहीं शुक्रवार शाम को करीब 5.30 पर अचानक बादल आये और हल्की बूंदाबादी हुई। जिससे लोगों को बड़ी राहत मिली और

■ हल्की बूंदाबादी होने से गर्मी से लोगों को मिली राहत

पतंगबाजी का दौर जोर-शोर से पुनः शुरू हो गया।

इससे पूर्व भीषण गर्मी के चलते स्थिति यह हो गई है कि प्रशासन को भी अब आगे आना पड़ा है। तेज गर्मी से छूटकारा दिलाने के लिए शहर की सड़कों पर पानी से छिड़काव किया

गया। आलम यह था कि सुबह दस बजे ही सड़कें सूनी होने लग गई थीं। आखातीज पर अवकाश होने के कारण बाजारों में भीड़ कम थी। इस वजह से दुकानदार भी सुस्ताते नजर आए। गर्मी की प्रभाव पशु पक्षियों पर भी नजर आने लगा है। पक्षी पेड़ की छांव में बैठे रहते हैं और पशु पानी और छांव की तलाश में भटकते रहे।

बीकानेर में शुक्रवार को अधिकतम तापमान 45.2 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच गया। वहीं रात के समय न्यूनतम तापमान भी अधिकतम

के पीछे-पीछे 31.3 डिग्री सेल्सियस तक चढ़ा। यह अब तक का सबसे अधिक है। गुरुवार को अधिकतम तापमान 45.2 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया था। राहत दिलाने के लिए पानी का छिड़काव पीबीएम अस्पताल, केईएम रोड, रानी बाजार, जूनागढ़, स्टेशन रोड, जस्सूर गेट आदि इलाकों में फायर ब्रिगड से छिड़काव किया गया। महापौर ने कहा कि इस बार गर्मी का प्रकोप तेज होने पर आवश्यकता अनुसार पानी का छिड़काव किया जाएगा।

पुलिस को देख चालक सड़क पर बजरी खाली कर डंपर ले भागा



निवाड़ी के मूंडिया गांव में सड़क के बीचों-बीच पड़ी हुई बजरी।

निवाड़ी, (निसं)। गांव मूंडिया में पुलिस की गाड़ी को देखकर एक डंपर के चालक अवैध बजरी को सड़क के बीचों-बीच डालकर डंपर भगा ले गया, जिससे मूंडिया जाने वाले सड़क मार्ग पर आने-जाने वाले वाहन चालकों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। इसी प्रकार दूसरे डंपर का चालक पुलिस

को देखकर डंपर को तेज गति से भागाकर ले गया। सदर पुलिस मौक पर पहुंची और अवैध बजरी के बारे में खनिज विभाग को सूचना दी।

पुलिस ने बताया कि शुक्रवार को पुलिस गश्त की गाड़ी को देखकर बजरी का डंपर चालक डंपर को तेजगति से भागाकर राहोली की ओर फरार हो गया

तथा दूसरे चालक ने मूंडिया में सड़क के बीचों-बीच बजरी डालकर डंपर को भगा ले गया। पुलिस डंपरों की पहचान करने में जुट गई है। ग्रामीणों ने बताया कि दोनों डंपर चालक तेज गति से डंपरों को भागाकर ले गए जिससे गांव में कोई भी हानि भी हो सकती थी। इस दौरान गांव में बड़ी हादसा होने से टल गया।

पार्ट टाइम जॉब का झांसा देकर ऑनलाइन ठगी

अजमेर, (कासं)। अलवर गेट थाना क्षेत्र में एक युवक से ऑनलाइन ठगी का मामला सामने आया है। ठगों ने अमेजॉन पर पार्ट टाइम जॉब का झांसा देकर पीडित का मोबाइल बैंक कर लिया। बाद में पीडित के अकाउंट और क्रेडिट कार्ड से ट्रांजेक्शन कर करीब 8 लाख रुपए विड्रॉल कर लिए। पीडित को वापस पैसे देने की एवज में 20 प्रतिशत फिरोती की मांग की। पीडित ने परेशान होकर अलवर गेट थाने में शिकायत दी है। अलवर गेट थाना पुलिस के अनुसार मेयो लिंक रोड रबड़िया मोहल्ला निवासी प्रतीक वर्मा की ओर से मुकदमा दर्ज करवाया गया है।

उन्होंने शिकायत में बताया कि इंस्टाग्राम पर अमेजॉन पर पार्ट टाइम जॉब के ऑफर का लिंक उनके पास आया था। साइबर ठगों ने लिंक के माध्यम से उसका फोन बैंक कर लिया। बाद में उसके अकाउंट और क्रेडिट कार्ड से करीब 8 लाख रुपए विड्रॉल कर लिए। पीडित ने बताया कि उसने किसी तरह का ओटीपी साझा नहीं किया था। बाद में उसने साइबर सेल के नंबर पर जानकारी देकर इसकी शिकायत दी थी। पुलिस मामले की जांच में जुटी है।

युवक ने आत्महत्या की

जोधपुर, (कासं)। शहर के चौपासनी हाउसिंग बोर्ड सेक्टर 8 में एक युवक ने अपने घर की सीढ़ियों पर लगी रेलिंग से फंदा लगाकर जान दे दी। उसे फंदे से हटाकर अस्पताल ले जाया गया। मगर डॉक्टर ने उसे मृत बता दिया। इस बारे में देवनगर थाने में मर्ग की रिपोर्ट दी गई। आरोपित पड़ताल में मालूम हुआ कि पिता पुत्र में किसी बात को लेकर कहासुनी हो गई थी। देवनगर पुलिस ने बताया कि चौपासनी हाउसिंग बोर्ड सेक्टर 8 सेक्टर निवासी रवि पुत्र राजकुमार सिंघी ने फंदा लगा लिया। उसका अपने पिता से किसी बात को लेकर विवाद हुआ था। बाद में रवि ने घर की सीढ़ियों पर लगी रेलिंग में चुन्नी का फंदा डाला और झूल गया।

प्री-डीएलएड परीक्षा-2024 के आवेदन आज से

- 31 मई तक आवेदन प्राप्त करने की अंतिम तिथि है
- 30 जून को प्रवेश परीक्षा का आयोजन किया जाएगा

बीकानेर, (निसं)। प्री-डीएलएड परीक्षा 2024 में प्रवेश के लिए आवेदन 11 मई से शुरू होगा। इस बार वर्धमान महावीर खुला विश्वविद्यालय इस परीक्षा का आयोजन पूरे राज्य में कर रहा है। वीएमओयू के कुलपति प्रो. कैलाश सोडाणी ने बताया कि पूरी तैयारी के साथ प्री-डीएलएड परीक्षा में आवेदन करने तथा प्रवेश परीक्षा कराने की तिथियां घोषित की जा रही है। परीक्षा समन्वयक डॉ. रवि गुप्ता ने बताया कि प्रवेश प्रक्रिया के लिए आवेदन फॉर्म भरने की शुरुआत 11 मई से होगी। 31

मई तक आवेदन प्राप्त करने की अंतिम तिथि रखी गई है और 30 जून को प्रवेश परीक्षा का आयोजन किया जाएगा। आवेदन का कक्षा 12वीं उत्तीर्ण होना

अथवा वर्ष 2024 में कक्षा 12वीं की परीक्षा में सम्मिलित होना आवश्यक है। सह-समन्वयक संदीप हुड्डा ने बताया कि अस्थायी पर 11 मई से ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं। आवेदन शुल्क प्री-डीएलएड प्रवेश परीक्षा सामान्य अथवा संस्कृत के लिए 450 रुपए है। प्री-डीएलएड प्रवेश परीक्षा सामान्य तथा संस्कृत दोनों में आवेदन करने के लिए 500 रुपए है। आवेदन शुल्क यूपीआई, डेबिट कार्ड, क्रेडिट कार्ड, नेट बैंकिंग अथवा ई-मिफ के माध्यम से कर सकते हैं।

पुलिस की लुक्का गैंग से हुई मुठभेड़, एक बदमाश को दबोचा

दोनों ओर से 100 से अधिक राउंड फायरिंग हुई

धौलपुर, (निसं)। धौलपुर जिले के दिहोली थाना क्षेत्र में जुगाईपुरा के बीहड़ों में पुलिस और डकैत लुक्का गैंग में जमकर मुठभेड़ हुई। इस दौरान दोनों ओर

■ लुक्का गैंग अच्य छह सदस्य भागने में सफल हुये

से करीब 100 से अधिक राउंड फायरिंग हुई। जहाँ पुलिस ने मुठभेड़ के दौरान लुक्का गैंग के एक सदस्य सतीश को दबोच लिया है। वहीं गैंग के अन्य सदस्य अंधेरे व बीहड़ों का फायदा उठाकर भागने में सफल रहे। मामला गुरुवार देर रात्रि का है जहाँ दिहोली थाना पुलिस और डीएसटी टीम ने कांस्टेबल अमित शर्मा की सूचना पर कार्रवाई को अंजाम दिया है।

थाना प्रभारी परमजीत सिंह ने बताया कि कांस्टेबल अमित शर्मा की सूचना पर डीएसटी टीम के साथ दिहोली क्षेत्र में सिद्ध बाबा मंदिर के पास जुगाईपुरा के बीहड़ों में पहुंचे, जहां पर डकैत लुक्का गैंग ने पुलिस को देखते ही ताबड़तोड़ फायरिंग शुरू कर दी। इधर पुलिस ने भी आत्मरक्षा के लिए जवाबी फायरिंग की। थाना प्रभारी ने बताया कि मुठभेड़ के दौरान लुक्का गैंग के एक सक्रिय सदस्य सतीश पुत्र मुंशीलाल गुर्जर निवासी जुगाईपुरा दिहोली को दबोच लिया। वहीं मौके से गैंग द्वारा भागने के उपयोंग में ली जारी एक



पुलिस ने मुठभेड़ के दौरान लुक्का गैंग के एक सदस्य सतीश को दबोचा।

मोटरसाइकिल को भी जब्त कर लिया।

थाना प्रभारी परमजीत सिंह ने बताया कि पुलिस और डीएसटी टीम द्वारा करीब 45 राउंड फायरिंग हुई, तो वहीं लुक्का गैंग ने पुलिस पर 50 से 60 राउंड फायरिंग की। थाना प्रभारी ने बताया कि मुठभेड़ के दौरान अंधेरे बीचों-बीहड़ों का फायदा उठाकर लुक्का गैंग के धर्मेश उर्फ लुक्का पुत्र विजय सिंह निवासी देव का पुरा थाना कोतवाली धौलपुर, विष्णु

उर्फ भगत पुत्र राजेश निवासी करका खेरली थाना दिहोली, तहसीला पुत्र सोनेराम निवासी मोरोली थाना कोतवाली, हनुमान दास पुत्र करतार सिंह निवासी तिथरा थाना सदर धौलपुर, सोनू पुत्र मान सिंह निवासी अतिराज का पुरा थाना कंचनपुर और सोनू पुत्र राजाबाबू निवासी सादिकपुर थाना मरियां भागने में सफल रहे। जिनकी तलाश जारी है।

इस दौरान पुलिस की कार्रवाई टीम में थाना प्रभारी परमजीत सिंह के साथ कांस्टेबल जयकुमार, सत्यपाल, सुरेंद्र सिंह, राजेश कुमार, मुकेश कुमार, लक्ष्मण, राधेश्याम, रामपाल और डीएसटी टीम के हेड कांस्टेबल दीनदयाल, कांस्टेबल अमित शर्मा, धर्मेश, रविंद्र, सुरेश, अश्वनी पचौरी और वासुदेव शामिल रहे।

पांच हजार लीटर वनस्पति एवं देशी घी सील किया

श्रीगंगानगर, (निसं)। जिले में चल रहे "शुद्ध आहार-मिलावट पर वार" अभियान के तहत चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग की टीम ने बड़ी कार्रवाई करते हुए रीको स्थित एक फैक्ट्री पर दबिश दी जहां बंद पैकेटों में की गई पैकिंग का भी राजस्थान के अलावा कई प्रदेशों में सप्लाई किया जा रहा था। इस घी में मिलावट की आशंका पर इस कार्रवाई के दौरान टीम ने करीब पांच हजार लीटर वनस्पति एवं देशी घी सील किया। इसके साथ साथ मौके से तीन सैपल लिए।

सीएमएचओ डॉ. अजय सिंगला ने बताया कि मुख्यालय से विभागीय सूचना मिली कि रीको स्थित महादेव इंडस्ट्री में नकली देशी घी का निर्माण किया जा रहा है, यह घी देश के विभिन्न राज्यों उड़ीसा, असम व रायपुर आदि में सप्लाई किया जाता है। वहीं राजधानी जयपुर सहित राज्य के अन्य हिस्सों में भी मिल्क बाइट ब्रांड का घी सप्लाई होता है। यहां पर टीम गठित कर फैक्ट्री पर दबिश दी गई। जहां मौके पर वनस्पति एवं देशी घी पाया गया। टीम ने खुले में

■ रीको में फैक्ट्री सीज, बंद पैकेटों में की गई पैकिंग का घी राजस्थान के अलावा कई प्रदेशों में सप्लाई किया जा रहा था

रखे गए वनस्पति, प्रोटो ब्रांड का वनस्पति भी एवं मिल्क बाइट ब्रांड का घी के सैपल लिए। मिलावट की आशंका के चलते टीम ने मौके पर ही 2750 लीटर वनस्पति एवं 2160 लीटर मिल्क बाइट ब्रांड का देशी घी को सील किया। उन्होंने बताया कि सैपल तत्काल लेब में भेजकर रिपोर्ट करवा कर आगामी कार्रवाई की जाएगी। जांच टीम में सीओआईईसी विनोद बिशोई, एफएसओ हेताराम खुडिया एवं हंसराज गोदारा टीम आदि शामिल थे।

सीएमएचओ ने आमजन से अपील है कि जहां भी अशुद्ध, मिलावटी व अवधिपार खाद्य सामग्री बेचने की आशंका हो, उसकी शिकायत अवश्य करे।

बीकानेर में 24 घंटे में चार शव मिले

बीकानेर, (निसं)। शहर में पिछले 24 घंटे में अलग-अलग जगहों से चार युवकों के शव मिले हैं, जहां गुरुवार को दो शव मिले थे, वहीं शुक्रवार को भी दो अलग-अलग जगह युवकों की मौत हो गई। इसमें एमएम ग्राउंड के पीछे एक युवक की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। उसका शव देर रात से ग्राउंड के पीछे पड़ा था। सुबह आसपास के लोगों ने देखकर पुलिस को फोन किया।

फिलहाल शव को पीबीएम अस्पताल की मोर्चरी में रखा गया है। बताया जा रहा है कि मृतक के मुंह से झाग निकल रहा था। उसके शर्ट का एक हिस्सा फटा हुआ था। ऐसे में उसकी मौत को संदिग्ध माना जा रहा है। युवक की पहचान चुंगी चौकी निवासी विक्रम पुत्र बजरंग के रूप में हुई है। नयाशहर पुलिस ने मृतक के परिजनों को सूचना कर दी, जिसके बाद वे पीबीएम अस्पताल पहुंच गए। फिलहाल कोई मामला दर्ज नहीं हुआ है। पोस्टमार्टम के बाद ही स्पष्ट होगा कि मौत का कारण क्या है?

कार ने बाइक सवार दंपति को कुचला, मौत

कानोड़, (निसं)। कानोड़ से उदयपुर मुख्य सड़क मार्ग पर शुक्रवार को एक भीषण सड़क हादसे में बाइक सवार दंपति की मौके पर ही मौत हो गई। जानकारी के अनुसार दोपहर करीब 1 बजे उदयपुर मुख्य सड़क मार्ग पर भाटीया तलाई के पास उदयपुर की ओर से आ रही तेज रफ्तार कार ने कानोड़ की ओर से आ रही बाइक को चपेट में ले लिया, जिससे बाइक सवार दंपति गणेश डांगी (52) व बाबुड़ी बाई (45) को ग्रामीणों ने गंभीर हालत में कानोड़ चिकित्सालय पहुंचाया जहां पर चिकित्सकों ने दंपति को मृत घोषित कर दिया।

इधर कार चालक कार को मौके पर ही छोड़कर फरार हो गया। बताया जा रहा है कि कार में अन्य लोग भी सवार थे जो भी वहां से फरार हो गए। घटना के बाद पुलिस ने कार चालक व अन्य लोगों का कानोड़ और भीड़ चिकित्सालय में पता करने का प्रयास किया लेकिन दोनों ही नजदीकी अस्पतालों में नहीं मिले। वहीं हादसे



कानोड़ से उदयपुर मुख्य सड़क मार्ग पर हुये हादसे में कार क्षतिग्रस्त हो गई।

की जानकारी क्षेत्र में आग की तरह फैल गई जिससे मौके पर बड़ी संख्या में ग्रामीण एकत्रित हो गए।

सवार दंपति गणेश डांगी व बाबुड़ी डांगी जो कानोड़ के निकट बड़ा

■ कार चालक व अन्य सवार लोग कार को मौके पर ही छोड़कर फरार हो गए

राजपुरा गांव से प्रसादी गोल वीटी कार्यक्रम में शामिल होकर खाना खाने के बाद पुनः अपने गांव बल्लभनगर लौट रहे थे तो रास्ते में ही सड़क हादसे का शिकार हो गए। मृतक गणेश डांगी बल्लभनगर में किसी बैंक में कार्य करता था।

घटना की जानकारी मिलते ही परिवारजनों का रो-रोकर बुरा हाल हो गया। हादसे में बाइक व कार पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई। हादसे का जानकारी जैसे ही गांव पहुंची तो लोग चिकित्सालय दौड़ पड़े। घटनास्थल इंगला थाना क्षेत्र का होने से थानाधिकारी थेवट सहित पुलिस ने पहुंचकर प्रकरण दर्ज करते हुए अनुसंधान शुरू किया।

ब्लड बैंक इंचार्ज डॉ. सत्येन्द्र चौधरी ए.पी.ओ.

जे.के. लोन अस्पताल में प्लाज्मा चोरी का मामला

जयपुर। राज्य सरकार ने जयपुर के जेके लोन अस्पताल में प्लाज्मा चोरी के मामले में ब्लड बैंक के इंचार्ज डॉ. सत्येन्द्र चौधरी को तत्काल प्रभाव से एपीओ कर दिया है।

चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग की अतिरिक्त मुख्य सचिव शुभा सिंह ने बताया कि जेके लोन अस्पताल में लैब टेक्नीशियन द्वारा प्लाज्मा चोरी का मामला सामने आया था। राज्य सरकार ने प्रकरण को गंभीरता से लेते हुए लैब टेक्नीशियन किशन सहाय कटारिया को निलंबित कर दिया था और एफआईआर दर्ज करवाई गई थी।

सिंह ने बताया कि मामले की जांच के लिए तत्काल प्रभाव से एक कमेटी गठित की गई थी। कमेटी की रिपोर्ट में बताया गया कि ब्लड बैंक के सीसीटीवी कैमरों की रिकॉर्डिंग नहीं पाई गई। सात कैमरों में से प्लाज्मा

- मामले में आरोपी लैब टेक्नीशियन किशन सहाय कटारिया व डॉ. सत्येन्द्र चौधरी के विरुद्ध सीसीए नियम-16 के तहत अनुशासनात्मक कार्रवाई की जाएगी।
- कमेटी की रिपोर्ट में ब्लड बैंक के सीसीटीवी कैमरों की रिकॉर्डिंग नहीं पाई गई।
- सात कैमरों में से प्लाज्मा स्टोर रूम में लगे एक कैमरे के तार कटे हुए थे और अन्य उपकरणों से छेड़छाड़ होना पाया गया।
- ऑर्गन ट्रांसप्लांट प्रकरण में पुलिस ने एक और आरोपी को गिरफ्तार किया

स्टोर रूम में लगे एक कैमरे के तार कटे हुए थे और अन्य उपकरणों से छेड़छाड़ होना पाया गया। इस संबंध में अस्पताल प्रशासन को सूचना भी

नहीं दी गई। इन स्थितियों को संदेहास्पद माना गया है। जांच रिपोर्ट के आधार पर ब्लड बैंक के इंचार्ज डॉ. सत्येन्द्र चौधरी को कार्य के प्रति

उदासीनता एवं पर्यवेक्षणिय लापरवाही का दोषी मानते हुए राज्य सरकार ने तत्काल प्रभाव से एपीओ कर दिया है।

लैब टेक्नीशियन किशन सहाय कटारिया एवं डॉ. सत्येन्द्र चौधरी के विरुद्ध सीसीए नियम-16 के तहत अनुशासनात्मक कार्रवाई की जाएगी।

उधर ऑर्गन ट्रांसप्लांट प्रकरण में पुलिस ने एक और आरोपी को गिरफ्तार किया है। पुलिस के अनुसार फोर्टिस अस्पताल का नर्सिंग स्टाफ भानु लववंशी उर्फ भानु प्रताप को गिरफ्तार किया गया है। वह दलालों से सम्पर्क में रहकर अवैध ट्रांसप्लांट में मदद करता था। पूर्व में गिरफ्तार आरोपी से पूछताछ में भानु का नाम सामने आया था। ऑर्गन ट्रांसप्लांट प्रकरण में पुलिस अब तक 10 आरोपियों को गिरफ्तार कर चुकी है।

दिल्ली की जनता मोदी की गारंटियों के साथ, सभी सात सीटों पर दर्ज करेंगे जीत : गोठवाल

जयपुर। भाजपा के प्रदेश महामंत्री और खडगार विधानसभा के विधायक जितेंद्र गोठवाल लोकसभा चुनाव प्रचार के लिए दिल्ली प्रवास पर हैं। इस दौरान उन्होंने पश्चिमी दिल्ली लोकसभा प्रत्याशी कमलजीत सहरावत के चुनाव प्रचार में घर-घर जाकर जनसंपर्क किया और भाजपा प्रत्याशी के पक्ष में मतदान की अपील की। भाजपा प्रदेश महामंत्री जितेंद्र गोठवाल ने भाजपा प्रत्याशी के समर्थन में जनसंपर्क सभा को संबोधित करते हुए कहा कि दिल्ली लोकसभा की सभी 7 सीटों पर भाजपा के प्रत्याशी भारी मतों के साथ जीत दर्ज करेंगे और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के विकसित भारत परनामी ने कहा कि भाजपा का प्रत्येक कार्यकर्ता संगठन के प्रति पूरी तरह



भाजपा प्रदेश महामंत्री जितेंद्र गोठवाल व अशोक परनामी सहित भाजपा नेताओं ने दिल्ली लोकसभा चुनावों में प्रचार की कमान संभाली।

निष्ठावान और समर्पित है, इसी के चलते आज भाजपा विश्व का सबसे बड़ा

राजनैतिक दल है। परनामी ने भाजपा कार्यकर्ताओं के साथ मिलकर पश्चिमी

दिल्ली लोकसभा में प्रवासी राजस्थानियों से संपर्क किया। इसके

साथ ही पश्चिमी दिल्ली लोकसभा प्रत्याशी के कार्यालय में जनप्रतिनिधियों की संगठनात्मक बैठक लेकर मतदान प्रतिशत बढ़ाने पर चर्चा की।

जयपुर ग्रेटर महापौर सौम्या गुर्जर ने कहा कि दिल्ली की जनता प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की रीति और नीति के साथ है और पीएम मोदी के विकास कार्यों पर भाजपा प्रत्याशी के समर्थन में मतदान करेंगे। पीएम मोदी के नेतृत्व में देश की महिलाओं को नारी शक्ति वंदन विधेयक के माध्यम से अपना हक और सम्मान मिला है। पिछले 10 सालों में देश में महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने के लिए पीएम मोदी ने विभिन्न योजनाएं शुरू की हैं। दिल्ली में लोकसभा चुनावों के प्रचार के लिए राजस्थान से प्रदेश मंत्री अजीत मोडण, भाजपा जिलाध्यक्ष अजीत मेहता, महिला आयोग की पूर्व अध्यक्ष सुमन शर्मा, युवा मोर्चा प्रदेश अध्यक्ष अंकित चेची, महिला मोर्चा प्रदेशाध्यक्ष डॉ. रक्षा भंडारी, प्रवेश प्रवक्ता राखी राठौड़ और डॉ. अपूर्वा सिंह सहित कई भाजपा नेता प्रचार में जुटे हुए हैं।

शास्त्री नगर में भगवान परशुराम की नियमित पूजा शुरू

जयपुर। सर्व ब्राह्मण महासभा की और से आराध्य भगवान परशुराम जी की प्राण प्रतिष्ठा शास्त्री नगर स्थित कांचिया सर्किल पर स्थित पीपलेश्वर महादेव मंदिर में पूर्ण विधि विधान से हजारों ब्राह्मणों की उपस्थिति में हुई और आज से यहाँ भगवान परशुराम जी का नियमित पूजन अर्चन प्रारम्भ हो गया है।

कार्यक्रम संयोजक आशीष पराशर ने बताया कि इस अवसर पर 11 विद्वान पंडितों से विधि विधान से वैदिक मंत्रों के साथ भगवान की प्राण प्रतिष्ठा की। मुख्य यजमान रोहित शर्मा धर्मपत्नी सरोज ने प्राण प्रतिष्ठा पूर्व पंचकण्डीय यज्ञ, गणेश मण्डल पूजन, अर्चना, जलाधिवस, अन्नाधिवस, माहान्यास प्राण प्रतिष्ठा के साथ परशुराम जी को प्राण प्रतिष्ठा की गई।

पूर्व मुख्यमंत्री गहलोत का प्रधानमंत्री पर बयान हास्यास्पद : सी.पी.जोशी

जयपुर। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष सीपी जोशी ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत द्वारा दिए गए बयान को हास्यास्पद बताया है। उन्होंने ऐसे बयान देकर अपना दिल बहला सकते हैं और खुश हो सकते हैं। उनको इसकी पूरी खूट है, किन्तु चुनाव परिणाम के बाद गहलोत अपने घर से बाहर निकलने में एवं प्रदेश की जनता को अपना मुंह दिखा पाने में शर्म महसूस करेंगे।

जोशी ने कहा कि प्रदेश की जनता 5 महीने पहले ही कांग्रेस को आईए दिखा चुकी है। जिसके नेतृत्व को प्रदेश की जनता ने नकारा है, वे अगर्ल बयान बाजी कर कर जनता को भ्रमित करने का कुत्सित

प्रयास कर रहे हैं। जोशी ने कहा कि भाजपा जहाँ इस लोकसभा चुनाव में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार द्वारा किए गए विकास कार्यों और कल्याणकारी योजनाओं को लेकर जनता के बीच वोट मांग रही है, वहीं कांग्रेस जाति, धर्म के नाम पर भड़काकर सत्ता में आना चाहती है। जनता इनकी कुत्सित रणनीतियों को पहचान चुकी है। 4 जून को लोकसभा चुनाव का परिणाम आने के बाद वे अपने घर से नहीं निकल पाएंगे। जोशी ने कहा कि कांग्रेस की साम्यवादी और जातिवादी सोच के कारण देश पहले ही भारी नुकसान सह चुका है। कांग्रेस देश की आस्था और सुरक्षा के साथ खिलवाड़ करने वाली पार्टी है।

नर्सज दिवस की पूर्व संध्या पर होगी कैडल लाइटिंग

जयपुर। नर्सिंग प्रोफेशन की जन्मदात्री मिस फ्लोरेस नाइटिंगल का जन्मदिन हर वर्ष 12 मई को अंतरराष्ट्रीय नर्सज दिवस के रूप में मनाया जाता है।

नर्सज एसोसिएशन के प्रदेशाध्यक्ष श्याम सिंह ने बताया कि इसी उपलक्ष्य में हर वर्ष की भांति जयपुर के सवाई मानसिंह मेडिकल कॉलेज के संलग्न विभिन्न अस्पतालों में कार्यक्रम नर्सज द्वारा नर्सज दिवस की पूर्व संध्या पर शनिवार शाम सात बजे एसएमएस अस्पताल के मुख्य द्वार पर द्वीप प्रज्वलन एवं कैडल लाइटिंग कर मिस फ्लोरेस नाइटिंगल को श्रद्धा सुमन अर्पित किए जायेंगे। एसोसिएशन के अतिरिक्त महामंत्री भरत लाल जाटव ने बताया कि समारोह में एस एम एस मेडिकल कॉलेज जयपुर के प्रधानाचार्य डॉ. दीपक माहेश्वरी, एस एम एस चिकित्सालय जयपुर के अधीक्षक डॉ. सुशील भाटी, नर्सिंग कॉलेज के प्रधानाचार्य डॉ. जोगेंद्र शर्मा तथा मुख्य नर्सिंग अधीक्षक सुरेश कुमार मीणा सहित अन्य अधिकारी एवं नर्सिंग कॉलेज तथा स्कूल ऑफ नर्सिंग के छात्र शामिल होंगे।

वहीं चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग के अधीन नर्सिंग संवर्ग में उत्कृष्ट कार्य करने वाले श्रेष्ठतम नर्स को नर्सज दिवस पर राज्य स्तर पर सम्मानित किया जाएगा। इसके लिए निदेशालय स्तर पर गठित चयन समिति द्वारा 8 मई को बैठक आयोजित कर 57 नर्सिंग कर्मियों को सम्मानित किये जाने का सर्वसम्मति से निर्णय लिया गया।

भानपुरकलां स्कूल भवन का जीर्णोद्धार

जयपुर, (का.सं.)। भानपुर कलां कस्बे में स्थित राजकीय वीर, उपाध्याय कर्कसंस्कृत विद्यालय का मानव सेवा ट्रस्ट राजस्थान ने नैक ग्लोबल प्राइवेट लिमिटेड कंपनी व भामाशाहां के आर्थिक सहाय्य से कायाकल्प कर बदल दिया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि नैक ग्लोबल प्राइवेट लिमिटेड के एसोसिएट वाईस प्रेसिडेंट सुजीत, ट्रस्ट के संयोजक कोशल सत्यार्थी रहे विद्यालय परिवार की तरफ से सभी आगंतुकों का साफा व माला पहनाकर स्वागत किया।

‘कांग्रेसियों के बयान से दिख रहा, उनका मानसिक दिवालियापन’

पुणे। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर देश की जनता विश्वास कर रही है। उन्होंने 10 वर्ष के कार्यकाल में देश का विकास, गरीब कल्याण, सीमाओं की सुरक्षा, दुनिया में देश का गौरव बढ़ाने जैसे अच्छे काम किये हैं। इसी का नतीजा है कि पश्चिम बंगाल, झारखंड, तेलंगाना में हमारी सीटें

- मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा की मणिशंकर अय्यर के बयान पर प्रतिक्रिया

बढ़ रही हैं। आंध्रप्रदेश में गठबंधन के तहत हम बड़ी संख्या में सीटें जीतेंगे।

उन्होंने कहा कि 4 जून को 400 पार का सपना पूरा होगा। मुख्यमंत्री शर्मा ने कहा कि कांग्रेस ने जनता के साथ अब तक सिर्फ धोखा किया है। कांग्रेस शासन में भ्रष्टाचार हुआ और जनता ने आर्तकवाह एवं नक्सलवाद को देखा। कांग्रेस का संबंध दुकड़े-दुकड़े गैंग से है। मणिशंकर अय्यर के बयान पर मुख्यमंत्री ने कहा कि

कांग्रेसियों के दिमाग का मानसिक दिवालियापन दिख रहा है, इसलिए वह चुनाव में कुछ भी बोल रहे हैं। कांग्रेस को देश की चिंता नहीं है, वह सिर्फ परिवार की चिंता करती है, इस कारण कांग्रेस पार्टी किसी से भी समझौता कर सकती है। कांग्रेस के लोग हमेशा देश एवं समाज को तोड़ने की बात करते हैं। अब जनता ने कांग्रेस को नकार दिया है। कांग्रेस पार्टी ने भ्रष्टाचार की नई-नई इबारतें लिखी हैं। उन्होंने कहा कि कई विपक्षी दल भ्रष्टाचार पर बात करते हैं, लेकिन अन्ना हजारे के साथ आंदोलन कर भ्रष्टाचार मिटाने की बात करने वाले अरविंद केजरीवाल स्वयं भ्रष्टाचार के दल-दल में डूब गये।

नाबालिग से दुष्कर्म

जयपुर। विद्याधर नगर इलाके में ब्लैकमेल कर नाबालिग लड़की से दुष्कर्म करने का मामला सामने आया है। दोस्त के रूप पर ले जाकर नशीला पदार्थ पिलाकर आरोपी ने उसके साथ दुष्कर्म किया।

बेहोशी की हालत में बनाए अश्लील वीडियो से ब्लैकमेल कर देहशोषण करता रहा। नाबालिग पीड़िता ने आरोपी के खिलाफ मामला दर्ज करवाया। पुलिस ने बताया कि विद्याधर नगर निवासी सौलह वर्षीय लड़की ने मामला दर्ज करवाया है कि एक रिश्तेदार की शादी में जाने पर निवेश मीना नाम के लड़के ने चुपके से उसके फोटोज खींच लिए। फिर उसके फोटोज को एडिट कर दोस्तों को दिखाकर धमकाया और ब्लैकमेल कर मोबाइल पर बात करने लगा।

शिविर में 51 यूनिट रक्तदान

जयपुर। कल्पतरु शिक्षा समिति, रोटीरी क्लब जयपुर प्राइड एवं रॉयल राजस्थान रनर्स के संयुक्त तत्वावधान में सूर्य नगर, गोपापुरा बाईपास रोड स्थित परमहंस धाम, मानव उद्यम सेवा समिति में स्वैच्छिक रक्तदान शिविर एवं निःशुल्क स्वास्थ्य जांच शिविर आयोजित हुआ।

एच.यू.एफ. शेयर्स के उत्तराधिकार प्रमाण पत्र को लेकर पद्मनाभ सिंह से मांगा जवाब

जयपुर, (का.सं.)। जिला न्यायालय महागगर प्रथम ने पूर्व राजपरिवार के एचयूएफ शेयर्स के उत्तराधिकार प्रमाण पत्र के खिलाफ दायर प्रार्थना पत्र पर सुनवाई करते हुए पद्मनाभ सिंह को नोटिस जारी कर जवाब तलब किया है। अदालत ने यह आदेश सवाई मानसिंह की दोहिनी उर्वसी देवी के प्रार्थना पत्र पर सुनवाई करते हुए दिए।

प्रार्थना पत्र में अधिवक्ता रामजी लाल गुला ने अदालत को बताया कि पद्मनाभ सिंह ने पूर्व में 15 शेयर्स के उत्तराधिकार प्रमाण पत्र को लेकर अदालत में प्रार्थना पत्र पेश किया था।

जिसमें एचयूएफ के कुछ शेयर्स भी शामिल थे। इस पर उर्वसी देवी के विरोध करने पर इन शेयर्स को सूची से हटा दिया गया। इस पर अदालत ने 22 अगस्त, 2012 को शेष शेयर्स का उत्तराधिकार प्रमाण पत्र जारी कर दिया। ऐसे में उर्वसी देवी ने अपने अधिकार सुरक्षित रखते हुए केस से अलग हो गईं। प्रार्थना पत्र में कहा गया कि इसके बाद इन एचयूएफ शेयर्स को लेकर पद्मनाभ सिंह ने पुनः प्रार्थना पत्र पेश किया। जिसमें उर्वसी देवी सहित अन्य को पक्षकार नहीं बताया गया। इस प्रार्थना पत्र को स्वीकार करते हुए अदालत ने

पद्मनाभ सिंह के पक्ष में उत्तराधिकार प्रमाण पत्र जारी कर दिया। प्रार्थना पत्र में कहा गया कि यह उत्तराधिकार प्रमाण पत्र जारी करने के दौरान याचिकाकर्ता के पक्ष को नहीं सुना गया। इसके अलावा शेयर्स दिल्ली हाईकोर्ट में चल रहे मुकदमे की विवादाित संपत्तियों में शामिल हैं और सुप्रीम कोर्ट की ओर से नियुक्त रिसीवर की अभिरक्षा में हैं। ऐसे में इस उत्तराधिकार प्रमाण पत्र को निरस्त किया जाए। जिस पर सुनवाई करते हुए अदालत ने पद्मनाभ सिंह को नोटिस जारी कर जवाब तलब किया है।

स्टैच्यू सर्किल पर तेज रफ्तार कार पलटी, बिजनेसमैन की मौत

जयपुर। सी-स्क्रीम क्षेत्र में स्टैच्यू सर्किल पर शुक्रवार सुबह तेज रफ्तार कार पलट गई। रोड पर अचानक आए कुत्ते को बचाने के चलते कार बिजली पोल से टकराई। एम्बर बैग खुलने के बाद भी कार सवार युवक की मौत हो गई। एक्सीडेंट थाना (साउथ) पुलिस ने परिजनों के लिखित में देने पर बिना केस दर्ज किए शव परिजनों को सौंप दिया, सिर्फ पंचनामा किया गया।

दुर्घटना थाना पुलिस ने बताया कि हादसे में जय सुरोपलिया (24) पुत्र रवि कुमार निवासी शिवाजी स्टेडियम नई दिल्ली की मौत हो गई। मृतक जय होटल कारोबार से जुड़े हुए थे। शुक्रवार सुबह करीब 4:45 बजे जय अपनी

- सड़क पर अचानक सामने आ गया था कुत्ता, उसे बचाने के चक्कर में कार पलटकर बिजली पोल से टकराई

फॉक्सवैगन कार से स्टैच्यू सर्किल से जा रहे थे। सड़क पर अचानक लौढ़ते हुए कुत्ता सामने आ गया। उसे बचाने के चलते ओवर स्पीड कार पलटी खाकर बिजली पोल से जा टकराई। टक्कर इतनी तेज थी कि कार के एयर बैग खुलने के साथ ही बिजली पोल टूटकर नीचे गिर गया। मॉर्निंग वॉक पर निकले लोगों ने

जैसे-तैसे संभालने की कोशिश की। एक्सीडेंट की सूचना पर पहुंची पुलिस ने घायल जय को कार से बाहर निकाला। गंभीर हालत में उसे हॉस्पिटल भिजवाया गया। हॉस्पिटल में इलाज के दौरान उनकी मौत हो गई। पुलिस ने एक्सीडेंट में जय सुरोपलिया की मौत की सूचना परिजनों को दी। हॉस्पिटल पहुंचे परिजनों ने एफ.आई.आर. दर्ज करवाने से मना कर दिया। पुलिस को पोस्टमार्टम नहीं करवाने की एप्लीकेशन दी। पुलिस ने परिजनों की सहमति पर पंचनामे की कार्रवाई कर शव परिजनों को सौंप दिया। पलटी खाने के बाद कार बिजली पोल में फंस गई थी। पुलिस ने क्रेन की मदद से पोल में फंसी कार को निकाला।

जीप की टक्कर से 6 वर्षीय मासूम की मौत

जयपुर। झोटावाड़ा इलाके में तेज रफ्तार जीप की टक्कर से एक मासूम की मौत हो गई। वह अपनी मां के साथ मार्केट खरीदारी करने बाजार आया था। इस दौरान सड़क पार करते समय जीप ने टक्कर मार दी। हादसे के बाद ड्राइवर जीप ले भागा। गंभीर घायल बच्चे को सवाई मानसिंह अस्पताल में भर्ती कराया गया। जहाँ गुस्वार देर रात उसकी मौत हो गई। पुलिस ने पोस्टमार्टम करवाकर शव परिजनों को सौंप दिया। पुलिस ने

मामला दर्ज कर जीप और चालक की तलाश में जुटी है। सड़क दुर्घटना थाना पुलिस ने बताया कि हादसे में मानसूर झुंझुनू निवासी राजकुमार सैन के छह साल के बेटे मोहित की मौत हो गई। राजकुमार अनंद पीली और बेटे मोहित के साथ नईनदी मोड़ हरमाड़ा में किए गए सड़क प्राइवेट नैकरी करते हैं। तीन मई को शाम पाँच बजे मोहित अपनी मां के साथ देहर के बालाजी मार्केट में खरीदारी करने

आया था। इस दौरान सड़क पार करते समय तेज रफ्तार जीप ने मोहित को टक्कर मार दी। हादसे के बाद चालक मौके से जीप भाग ले गया। लोगों की सूचना पर पहुंची पुलिस ने गंभीर हालत में एंबुलेंस की मदद से मोहित को सवाई मानसिंह अस्पताल में भर्ती करवाया। जहाँ इलाज के दौरान गुस्वार देर रात उसकी मौत हो गई। पुलिस ने शुक्रवार सुबह पोस्टमार्टम करवाकर शव परिजनों को सौंप दिया।

फर्जी पट्टे बनाकर लोगों को ठगने वाले गिरोह का मुख्य आरोपी गिरफ्तार

ब्यावर, (निस)। फर्जी पट्टे बनाकर लोगों को ठगने वाले गिरोह के मुख्य आरोपी बसंत सिंह को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया। पिछले वर्ष फरवरी माह में ग्राम विकास अधिकारी ग्राम बड़ाखेड़ा तथा सरपंच ग्राम पंचायत बड़ाखेड़ा पंचायत समिति जवाजा जिला ब्यावर ने फर्जी पट्टों के बारे में सूचना दी जो कि ग्राम पंचायत से जारी नहीं किये गये थे। सूचना मिलने पर पुलिस थाना टांटगढ़ में मुकदमा दर्ज किया गया व थानाधिकारी जांच शुरू की गई।



फर्जी पट्टे बना लोगों को ठगने वाले गिरोह के मुख्य आरोपी बसंत सिंह को पुलिस ने गिरफ्तार किया।

जांच के दौरान पुलिस के जानकारी में आया कि टांटगढ़ के आसपास के गांवों बंजारी, रूपनगर अरनाली, बाला चाराट, बड़ाखेड़ा, पालडी आदि गांवों के ग्रामीणों के नाम पर पट्टे जारी हुए हैं जो ग्राम पंचायत द्वारा जारी नहीं हैं। महानिरीक्षक पुलिस अजमेर रंज अजमेर ने इस प्रकरण को गंभीरता से लेते हुए पूरे प्रकरण की जांच अतिरिक्त जिला पुलिस अधीक्षक ब्यावर को सौंपी। जिला पुलिस अधीक्षक के निर्देशन में पुलिस टीम का गठन किया जाकर टांटगढ़ जलक के आसपास के क्षेत्र में जांचकी की तो कई पीड़ित सामने आये जिनके नाम पर फर्जी पट्टे बनाये

गये थे व उनके संबंध में संबंधित ग्राम पंचायतों से रिपोर्ट प्राप्त करने पर पता चला कि ग्राम पंचायतों द्वारा उक्त पट्टे जारी नहीं किये गये हैं। इस पर पुलिस टीम ने ग्रामीणों से पट्टों के बारे में

पूछताछ की तो पता चला कि एक संगठित गिरोह इस क्षेत्र में सक्रिय है जो ग्रामीणों से जमीन का पट्टा बनाने के नाम पर मोटी रकम वसूलते थे व उक्त फर्जी पट्टों के आधार पर तहसील कार्यालय से रजिस्ट्री करवाते तथा बाद में इन रजिस्ट्रीशुदा पट्टों पर निजी फाईनेंस बैंकों से ग्रामीणों को लोन दिलाते व उसमें से भी कमीशन ले लेते थे। किसी भी ग्रामीण को यह गिरोह

■ सूचना मिलने पर पुलिस थाना टांटगढ़ में मुकदमा दर्ज किया गया व थानाधिकारी जांच शुरू की गई थी

किसी प्रकार का कोई मूल दस्तावेज नहीं देता था। पुलिस टीम ने सक्रियता से कार्य करते हुए इस पूरे प्रकरण से जुड़े गिरोह के बारे में पूरी जानकारी प्राप्त की और पूर्व में प्रकरण का खूनासा करते हुए एक आरोपी सुखदेव सिंह को गिरफ्तार किया था व मुख्य आरोपी बसंत सिंह फरार था जिसकी पुलिस टीम ने हर संभावित स्थानों पर तलाश की। आरोपी रूपनगर अरनाली निवासी बसंत सिंह पुत्र नारायण सिंह जो कि पूर्व पंचायत समिति सदस्य भी रह चुका है को गुरुवार को पुलिस टीम ने गिरफ्तार किया। इस पूरे गिरोह के सदस्यों में लंबे समय से चर्चित आरोपी बसंत सिंह को गिरफ्तार किया जाकर गहनता से पूछताछ की जा रही है। जिससे कई राज खुलने की संभावना है। गिरोह के अन्य सदस्यों की तलाश हेतु पुलिस टीम दबिश दे रही है।

शाहपुरा में धूमधाम से मनाया परशुराम जन्मोत्सव



भगवान परशुराम जी के जन्मोत्सव पर शोभायात्रा निकाली।

शाहपुरा, (निस)। कस्बे में भगवान श्री विष्णु के छठवे अवतार भगवान श्री परशुराम जी का जन्मोत्सव धूमधाम से मनाया गया। सर्व ब्राह्मण समाज व्यास - दाधीच समाज, सुखवाल समाज, गुर्जर गौड़ समाज, पारीक समाज, गुजराती समाज आदि गौड़ समाज, पाराशर समाज, पाठक समाज, सारस्वत समाज, आदि

सर्व ब्राह्मण समाज इकटित हुआ। इसके बाद भव्य शोभायात्रा का शुभारम्भ हुआ। शोभायात्रा महलों का चौक, सदर् बाजार सहित मुख्य मार्गों से होकर गुजरी ढोल धमकों व बेंदबाजों की धुनों पर पुरुष व महिलाएं नाचते गाते नजर आये। शोभायात्रा में शिव शंकर भगवान की झांकी आकर्षण का केंद्र रही।

देवमाली में बॉलीवुड फिल्म की शूटिंग की तैयारी शुरू

मसूदा, (निस)। मसूदा पंचायत समिति की निकटवर्ती ग्राम पंचायत देवमाली में बॉलीवुड फिल्म जॉली एलएलबी 3 की शूटिंग को लेकर शूकरवार को जोर शोर से तैयारी का दौर जारी रहा जिसके चलते ग्रामीणों में शूटिंग को लेकर खासा उत्साह देखने को नजर आया। ग्राम पंचायत देवमाली में अक्षय कुमार की बॉलीवुड मूवी जॉली एलएलबी -3 को लेकर पिछले कुछ दिनों से गांव के विभिन्न स्थानों पर फिल्म के दृश्यों का फिल्मांकन किया गया। इसके तहत गांव के कच्चे मकान मुख्य मार्ग सहित कई स्थानों पर शूटिंग की गई। शूटिंग में स्थानीय लोगों के साथ-साथ कुछ अन्य कलाकारों ने हिस्सा लिया।

धरती पर उतरा देवलोक, भगवान परशुराम के गूंजे जयकारे

ब्यावर, (निस)। विष्णु के छठे अवतार एवं सनातन धर्म के आदि पुरुष भगवान परशुराम की जयंती पर संपूर्ण ब्राह्मण समाज एकरूपता की माला में नजर आया। शोभायात्रा इतनी विशाल थी कि हर वर्ग ने उत्साह पूर्वक अपनी भागीदारी निभाई। भगवान सूर्य के सात अश्व की अगवानी के साथ शोभायात्रा का शुभारंभ किया गया। परशुराम जयंती जन्मोत्सव संयोजक अजय शर्मा ने शक्तिपीठ की ज्योति लेकर जयंती शोभायात्रा की अगुवाई की। ब्राह्मण समाज के सभी संगठनों व घड़े के प्रमुख लोग धर्म ध्वज हाथ में लेकर शामिल हुए। ब्राह्मण समाज के विद्वानों व पुरोहितों के वैदिक मंत्रों के साथ शोभायात्रा ने तय मार्ग पर शुरू हुई। इस दौरान समाज की महिलाओं ने मंगल



भगवान सूर्य के सात अश्व की अगवानी के साथ शोभायात्रा निकाली।

गीत गाते हुए कार्यक्रम की शोभा बढ़ाई। वेदगी की बलिकाओं ने अपना हुनर दिखाते हुए शीर्ष का प्रदर्शन किया। तलवारबाजी और लाठी से करतब दिखाने हुनर प्रदर्शित किया। ब्यावर के बादशाह मेला का मुख्य आकर्षण

बीरबल जो हमेशा ब्राह्मण समाज का प्रतिनिधित्व करता है, उसके मनमोहक नृत्य ने एक बार फिर बादशाह मेले की याद दिला दी। शोभा यात्रा का नगर में विभिन्न समाजों के साथ-साथ और आम जनों ने पुष्प वर्षा के साथ स्वागत किया।

भगवान परशुराम जन्म महोत्सव पर शोभायात्रा निकाली

बिजयनगर, (निस)। परशुराम जन्मोत्सव समिति के तत्वावधान में अक्षय तृतीया शुक्रवार को भगवान श्री परशुराम जन्मोत्सव हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। भगवान श्री परशुराम जन्मोत्सव पर चौसला क्षेत्र के गणेश मंदिर से शोभा यात्रा शहर के राजनगर रेलवे फाटक, रेलवे स्टेशन, महावीर बाजार, सन्जी मंडी व विवेकानंद सर्फिकल सहित मुख्य मार्गों से होकर निकली गई। शोभायात्रा में भगवान परशुराम भगवान श्री राम लाल की झांकी बाहुबली हनुमान के साथ ऋषि मुनियों की झांकियां सजाई गई। शोभायात्रा के

■ युवाओं ने शहर के मुख्य चौराहों पर जगह-जगह अखाड़ा प्रदर्शन किया

दौरान बेंद बाजो की मधुर स्वर लहरियों एवं ढोल ताशा के साथ युवा भगवान परशुराम का जय घोष करते हुए साथ चल रहे थे। युवाओं ने शहर के मुख्य चौराहों पर जगह-जगह अखाड़ा प्रदर्शन किया। क्षेत्रीय विधायक वीरेंद्र सिंह कावात, भाजपा देहात पूर्व जिला अध्यक्ष नवीन शर्मा, विप्र समाज अध्यक्ष ओम प्रकाश त्रिपाठी, राम प्रसाद शर्मा,

नाट्य प्रशिक्षण शिविर शुरू

अजमेर, (कास)। अजमेर मरुधर सांस्कृतिक संस्था की ओर से सूचना केंद्र के खुले रंगमंच पर आयोजित राजस्थानी फोक डांस हॉलीवुड डांस हैडीक्राफ्ट नाटक आदि का प्रशिक्षण शिविर शुक्रवार से शुरू हुआ। प्रशिक्षण द्वारा छात्राओं और महिलाओं सहित सभी आयु वर्ग के प्रशिक्षणार्थियों को प्रशिक्षण दिया गया। मरुधर सांस्कृतिक संस्था द्वारा राजस्थानी फोक डांस के लिए राजस्थानी नृत्यांगना द्वारा नाटक वरिष्ठ रंगकर्मियों द्वारा और हैडीक्राफ्ट में अलग-अलग प्रशिक्षण देकर छात्र-छात्राओं को आत्मनिर्भर बनाने का एक माध्यम बनाया जाएगा छात्र-छात्राओं को पढ़ाई के अलावा रुचियों के हिसाब से उनका प्रशिक्षण दिया जाएगा ताकि भविष्य में आत्मनिर्भर बन सकें।

राइफल शूटिंग व टेनिस खेलों की प्रतियोगिता 23 से

अजमेर, (कास)। सम्राट पृथ्वीराज चौहान की 858वें जयंती के अवसर पर इस बार राइफल शूटिंग एवं टेनिस खेलों की प्रतियोगिताएं आयोजित की जाएगी। जयंती समारोह के अंतर्गत 23 मई को सम्राट पृथ्वीराज चौहान जिला स्तरीय राइफल शूटिंग प्रतियोगिता चंद्रवरदाई नगर स्थित करनी स्पोर्ट्स शूटिंग रेंज पर आयोजित होगी, इसके आयोजन सचिव हिम्मत सिंह राठौड़ होंगे। इसमें विभिन्न आयु वर्ग के मुकाबले होंगे इच्छुक प्रतियोगी संपर्क कर अपनी प्रविष्टियां दे सकेंगे। कार्यक्रम के अंतर्गत कुंदन नगर स्थित राजपूत हॉस्टल में संचालित हिल व्यू टेनिस अकादमी द्वारा 27 से 31 मई तक विभिन्न आयु वर्ग के मुकाबले होंगे,

■ राइफल शूटिंग प्रतियोगिता चंद्रवरदाई नगर स्थित करनी स्पोर्ट्स शूटिंग रेंज पर आयोजित होगा

इसमें आयोजन सचिव राहुल चौहान होंगे। इस प्रतियोगिता में जूनियर यूथ सीनियर पुरुष एवं महिला वर्ग की स्पर्धाएं होंगी। दोनों प्रतियोगिता के विजेता एवं उपविजेता खिलाड़ियों को 2 जून को सम्राट पृथ्वीराज चौहान स्मारक पर आयोजित होने वाले मुख्य समारोह में पुरस्कृत किया जाएगा।

सार-समाचार



सरवाड़, (निस)। भगवान विष्णु के छठे अवतार भगवान परशुराम जन्म जयंती पर विशाल शोभायात्रा निकाली इस अवसर पर भगवान परशुराम की झांकी सजाई गई विप्र समाज की ओर से यह शोभायात्रा निकाली गई बेंद बाजों के साथ यह शोभायात्रा बड़े मंदिर से प्रारंभ हुई जो सदर् बाजार पहुंचने पर पुष्प वर्षा की गई इस दौरान नगर कांग्रेस कमेटी के द्वारा स्वागत किया गया इस मौके पर नगर कांग्रेस कमेटी के महासचिव रामलाल गुर्जर भीमराव अम्बेडकर मण्डल अध्यक्ष रामस्वरूप प्रजापति पार्षद विशाल मेवाड़ा संजय साहू ने पुष्प वर्षा कर समाज के वयोवृद्ध सत्यनारायण पारीक एवं महावीर प्रसाद गौड़ को साफा बंधवाकर स्वागत किया गया तथा समाज के लोगों को दुपट्टा पहनाकर स्वागत किया गया भगवान परशुराम के जयकारे लगाते हुए व नाचते-गाते हुए चल रहे थे शोभायात्रा में परसा लेकर चल रहे थे वहीं महिलाएं व पुरुष कोंफी तादात में उपस्थित थे। इस दौरान बस स्टैंड होते हुए भीमेश्वर महादेव मंदिर पहुंची वहां पहुंचने पर पार्षद औमा मालाकार ने दुपट्टा संभावित करते हुए बताया कि बालक बालिकाओं में बाल्यकाल से ही संस्कार जरूरी है। स्काउट गाइड के माध्यम से बालक बालिकाओं में संस्कारों का बीजारोपण किया जाता है। स्काउट गाइड समाज में रचनात्मक कार्य करते हुए अपनी विशिष्ट पहचान बनाये हुए हैं। लीडर ट्रेनर स्काउट राजेंद्र प्रसाद आचार्य ने प्रशिक्षण की जानकारी देते हुए संभाषियों को बताया कि हमें स्वच्छ भाव एवं पर्यावरण संरक्षण जैसे कार्यक्रमों में कंधे से कंधा मिला कर कार्य करना है।

तीर्थनगरी में हुई पूजा अर्चना

पुष्कर, (निस)। वैशाख माह की अक्षय तृतीया पर जहाँ उत्तराखंड स्थित ब्रह्मनाथ धाम में भगवान के कपाट खुलें वहीं तीर्थनगरी पुष्कर के बड़ी बस्ती और छोटी बस्ती स्थित भगवान ब्रह्मनारायण मंदिर में भी विशेष पूजा अर्चना और महाआरती हुई। बड़ी बस्ती और छोटी बस्ती स्थित प्राचीन ब्रह्मनारायण मंदिर में प्रातः, दोपहर की महाआरती हुई और शाम को भी महाआरती होगी। दोनों मंदिरों में सुबह चने की दाल, ककड़ी, दोपहर में चावल, धो, तुड़ा शक्कर का भोग लगा। शाम को आटे के सतु और पंचामृत का भोग लगेगा। अलसुबह से ही दर्शन करने के लिए श्रद्धालुओं का तांता लग गया। बड़ी बस्ती स्थित ब्रह्मनारायण भगवान के मंदिर के पुजारी कमल पाराशर ने बताया कि भगवान ब्रह्मनारायण नारायण के अवतार हैं और आज के दिन उनके दर्शन मात्र से अक्षय फल की प्राप्ति होती है और सभी मनोकामनाएं पूरी होती हैं। इस मौके पर भगवान का पंचामृत अभिषेक कर मनमोहक श्रृंगार किया गया। थानेश्वर मंदिर के पास संत आसाराम बापू के आश्रम की ओर से मटकियां दी गई एवं शरवत पिलाया। इस दौरान इस दौरान पुजारी मुकेश पाराशर, राजकुमार पाराशर, लक्ष्मीकांत पाराशर कमल पाराशर, निर्मल पाराशर, रविकांत पाराशर, अमित पाराशर, सुमित पाराशर सहित अनेक भक्तगण मौजूद रहे। छोटी बस्ती में बराह मंदिर के पास स्थित भगवान ब्रह्मनारायण मंदिर के पुजारी विजयस्वरूप महर्षि ने बताया कि पूरे साल मंदिर में दो आरती होती हैं जबकि शूकरवार को आखा तीज के अवसर पर तीन महाआरती हुई।

पक्षियों के लिए परिण्डे तैरित

अजमेर, (कास)। लार्यस क्लब अजमेर प्रीमियम के सदस्यों ने आपसी सहयोग से प्रतिवर्ष की भांति इस वर्ष भी शीघ्र गर्मी में पक्षियों की प्यास बुझाने के लिए शहर वासियों से पक्षियों के लिए पानी के परिण्डे भर कर रखने का आवाहन किया है। एडिशनल डिस्ट्रिक्ट मीडिया कॉर्डिनेटर लायन राजेंद्र गांधी ने बताया कि आज अक्षय तृतीया व भगवान परशुराम के जन्मोत्सव के शुभ अवसर पर राजा साइकिल चौराहे व रेल उद्यान में 101 परिण्डे आमजन को बांटे गए इसी कड़ी में सेशन कोर्ट परिसर में न्यायेश्वर मंदिर में भी क्लब के साथियों की ओर से 500 परिण्डे अधिवक्ताओं, पक्षकारों एवं न्याय कर्मचारियों को वितरित किए गए। साथ ही बचन लिया गया कि प्रतिदिन परिण्डे को साफ करके इसमें पक्षियों के लिए पानी भरेंगे। इस अवसर पर चार्टर अध्यक्ष लायन अजय गोयल, क्लब अध्यक्ष लायन आर पी गुप्ता, सचिव लायन अशोक शर्मा, लायन अनिल उपाध्याय, लायन कमल शर्मा, लायन भागवती देवी गुप्ता, लायन बंदिना गोयल, लायन भरत खंडेलवाल, लायन रश्मि गुप्ता आदि उपस्थित रहे।

जिला कलक्टर ने किया निरीक्षण

नागौर, (निस)। जिला कलक्टर अरुण कुमार पुरोहित ने शुक्रवार को प्रातः शहरी क्षेत्र में सोनी जी की बाड़ी में जलापूर्ति के समय पानी का प्रेशर का अवलोकन किया तत्पश्चात स्थानीय निवासियों से वार्ता कर आपूर्ति के समय अंतराल, प्रेशर आदि जानकारी ली। शहर की भीतरी भाग में लोडों के चौक में गलियों में अंतिम छोर तक सुचारू आपूर्ति का निरीक्षण करने पहुंचे। यहां पर पानी के सैपल लेकर पानी में क्लोरीन उपलब्धता की मौका जांच भी की गई। स्थानीय निवासियों ने सुबह-सुबह जिला कलक्टर पुरोहित को भीतरी गलियों में जलापूर्ति को लेकर निरीक्षण करने पर हर्ष व्यक्त किया। जिला कलक्टर पुरोहित ने उपभोक्ताओं एवं आमजन से जलापूर्ति की अवधि, अंतराल आदि के बारे में जानकारी लेते हुए निवासियों से अमूल्य पानी को व्यर्थ बचने से रोकने और सड़कें आदि धोने से बचने के लिए सहयोग करने का निवेदन भी किया।

अब जेएलएन अस्पताल में बाईपास सर्जरी शुरू, मरीजों को नहीं जाना पड़ेगा जयपुर

डॉ. प्रशांत कोठारी व टीम ने बुजुर्ग व्यक्ति के हार्ट की निशुल्क बाईपास सर्जरी की

अजमेर, (कास)। जवाहरलाल नेहरू मेडिकल कॉलेज से जुड़े जेएलएन अस्पताल में बाईपास सर्जरी का सफल ऑपरेशन कर सर्जरी की शुरुआत की है। सीटीवीएस के डॉ. प्रशांत कोठारी व उनकी टीम ने मुख्यमंत्री आयुष्मान आरोग्य योजना के तहत 47 वर्षीय बुजुर्ग व्यक्ति के हार्ट की निशुल्क बाईपास सर्जरी की है। सर्जरी के सफल ऑपरेशन से अब बाद उम्मीद की किरण जगी है। अजमेर शहर सहित संभाग के मरीजों को सर्जरी के लिए जयपुर सहित अन्य बड़े शहरों में नहीं जाना पड़ेगा। निजी अस्पतालों में सर्जरी का करीब पांच से छह लाख तक खर्च आता है।



प्रेसवार्ता में जानकारी देते हुए चिकित्सा अधिकारी।

पैरों तक की सभी नसें पूरी तरह ब्लॉक हो चुकी थी, जिससे शरीर में खून का दौरा थम गया था। मरीज की स्थिति देखते हुए बाईपास सर्जरी के सामान मंगवाए गए और 30 अप्रैल को मरीज को अस्पताल में भर्ती कर सभी जांचें करवाई गईं, उसके बाद 2 मई मरीज का सफल ऑपरेशन किया गया। हार्ट धमनियां खोलने के लिए जरूरी है एंजियोप्लास्टी:- अधीक्षक डॉ. खरे ने बताया कि एंजियोप्लास्टी एक सर्जिकल प्रक्रिया है, जो हार्ट की धमनियों को खोलने का काम करता है। जब हार्ट में ब्लॉकिंग के कारण ब्लड अच्छी तरह से प्लो नहीं करता है तो बाईपास सर्जरी की जरूरत पड़ती है। इस प्रक्रिया में स्टेंट या सर्जरी की जरूरत पड़ती है। स्टेंट या पतली ट्यूब को धमनी में डालकर ब्लॉकिंग खोले जाते हैं। एंजियोप्लास्टी करने से पहले डार्डयुक इंजेक्शन मरीज को दिया जाता है ताकि धमनियां कैमरे में नजर आ सकें। इसके बाद बैलून कैथेटर की मदद से स्टेंट को फिट कर दिया जाता है। बाईपास सर्जरी के लिए छाती के बीच में चीरा लगाया जाता है जब तक सर्जरी चलती है तब तक

कार्डियोलॉजिस्ट बाइपास मशीन के जरिए शरीर में ऑक्सीजन दी जाती है। इस दौरान सर्जन खराब हुड धमनी को ठीक करते हैं। ब्लड वेसल्स को हार्ट से जोड़ा जाता है ताकि धमनी का खराब हुआ भाग बाईपास किया जा सके। सर्कारी अस्पताल में नहीं मिल रहा था सर्जरी का लाभ:- जवाहर लाल नेहरू मेडिकल कॉलेज में कार्डिक थैरेपिसि एंड वैस्कुलर सर्जरी में हार्ट की बाइपास सर्जरी के लिए राज्य सरकार भी निजी अस्पतालों के भरोसे थी। राज्य सरकार की ओर से सुपर स्पेशलिटी के भले ही पद

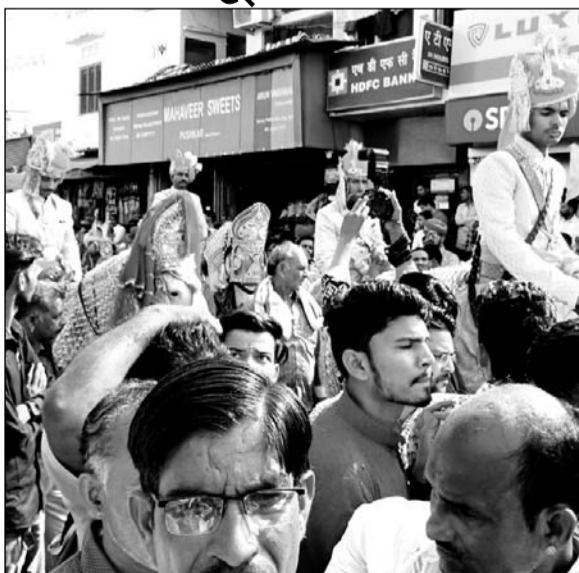
कांठियोंपल्मोनरी बाइपास मशीन के जरिए शरीर में ऑक्सीजन दी जाती है। इस दौरान सर्जन खराब हुड धमनी को ठीक करते हैं। ब्लड वेसल्स को हार्ट से जोड़ा जाता है ताकि धमनी का खराब हुआ भाग बाईपास किया जा सके। सर्कारी अस्पताल में नहीं मिल रहा था सर्जरी का लाभ:- जवाहर लाल नेहरू मेडिकल कॉलेज में कार्डिक थैरेपिसि एंड वैस्कुलर सर्जरी में हार्ट की बाइपास सर्जरी के लिए राज्य सरकार भी निजी अस्पतालों के भरोसे थी। राज्य सरकार की ओर से सुपर स्पेशलिटी के भले ही पद

■ डॉ. प्रशांत कोठारी व उनकी टीम बुजुर्ग के पैरों की नसें तक ब्लॉक होने पर किया ऑपरेशन

स्वीकृत किए हों लेकिन सीटीवीएस में हार्ट की सर्जरी का लाभ सरकारी अस्पताल में नहीं मिल रहा था। मरीजों को अब नहीं जाना पड़ेगा शहर से बाहर:- अजमेर जेएलएन मेडिकल कॉलेज में वर्तमान में कार्डियोलॉजी विभाग में जहां एंजियोग्राफी, एंजियोप्लास्टी की सुविधाएं उपलब्ध हैं, वहीं सीटीवीएस में हार्ट की सर्जरी नहीं होने से मरीजों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा था। अजमेर, नागौर, भीलवाड़ा एवं टोंक जिलों के मरीजों को निजी अस्पतालों के अलावा जयपुर, उदयपुर, अहमदाबाद सहित अन्य शहरों का रुख करना पड़ रहा था। सीटीवीएस अलग से विभाग स्थापित है, जहां वैस्कुलर सहित अन्य सर्जरी तो की जा रही है मगर हार्ट की बाईपास सर्जरी नहीं हो पाय रही थी।

सामूहिक विवाह सम्मेलन में 21 जोड़े परिणय सूत्र में बंधे

पुष्कर, (निस)। क्षत्रिय (राजपूत) सामूहिक विवाह समिति की ओर से आज जयमल कोट में समाज का सामूहिक विवाह सम्मेलन आयोजित किया गया। जिसमें समाज के 21 जोड़े परिणय सूत्र में बंधे। आयोजन समिति के अध्यक्ष महेंद्र सिंह कड़ेल ने बताया कि राजपूत समाज का यह 16वां सामूहिक विवाह सम्मेलन था। सुबह 9 बजे गुरुद्वारे के पास गायत्री शक्ति पीठ से 21 जोड़ों की सामूहिक बिन्दोली शुरू हुई जो मुख्य बाजार होती हुई सम्मेलन स्थल जयमल कोट पहुंची। यहां पर तोरण की रस्म के बाद बरमाला का कार्यक्रम सम्पन्न हुआ। गायत्री परिवार के पंडितों के सानिध्य में वैदिक मंत्रोच्चार के साथ पाणिग्रहण संस्कार और फेरे सम्पन्न हुए। बाद में नांद गौशाला के राजऋषि समताराम जी और समाजसेवी युवा भाजपा नेता भवर्सिंह पलाड़ा के मुख्य आतिथ्य में आशीर्वाद समारोह सम्पन्न हुआ।



जयमल कोट में समाज का सामूहिक विवाह सम्मेलन आयोजित किया।

बेच देते हैं। पलाड़ा ने सभी करनी होगी। राजऋषि समताराम जी समजबधुओं और भामाशाहों का महाराज ने भी सामूहिक विवाह सम्मेलन को समाज सुधार की दिशा में बड़ा कदम बताया है। उन्होंने कहा कि फालतू के खर्चों पर रोक लगाने चाहिये। समिति के अध्यक्ष महेंद्रसिंह कडेल ने सभी का आभार व्यक्त किया। इस दौरान सत्यनारायण सिंह, जगमालसिंह, देवीसिंह, सहित अनेक समाज बंधु और मधुसूदन भाऊ भी मौजूद रहे। कार्यक्रम का संचालन सत्यनारायण सिंह ने किया।



विराट कोहली अपनी दमदार स्लॉग स्वीप के जरिये बीच के ओवरों में स्पिनरों को बखूबी खेल रहे हैं। वह अब पहले की तरह वाला विराट कोहली नहीं है लेकिन अब वह 21 साल का भी नहीं है। वह 30 पर है लेकिन अभी भी ऐसा प्रदर्शन लाजवाब है।”

– टॉम मूडी

पूर्व ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेटर, विराट कोहली के बारे में कहा।



खेल जगत

आज का खिलाड़ी



साई सुदर्शन

गुजरात के सलामी बल्लेबाज साई सुदर्शन ने आईपीएल के इतिहास में सबसे तेज 1,000 रन पूरे करने के मामले में सचिन तेंदुलकर को पीछे छोड़ दिया है। आईपीएल 2024 में सुदर्शन का बल्ला जमकर रनों की बरसात कर रहा है, जिसमें वो 500 से भी अधिक रन बना चुके हैं। आईपीएल में सबसे

क्या आप जानते हैं? ... अपने टेस्ट जीवन की पहली श्रृंखला में सर्वाधिक रन बनाने का रिकॉर्ड भारत के सुनील गावस्कर के नाम है। गावस्कर ने 1970-71 में वेस्टइंडीज के खिलाफ 774 रन बनाये।

तेज 1,000 रन पूरे करने वाले भारतीय बल्लेबाज सचिन तेंदुलकर थे। तेंदुलकर ने 31 पारियों खेलकर साल 2010 में एक हजार रन पूरे किए थे, जिनमें उनका औसत 34.8 का रहा था। अब गुजरात टाइटंस के बल्लेबाज साई सुदर्शन ने 25 पारियों में ही एक हजार रन पूरे कर लिए हैं।

बांग्लादेश ने जिम्बाब्वे को पांच रन से हराया, सीरीज में 4-0 की अजेय बढ़त

मीरपुर, 10 मई। तंजिद हसन (52) की अर्धशतकीय पारी और सौम्य सरकार (41) रनों की शानदार पारियों के बाद शाकिब अल हसन चार विकेट और मुस्ताफिजुर रहमान तीन विकेट की बेहतरीन गेंदबाजी की बदौलत बांग्लादेश ने चौथे टी-20 के बेहद रोमांचक मुकाबले में जिम्बाब्वे को पांच रन से पराजित कर सीरीज में 4-0 की अजेय बढ़त बना ली है। यहाँ शुक्रवार को जिम्बाब्वे ने टॉस जीता और बल्लेबाजी के लिए बांग्लादेश की टीम को आमंत्रित किया। बांग्लादेश ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 19.5 ओवर में 143 रन पर सिमट गई थी। तंजिद हसन के अलावा सौम्य सरकार (41), मोहम्मद तोहिद हदोय (12), नजमुल शांतो (02), शाकिब उल हसन (01), जाकेर अली (06), रिशाद हुसैन (02), तस्किन अहमद (शून्य), तंजीम हसन साकिब (06), मुस्तजिफुर रहमान (03) और नवीर इस्लाम (03) रन बनाकर कर आउट हुये। जिम्बाब्वे की ओर से ल्यूक जॉन्गवे ने तीन विकेट लिये। ब्रायन बेनेट और रिचर्ड एनगरावा ने दो-दो बल्लेबाजों को आउट किया। ब्लेसिंग मुजाराबानी तथा सिंकर रजा ने एक-एक बल्लेबाज को आउट किया। 144 रन का पीछा करने करने की उतरी जिम्बाब्वे की शुरुआत खराब रही और उसने पहले ही ओवर में ब्रायन बेनेट (शून्य) का विकेट गवां दिया। जिम्बाब्वे की ओर से जनाभन कैपवेल (31) को छोड़ कर कोई भी बल्लेबाज बांग्लादेश के गेंदबाजों के आगे टिक नहीं सका। तड़िचनाश मरुमानी (14), ब्रायन ब्रेनेट (शून्य), सिंकर रजा (17), क्लाइव मंडाडे (12), रायन बले (19), ल्यूक जॉन्गवे (01), बेलिंग्टन मसाकादजा (19 नाबाद), ब्लेसिंग मुजराबानी (08) और रिचर्ड एनगरावा (06) रन बनाकर आउट हुये। बांग्लादेश की ओर से शाकिब अल हसन ने चार विकेट लिये। मुस्ताफिजुर रहमान को तीन विकेट लिये। तस्किन अहमद ने दो और रिशाद हुसैन ने एक बल्लेबाज को आउट किया।

पीजीडीएवी ने जीता टी-20 इंटर कॉलेज क्रिकेट टूर्नामेंट का खिताब

नयी दिल्ली, 10 मई। अमन भारती (21 रन पर 4 विकेट) की घातक गेंदबाजी और श्रेष्ठ पी. यादव (39 गेंद में 74 रन) की आक्रामक बल्लेबाजी की बदौलत पीजीडीएवी कॉलेज ने आत्मा राम सनातन धर्म कॉलेज को सात विकेट से पराजित कर द्वितीय स्वामी दयानंद सरस्वती डे-नाईट टी-20 इंटर कॉलेज क्रिकेट टूर्नामेंट का खिताब लगातार दूसरा बार जीत लिया। फाइनल मुकाबले में आत्मा राम सनातन धर्म कॉलेज (आरएसडी) ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने का फैसला किया। पीजीडीएवी कॉलेज के शानदार गेंदबाजी का मुजाहिदा करते हुए आरएसडी को 19.2 ओवर में 134 रन पर समेट दिया। आरएसडी कॉलेज के ज्योति आदित्य ने 27 गेंद में 46 रन बनाए। वहीं पीजीडीएवी के अमन भारती ने 3.2 ओवर में 21 रन देकर चार विकेट लिये। 135 रनों के लक्ष्य के जवाब में पीजीडीएवी कॉलेज टीम ने 15.1 ओवर में तीन विकेट पर 136 रन बनाकर मुकाबला जीत लिया। श्रेष्ठ पी. यादव ने 39 गेंदों में 74 रन और काव्य ने 33 गेंदों में 40 रनों का महत्वपूर्ण योगदान दिया। पीजीडीएवी के श्रेष्ठ पी. यादव को प्लेयर ऑफ द मैच एवं प्लेयर ऑफ द टूर्नामेंट पुरस्कार से नवाजा गया। सर्वश्रेष्ठ बल्लेबाज का पुरस्कार अंभिक को दिया गया। अमन भारती सर्वश्रेष्ठ गेंदबाज चुने गये। सर्वश्रेष्ठ विकेट कीपर का पुरस्कार आर्यन शर्मा को दिया गया।

कोहली को आगामी टी-20 विश्वकप में पारी का आगाज करना चाहिए : गांगुली

बेंगलुरु, 10 मई। पूर्व भारतीय कप्तान सौरव गांगुली ने शुक्रवार को कहा कि भारतीय टीम प्रबंधक को विराट कोहली की मौजूदा इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में शानदार फॉर्म को देखते हुए अगले महीने होने वाले टी20 विश्व कप में उनसे पारी का आगाज करना चाहिए। साई आईपीएल में 12 मैच में 153.51 के शानदार स्ट्राइक रेट से 70.44 के औसत से 634 रन बनाकर कोहली 'ओरेंज कैप' पहने हैं और यह स्ट्राइक रेट उनके करियर के 134.31 के स्ट्राइक रेट से काफी अधिक है। गांगुली ने यहां एक कार्यक्रम से इतर पीटीआई से कहा, "विराट बहुत ही शानदार खेले रहा है। बीती रात कोहली ने जो पारी खेली जिसमें उसने तेजी से 90 रन बना दिये, उसे देखते हुए आपको उसे टी20 विश्व कप में बेतौर सलामी बल्लेबाज इस्तेमाल करना चाहिए। उसकी पिछली कुछ आईपीएल पारियों देखें तो ये अद्भुत रही है। इसलिए उसे पारी का आगाज करना चाहिए। उन्होंने कहा कि भारत ने टी20 विश्व कप के लिए संतुलित टीम का चयन किया है जिसमें 17 साल के अंतराल बाद ट्राफी जीतने की काबिलियत है। भारत ने दक्षिण अफ्रीका में 2007 में शुरुआती टी20 विश्व कप का खिताब जीता था। गांगुली ने कहा, "यह बहुत अच्छी टीम है। मुझे लगता है कि उन्होंने सर्वश्रेष्ठ टीम चुनी है। बल्लेबाजी में गहराई के अलावा गेंदबाजी भी बेहतरीन दिखती है।" उन्होंने कहा, "हमारे पास कुलदीप, अक्षर और सिराज का अनुभव है। इस बार टीम संयोजन आदर्श है।" आईपीएल के मौजूदा चरण में 250 रन का स्कोर आसानी से बन रहा है और 51 साल के इस पूर्व कप्तान ने कहा कि भविष्य में भी यही चलना जारी रहेगा। टी20 अब ताकत का खेल बन गया है और ऐसा होना ही था। मैं संजू सैमसन की प्रतिक्रिया पढ़ रहा था जिसमें उन्होंने कहा कि आर्थुरिन को टी20 में सुस्ताने की कोई जगह नहीं है। आपको सिर्फ हिट करना होता है और यह ऐसा ही रहेगा। अब हम आईपीएल में नियंत्रित रूप से 240, 250 रन के स्कोर देख रहे हैं। इसका मुख्य कारण बल्लेबाजों के लिए अच्छी पिच भी है और भारत में मैदान भी इतने ज्यादा बड़े नहीं हैं।

गिल व सुदर्शन ने जड़े शतक, चेन्नई को 35 रन से हराया

गुजरात की प्लेऑफ में पहुंचने की उम्मीदें कायम, मोहित को 3 विकेट मिले, गिल ने आईपीएल का 100 वां शतक लगाया

अहमदाबाद, 10 मई। गुजरात टाइटंस ने इंडियन प्रीमियर लीग 2024 के 59वें मैच में चेन्नई सुपर किंग्स को 35 रन से हरा दिया। चेन्नई ने नरेंद्र मोदी स्टेडियम में टॉस जीतकर गेंदबाजी चुनी। गुजरात ने 20 ओवर में 3 विकेट के नुकसान पर 231 रन बनाए। जवाब में चेन्नई की टीम 20 ओवर में 8 विकेट पर 196 रन ही बना सकी। कप्तान शुभमन गिल (104 रन) ने इतिहास का 100वां शतक जमाया। गिल के बाद साई सुदर्शन (103 रन) ने भी करियर की पहली सेंचुरी पूरी की। दोनों ने 210 रन की ओपनिंग पार्टनरशिप की। चेन्नई सुपर किंग्स से तुषार देशपांडे ने 2 विकेट लिए। सीएसके से डेरिल मिचेल ने 63 रन, मोईन अली ने 56 रन, एमएस धोनी ने 26 और शिवम



दुबे 21 रन बनाए। मोहित शर्मा ने 3 और राशिद खान ने 2 विकेट लिए। आज यहां चेन्नई सुपर किंग्स के कप्तान ऋतुराज गायकवाड़ ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने का फैसला किया। गुजरात टाइटंस की साई सुदर्शन और कप्तान शुभमन गिल की सलामी जोड़ी ने टीम को शानदार शुरुआत देते हुए मैदान के चारों शॉट लगाते हुए पहले विकेट के लिये रिकार्ड अवजित 210 रनों की साझेदारी की। 18वें ओवर में तुषार देशपांडे ने साई सुदर्शन को आउट कर चेन्नई को पहली सफलता दिलाई। साई सुदर्शन ने 51 गेंदों में पांच चौके और सात छक्के लगाते हुये (103) रन बनाये। शुभमन गिल ने 55 गेंदों में नौ चौके और छह छक्के लगाते हुये (104) रनों की पारी खेली।

बीसीसीआई मुख्य कोच के लिए अगले हफ्ते जारी करेगा विज्ञापन

मुंबई, 10 मई। बीसीसीआई सचिव जय शाह ने कहा है कि भारत के मुख्य कोच राहुल द्रविड़ को अगर टी20 विश्व कप के बाद भी पद पर बने रहना है तो उन्हें फिर से आवेदन करना होगा। उन्होंने यह भी कहा कि नये कोच की नियुक्ति तीन साल के लिये होगी। द्रविड़ का करार शुरु में दो साल का था लेकिन उन्हें और सहयोगी स्टाफ को नवंबर में 50 ओवरों के विश्व कप के बाद कार्यकाल में विस्तार दिया गया। शाह ने यहां बीसीसीआई कार्यालय में चुनिंदा मीडिया से कहा, "हम अगले कुछ दिन में आवेदन मंगवाएंगे। राहुल द्रविड़ का कार्यकाल खत्म होने वाला है। उन्हें पद पर बने रहना है तो फिर से आवेदन करना होगा। हमें दीर्घकालिन कोच चाहिये, तीन साल के लिये।" उन्होंने यह भी कहा कि अलग अलग प्रारूपों के लिये अलग कोच रखने का चलन नहीं रहा है लेकिन अंत में फैसला क्रिकेट सलाहकार समिति को

लेना है। समिति में जतिन परांजपे, अशोक मल्होत्रा और सुलक्षणा नाईक हैं। शाह ने कहा, "भारतीय क्रिकेट में अलग अलग प्रारूपों के लिये अलग कोच रखने का चलन नहीं रहा है। इसके अलावा हमारे पास कई खिलाड़ी ऐसे हैं जो सभी प्रारूपों में खेलते हैं जैसे ऋषभ पंत, विराट कोहली और रोहित शर्मा।" उन्होंने कहा, "यह फैसला क्रिकेट सलाहकार समिति को लेना है। जो फैसला वह लेंगे, मैं उस पर अमल करूंगा। अगर वे कहेंगे कि विदेशी कोच चाहिये तो मैं दखल नहीं दूंगा।" अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट समिति के अध्यक्ष के रूप में टोग बार्कले का कार्यकाल इस साल खत्म हो रहा है लेकिन शाह ने यह नहीं बताया कि वह इस पद की दौड़ में हैं या नहीं। उन्होंने कहा, "मुझे यहां बीसीसीआई में रहने दीजिये। अटकलें लगने दीजिये लेकिन मुझे यहां रहने दीजिये। क्या मैं अच्छा काम नहीं कर रहा हूँ।

केकेआर और मुंबई के बीच मैच आज

नई दिल्ली, 10 मई। कोलकाता नाइट राइडर्स शनिवार (11 मई) को इंडन गार्डेन्स में मुंबई इंडियंस का सामना करेगी। केकेआर 11 में से आठ मैच जीतकर अंक तालिका में टॉप पर है। नाइट राइडर्स ने अपने पिछले पांच मुकाबलों में चार में जीत दर्ज की है। वहीं, मुंबई ने अपने 12 मैचों में चार जीते हैं। व्वाइड्स टेबल में आठवें पायदान पर है। एमआई ने अपने पिछले पांच मुकाबलों में से एक मैच जीता है। कोलकाता और मुंबई ने एक-दूसरे के खिलाफ 33 मैच खेले हैं। केकेआर ने 10 और एमआई ने 23 मुकाबले जीते हैं। कोलकाता का मुंबई के खिलाफ उच्चतम स्कोर 232 है। जबकि केकेआर के खिलाफ इंडियंस का हाईस्कोर 210 है। दोनों टीमों के बीच आखिरी मैच इस साल 3 मई को हुआ था। वेंकटेश अय्यर (70 रन) कोलकाता की जीत के हीरो रहे थे। इंडन गार्डेन्स की पिच बल्लेबाजी के लिए बेहतरीन मानी जाती है। यहां उछाल के साथ सपाट सहाई है, जो बल्लेबाजों को शॉट आसानी से खेलने में मदद करता है।

निकहत जरीन को मिलेंगे हाई-टेक उपकरण, शरत कमल जर्मनी में लेंगे प्रशिक्षण

नयी दिल्ली, 10 मई। युवा मामले और खेल मंत्रालय के मिशन ओलंपिक सेल (एमओसी) ने दो बार की विश्व ओलंपिक पौडियम स्त्रीम (टोपम) प्रथम के तहत आर्वाटि के जाएगी, जिसका उद्देश्य भारतीय एथलीटों को वैश्विक आयोजनों, विशेषकर ओलंपिक में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने के लिए हर संभव सहायता प्रदान करना है।

इन अत्याधुनिक उपकरणों में लेजर यूनिट-बीटीएल, एंकर रैप गेम रेडी, फुल लेग रैप गेम रेडी, हैड रिस्ट रैप गेम रेडी और ट्रांली बीटीएल लेजर यूनिट शामिल हैं। इन सभी में हाई-इंटेंसिटी वाले लेजर एप्लीकेशन का उपयोग किया जाता है जो ऑपरेटर की आवश्यकता के बिना समान रूप से ऊर्जा के प्रसार को नियंत्रित करता है। ये उपकरण पीठ जकड़न, मांसपेशियों के दर्द को कम करने और चोट से उबरने में अत्यधिक प्रभावी होती हैं। निकहत जरीन ने हांगझोऊ में एशियाई खेल 2023



में कांस्य पदक जीतने के बाद महिलाओं की 50 किग्रा वर्ग में आगामी ग्रीष्मकालीन खेलों के लिए पहले ही अपनी जगह पक्की कर ली थी। एमओसी ने शरत कमल के जर्मनी के डसेलडोर्फ में राष्ट्रीय टेबल टेनिस प्रशिक्षण केंद्र में उनके कोच क्रिस फिफर और सेंटर कोच डैनी हेस्टर के सानिध्य

में 22 दिनों के प्रशिक्षण के लिए वित्तीय सहायता के प्रस्ताव को भी मंजूरी दे दी है। यह धनराशि टारगेट ओलंपिक पौडियम स्त्रीम (टोपम) प्रथम के तहत आर्वाटि के जाएगी, जिसका उद्देश्य भारतीय एथलीटों को वैश्विक आयोजनों, विशेषकर ओलंपिक में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने के लिए हर संभव सहायता प्रदान करना है।

पेरिस 2024 में जाने वाली रिसर्वांचक प्रियंका गोस्वामी के कोच ब्रेंट वालेंस के तहत ऑस्ट्रेलिया में प्रशिक्षण लेने के प्रस्ताव को भी हीरी झंडी दे दी गई है। प्रियंका, जो पेरिस ओलंपिक के लिए कोटा हासिल करने वाली पहली भारतीय ट्रेक एंड फील्ड एथलीट थीं, कर ली थीं। एमओसी ने शरत कमल के जर्मनी के डसेलडोर्फ में राष्ट्रीय टेबल टेनिस प्रशिक्षण केंद्र में उनके कोच क्रिस फिफर और सेंटर कोच डैनी हेस्टर के सानिध्य

प्लेऑफ की रेस में बरकरार है आरसीबी

बेंगलुरु, 10 मई। फाग पु प्लेसिस की कप्तानी वाली रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु ने बीते चार मैचों में धमाकेदार परफॉर्मस दी है। हाल ही में टीम ने शानदार जीत दर्ज की है। इस जीत को हासिल करने के साथ ही आरसीबी फिर से आईपीएल के प्लेऑफ की रेस में जगह बनाने में कामयाब हो गई है। आरसीबी ने नौ मई को घर्मशाला के एचपीसीए स्टेडियम में पंजाब किंग्स को 60 रनों से हराया है। इस जीत के साथ आरसीबी की प्लेऑफ में पहुंचने की उम्मीदें बनी हुई हैं।

वहीं पंजाब अब इस हार के बाद प्लेऑफ की रेस से बाहर हो गई है। वहीं इस जीत से आरसीबी की उम्मीदें प्लेऑफ में पहुंचने के लिए अब भी बरकरार है। आरसीबी 12 मैचों में से

पांच में जीत दर्ज कर चुकी है। पांच जीत हासिल करने के साथ ही पाईंट्स टेबल में आरसीबी सातवें नंबर पर है। पंजाब जो अबतक आठवें नंबर पर थी वो आरसीबी से हारने के बाद नौवें नंबर पर पहुंच गई है। पंजाब 12 में से चार मैच जीती है। आईपीएल की बात करें तो आरसीबी ने चार मैच जीत कर खुद को प्लेऑफ की रेस में शामिल किया है। आरसीबी के दमदार खेल के कारण चेन्नई सुपर किंग्स, लखनऊ सुपरगाइंट्स और दिल्ली कैपिटल का प्लेऑफ में पहुंचना मुश्किल लग रहा है। आईपीएल में प्लेऑफ का समीकरण समझने से पहले व्वाइड्स टेबल पर भी नजर डालते हैं। पंजाब पर जीत दर्ज करने के बाद 5 मैच जीत कर रॉयल चैलेंजर्स बैंगलोर 10 अंक के साथ है।

ईशान, अय्यर को केन्द्रीय अनुबंध से बाहर रखने का फैसला अगरकर का : जय शाह

मुंबई, 10 मई। बीसीसीआई सचिव जय शाह ने कहा कि ईशान किशन और श्रेयस अय्यर को केंद्रीय अनुबंध सूची से बाहर रखने का फैसला मुख्य चयनकर्ता अजित अगरकर का था। बीसीसीआई से निर्देश मिलने के बावजूद घरेलू टूर्नामेंट नहीं खेलने पर ईशान और अय्यर को अनुबंध से बाहर रखा गया। ईशान पिछले साल वनडे विश्व कप के बाद लंबे ब्रेक पर चले गए और आईपीएल में ही लौटे। वहीं अय्यर ने रणजी ट्रॉफी में सेमीफाइनल और फाइनल समेत मुंबई के लिये कुछ मैच खेले। मुंबई टीम जब रणजी खेल रही थी तब अय्यर कोलकाता नाइट राइडर्स के मुंबई शिफ्ट में भाग ले रहे थे। शाह ने बीसीसीआई कार्यालय पर मीडिया से बातचीत में कहा, "आप संविधान देख सकते हैं। मैं चयन समिति



की बैठक बस बुलाता हूँ।" उन्होंने कहा, "वह फैसला अजित अगरकर का था। जब इन दोनों खिलाड़ियों ने घरेलू क्रिकेट नहीं खेला तो उन्हें बाहर रखने का फैसला ही अगरकर का ही था। मेरा काम बस उस पर अमल करने का है। हमें संजू सैमसन जैसा अच्छा खिलाड़ी मिल गया। कोई भी

अपरिहार्य नहीं है।" शाह ने कहा कि उन्होंने बाद में दोनों खिलाड़ियों से बात भी की। उन्होंने कहा, "मैंने उनसे बात की। मीडिया में रिपोर्ट भी आई थी। हार्दिक पंड्या ने भी कहा था कि अगर बीसीसीआई सफेद गेंद के क्रिकेट के लिये उन्हें चुनता है तो वह विजय हारो और सैयद मुस्ताक अली ट्रॉफी खेलने के लिये तैयार है। हर खिलाड़ी को खेलना होगा, भले ही वह नहीं चाहता हो।" गुजरात टाइटंस और मुंबई इंडियंस के बीच मैच के बाद उन्होंने ईशान से क्या बातचीत की, यह पूछने पर उन्होंने कहा, "मैंने उसे कोई सलाह नहीं दी। यह दोस्ताना बातचीत थी कि उसे अच्छा खेलेना चाहिये। मैं सभी खिलाड़ियों से ऐसे ही बात करता हूँ।

आयरलैंड ने पाक को 5 विकेट से दी पटखनी

डबलिन, 10 मई। एंडी बैलबर्नी (77) और हैरी टेक्टर (36) रनों की शानदार बल्लेबाजी के दम पर आयरलैंड ने शुक्रवार को पहले टी-20 मुकाबले में पाकिस्तान को पांच विकेट से हरा दिया है। इसी के साथ आयरलैंड ने तीन मैचों की सीरीज में 1-0 से बढ़त बना ली है। आयरलैंड ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने का फैसला किया। बल्लेबाजी करने उतरी पाकिस्तान की टीम ने निर्धारित 20 ओवरों में छह विकेट पर 182 रन का स्कोर खड़ा किया था। पाकिस्तान की शुरुआत अच्छी नहीं रही और उसने दूसरे ही ओवर में मोहम्मद रिजवान (1) का विकेट गवां दिया। सईम अयूब और कप्तान बाबर आजम ने पारी को संभाला। दोनों के बीच दूसरे विकेट लिये 85 रनों की साझेदारी हुई। सईम अयूब ने 29 गेंदों में (45) और बाबर आजम ने 43 गेंदों में (57) रनों की पारी खेली। फखर जमान (20) आजम खान (शून्य) और शदाव खान (शून्य) पर आउट हुये। इस्तिखार अहमद ने 15 गेंदों में नाबाद 37 रनों की पारी खेली।

भारतीय खिलाड़ियों को खेल-विशिष्ट सहयोगी स्टाफ से मदद मिलेगी : पीटी उषा

नयी दिल्ली, 10 मई। भारतीय ओलंपिक संघ (आईओए) अध्यक्ष पीटी उषा ने शुक्रवार को ओलंपिक के लिए जाने वाले खिलाड़ियों को पेरिस में सर्वोत्तम संभव सहायता का आश्वासन देते हुए कहा कि खिलाड़ियों की सुविधा और समय की बचत के लिए खेल-

विशिष्ट सहयोगी स्टाफ को खेल गांव के करीब रखा जाएगा। पेरिस में भारतीय एथलीटों और सहयोगी स्टाफ की व्यवस्था को अंतिम रूप देने के बाद भारत लौटी उषा ने कहा कि आईओए ने यह भी सुनिश्चित किया है कि निशानेबाज और गोल्फ खिलाड़ी अपने-अपने

राहा था। हमें शतरंज की ट्रेनिंग के इतर शारीरिक ट्रेनिंग के लिए भी कुछ निश्चित समय दिया जाता है। हाल में मैंने बीच कॉलीबॉल खेलना शुरू किया।" प्रज्ञानानंदा ने कहा, "आपको लंबे दूरान्तिक के लिए तैयार होने की जरूरत होती है क्योंकि 14 मैच खेलना आसान नहीं है। पूरे टूर्नामेंट के दौरान फोकस बनाये रखने पर हम काम कर रहे हैं।" उन्होंने कहा, "14 मैच खेलना बहुत थकाने वाला होता है। शारीरिक फिटनेस को बचत तक सामने आती है जब आप पांच-छह घंटे तक एक ही बाजी खेलते रहते हो। अगर आप पूरे टूर्नामेंट में ऐसा करते हो तो निश्चित रूप से ध्यान लगाये रखना बहुत थकाऊ होता है।

आयोजन स्थलों के करीब रहे। चेटेउरीक्स निशानेबाजी क्लेड पेरिस से लगभग दो घंटे की दूरी पर है, जबकि ले गोल्फ नेशनल ओलंपिक हब से एक घंटे की दूरी पर है।

उन्होंने यहां जारी बयान में कहा, "हम एथलीटों के गांव से थोड़ी दूरी पर कई खेल-विशिष्ट सहयोगी सदस्यों के लिए आवास सुरक्षित करने में सक्षम हैं। हम यह सुनिश्चित करना चाहते हैं कि कोई भी खिलाड़ी अपनी सहायता प्रणाली से वंचित न रहे और इसलिए हमने आसपास के क्षेत्र में अपार्टमेंट बुक किए हैं।" उन्होंने कहा, "हमने यह सुनिश्चित किया है कि हमारे निशानेबाज और गोल्फ खिलाड़ी अपने-अपने आयोजन स्थलों के करीब रहें।"

पूर्व दिग्गज धांविका ने मजबूत समर्थन प्रणाली की आवश्यकता पर जोर देते हुए कहा कि भारतीय खिलाड़ी पिछले कुछ वर्षों में लगातार अपने प्रदर्शन में सुधार कर रहे हैं। उन्हें शीर्ष प्रदर्शन हासिल करने के लिए बेहतर समर्थन प्रणाली की आवश्यकता है। उन्होंने कहा, "हम एक खिलाड़ी और खुद कोच के तौर पर मैंने हमारे एथलीटों के लिए समर्थन प्रणाली के विकास को देखा है। वे प्रशिक्षण और प्रतिस्पर्धा के दृष्टिकोण में बहुत पेशेवर हो गए हैं।"



राजस्थान के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा शुक्रवार को महाराष्ट्र के पुणे शहर में प्रवासी राजस्थानी सम्मेलन में शामिल हुए और साथी राजस्थानियों से पुणे लोकसभा क्षेत्र से भाजपा प्रत्याशी मुरलीधर मोहोले के समर्थन में अधिक से अधिक मतदान करके उन्हें जिताने की अपील की।

राष्ट्रहित और समाज सेवा मारवाड़ियों का मूल स्वभाव- मु.मंत्री भजनलाल

पुणे, 10 मई। राजस्थान के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने शुक्रवार को पुणे में प्रवासी राजस्थानी सम्मेलन में शिरकत की। उपस्थित जनसमूह को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि, पिछले एक दशक में देश में अभूतपूर्व परिवर्तन आया है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने राजनीतिक दलों को बदलने के लिए मजबूर कर दिया है। वर्ष 2014 से पहले, कांग्रेस सरकार के समय देश में भ्रष्टाचार और घोटालों की इबारतें लिखी जाती थीं। उस समय नस्लवाद और आतंकवाद का

पुणे में प्रवासी राजस्थानियों के सम्मेलन को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री न यह भी कहा कि, मारवाड़ी समुदाय के लिए हमेशा देश सर्वोपरि होता है।

बोलबाला था। लेकिन मोदी जी के प्रधानमंत्री बनने के बाद केवल एक बार ही ऐसा दुस्साहस हुआ, जिसका भी मुंह तोड़ जवाब दिया गया। उन्होंने कहा कि, मारवाड़ियों के मूल स्वभाव में समाज सेवा और राष्ट्रिहृत निहित है। मारवाड़ी राष्ट्रिहृत की नींव से जुड़े होते हैं और देश इनके

लिए सर्वोपरि होता है। उन्होंने कहा कि, 21 वीं सदी में भारत को आगे ले जाने के लिए वर्ष 2024 का लोकसभा चुनाव बेहद महत्वपूर्ण है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में भारत दुनिया की 5वीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन चुका है और तीसरे स्थान की ओर अग्रसर है।

मुख्यमंत्री ने आगे कहा कि, जहां एक तरफ गरीबी हटाने के नाम पर सिर्फ वोट मांगने वाले लोग हैं, वहीं दूसरी तरफ गरीब कल्याण से लेकर देश के विकास, सीमाओं की सुरक्षा एवं दुनिया में देश के गौरव को बढ़ाने वाले मोदी जी हैं। प्रधानमंत्री ने 25 करोड़ लोगों को गरीबी से बाहर लाने का अभूतपूर्व काम किया है। मु.मंत्री भजनलाल ने उपस्थित जनों से, पुणे लोकसभा क्षेत्र से भाजपा प्रत्याशी मुरलीधर मोहोले के समर्थन में अधिक से अधिक मतदान कर उन्हें विजयी बनाने की अपील की।

‘भारत को परमाणु...’

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

और वो ऐसा करके पाकिस्तान के आतंकवाद की ढाल बनने की कोशिश करती है। यहां पार्टी के मुख्यालय में आयोजित एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में उन्होंने संवाददाताओं से कहा कि कांग्रेस आंदोलन माफी मांगने वाली पार्टी और पाकिस्तान व उसके आतंकवाद की रक्षक बन गई है, जबकि पाकिस्तान के विदेश मंत्री राहुल गांधी का समर्थन कर रहे हैं।

उन्होंने कांग्रेस पर निशाना साधते हुए कहा कि “असल में अय्यर के बयान ने राहुल गांधी व सम्पूर्ण कांग्रेस की

विचारधारा व नीतियों की पोल खोल दी है और इस बयान से उनकी पाकिस्तान के साथ नजदीकियों का पता चलता है जो आतंकवाद को प्रयोजित करता है और वे पाकिस्तान के लिए प्रचारक के तौर पर काम कर रहे हैं। अय्यर के इस कथन पर कि, भारत को परमाणु शक्ति सम्पन्न पाकिस्तान से डरना चाहिए, पर मंत्री चन्द्रशेखर ने कहा: “यह नया भारत है जो किसी से नहीं डरता है।” उन्होंने कहा कि, कांग्रेस की यह सामान्य प्रक्रिया है कि वह ऐसे नेताओं के बयानों से पार्टी को अलग कर लेती है और बाद में उन्हें इनाम देती है।

‘कांग्रेस अध्यक्ष खड़गे ...’

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

हवाले से कहा गया है कि ‘यह आयोग की कार्यप्रणाली पर गंभीर शंकाएं पैदा करता है।” कांग्रेस अध्यक्ष ने पत्र में कहा था, आयोग ने मतदान के आंकड़े जारी करने में “अत्यधिक विलंब किया है” और प्रारंभिक आंकड़ों की तुलना में अंतिम आंकड़ों में “ऊंची वृद्धि” हुई है जो ईवीएम को लेकर भी कुछ सवाल उठाते हैं। आयोग ने जवाब में कहा है कि आपने डेटा जारी करने के समय और

उसमें वृद्धि को उन निर्वाचन क्षेत्रों के साथ जोड़ा है जहां सत्तारूढ़ दल ने 2019 में अच्छा प्रदर्शन नहीं किया था। आप ने यह आरोप लगा दिया कि, ये सब बातें चुनाव परिणाम को प्रभावित करने का प्रयास हैं। आयोग ने खड़गे को लिखा है कि, उन्होंने अपने पत्र के विषय में जांच करने लायक तथ्यों और उच्चतम न्यायालय के पहले आ चुके स्पष्ट निष्कर्षों के बाद भी एक पक्षपातपूर्ण कहानी प्रस्तुत करने की कोशिश की।

के आदेश का संज्ञान लेते हुए कहा कि, सौरेन की अनुच्छेद 32 के तहत शीर्ष अदालत में दायर याचिका, जो सुनवाई पूरी होने के बाद फैसला सुरक्षित रहने की अवधि को देरी का आधार बनाकर दायर की गई थी, का अब कोई अर्थ नहीं रहा। पीठ ने अनुच्छेद 32 के तहत दायर उस याचिका का निपटारा करते हुए कहा कि, झारखंड उच्च न्यायालय की ओर से याचिका खारिज करने के आदेश को चुनौती देने वाली सौरेन की गृहार पर वह अगले सप्ताह विचार करेगी।

राज्य सरकार की ओर से कहा गया कि, आचार संहिता लगाने के कारण उनके पास नई निविदा आमंत्रित करने का समय नहीं था और यह मामला राज्य सरकार के राजस्व से संबंधित है इसलिए टाला नहीं जा सकता था।

लाइसेंस धारक अदालत के समक्ष पहुंचते तो उन्होंने कहा कि उन्होंने निविदा में भाग इसलिए नहीं लिया क्योंकि उन्हें राज्य सरकार को तय दर पर राजस्व देने में भारी घाटा हो सकता था। उन्होंने अदालत को कहा कि नियमानुसार राज्य सरकार उन्हें एकतरफा कार्यवाही करके उन्हें विवश नहीं कर सकती कि उनकी लाइसेंस की अवधि बढ़ाई जाये। दूसरी ओर राज्य सरकार की ओर से कहा गया कि यह मामला राज्य सरकार के राजस्व से संबंधित है और राज्य सरकार के पास शराब के ठेकों के

आवंटन के लिये दूसरी निविदा आमंत्रित करने का समय नहीं था क्योंकि आचार संहिता लगा दी गई थी। उन्होंने कहा कि कानून के तहत वे लाइसेंस धारकों को नोटिस देकर यह आदेश दे सकते थे कि वे कब और कैसे शराब के ठेके संचालित करें। इस पर प्रतिक्रिया करते हुए याचिकाकर्ताओं की ओर से कहा गया कि राज्य सरकार लाइसेंस धारकों को 31 मार्च तक ही नोटिस दे सकती थी जो लाइसेंस की अवधि का समय था, उसके बाद नहीं। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार के पास आर्थ एजेंसियां भी हैं, जो इन ठेकों

का संचालन कर सकती हैं, परंतु याचिकाकर्ताओं को घाटे पर ठेकों का संचालन करने के लिये विवश नहीं किया जा सकता। उल्लेखनीय प्रश्न यह है कि याचिकाकर्ताओं को नई सरकार में ठेके चलाने में घाटा क्यों हो रहा है जबकि नई लिबर पॉलिसी और पुरानी लिबर पॉलिसी में कोई खास अंतर नहीं है। इस सवाल का जवाब अदालत में याचिकाकर्ताओं की ओर से नहीं दिया गया। पर यह सवाल जरूर उठता है कि क्या पिछली सरकार में कई लाइसेंस धारकों को लाभ की गारंटी थी?

बहरहाल अदालत ने राज्य सरकार को आदेश दिये हैं कि याचिकाकर्ताओं के द्वारा दी गई सुरक्षा राशि को चार हफ्ते में लौटाया जाये और यदि सरकार उससे अधिक समय लेती है तो उसे छह प्रतिशत ब्याज भी देना होगा।

‘बृजभूषण शरण सिंह के खिलाफ काफी सबूत’

दिल्ली राज एवेन्यु कोर्ट ने बृजभूषण शरण सिंह के खिलाफ आरोप तय किए जाने के दौरान टिप्पणी की

नई दिल्ली, 10 मई। महिला पहलवानों से यौन शोषण मामले में केसरगंज से भाजपा सांसद और रैसलिंग फेडरेशन ऑफ इंडिया (डब्ल्यू.एफ.आई.) के पूर्व चीफ बृजभूषण शरण सिंह पर आरोप तय हो गए हैं। दिल्ली की राज एवेन्यु कोर्ट ने शुक्रवार को उनके खिलाफ आरोप तय किए। अदालत ने कहा कि, बृजभूषण शरण सिंह के खिलाफ पर्याप्त सबूत हैं। ज्ञातव्य है कि, दिल्ली पुलिस ने बृजभूषण शरण सिंह के खिलाफ बीते साल 15 जून को चार्जशीट दाखिल की थी। बृजभूषण के खिलाफ धारा 354, 354-ए, 354-डी और 506 के तहत आरोप लगाए गए थे।

राज एवेन्यु कोर्ट में एडिशनल चीफ मैट्रोपॉलिटन मजिस्ट्रेट (ए.सी.एम.एम.) प्रियंका राजपूत ने बृजभूषण शरण सिंह के खिलाफ आदेश

- राज एवेन्यु कोर्ट में एडिशनल चीफ मैट्रोपॉलिटन मजिस्ट्रेट ने बृजभूषण पर यौन शोषण के साथ महिला की गरिमा को ठेस पहुंचाने का आरोप भी तय किया।
- बृजभूषण के खिलाफ 7 गवाह मिले हैं तथा यौन शोषण की जगहों पर उनकी मौजूदगी के सबूत भी मिले हैं।
- आरोप है कि, बृजभूषण शरण सिंह ने रैसलिंग फेडरेशन ऑफ इंडिया के अध्यक्ष पद पर रहने के दौरान महिला पहलवानों का यौन शोषण किया था।

पारित किया। अदालत ने बृजभूषण शरण सिंह पर यौन शोषण के साथ ही किसी महिला का भी गरिमा को ठेस पहुंचाने का आरोप भी तय किया है। अदालत ने बृजभूषण के डब्ल्यू.एफ.आई. चीफ रहते उनके सेक्रेटरी विनोद तोमर के खिलाफ भी आरोप तय किए हैं।

यौन शोषण के आरोप तय होने पर बृजभूषण शरण सिंह ने प्रतिक्रिया भी दी है। उन्होंने कहा, “प्रथम दृष्टया न्यायालय ने आरोप तय किए हैं। चार्जशीट लगी थी। मैंने प्रोटेस्ट किया था। मैं कोर्ट के ऑर्डर का स्वागत करता हूँ। अब मेरे लिए ऑफिस खुले हैं। इस प्रकरण का सामना किया जाएगा।”

बृजभूषण के खिलाफ करीब 7 गवाह मिले हैं। वहीं, यौन शोषण के कथित स्थान पर उनकी मौजूदगी के भी सबूत मिले हैं। चार्जशीट की पहली सुनवाई पर कोर्ट ने इसे एम.पी.-एम.एल.ए. कोर्ट में ट्रांसफर किया था। इसके अलावा, कोर्ट ने दिल्ली पुलिस को चार्जशीट की एक कॉपी शिकायतकर्ता पहलवानों को देने के आदेश दिए हैं।

बालिग पहलवानों के केस में पुलिस ने 1500 पंनों की चार्जशीट पेश की। इसमें पुलिस ने पहलवानों के सी.आर.पी.सी. की धारा 164 के तहत मजिस्ट्रेट के आगे दिए बयान को चार्जशीट का प्रमुख आधार माना है। पुलिस ने कहा कि, बालिग पहलवानों ने जिस जगह पर उनके साथ यौन शोषण के आरोप लगाए हैं, वहां आरोपियों की मौजूदगी के सबूत मिले हैं।

हेमंत सोरेन को राहत नहीं मिली

नयी दिल्ली, 10 मई। उच्चतम न्यायालय ने झारखंड में कथित भूमि घोटाले से संबंधित धन शोधन के एक मामले में तीन माह से अधिक समय से न्यायिक हिरासत में जेल में बंद पूर्व मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन को शुक्रवार को भी कोई राहत नहीं दी और कहा कि उच्च न्यायालय के एक आदेश को चुनौती देने वाली उनकी याचिका पर वह अगले सप्ताह सुनवाई करेगा। न्यायमूर्ति संचोव खन्ना और न्यायमूर्ति दिपांकर दत्ता की पीठ ने इस मामले में तीन मई के उच्च न्यायालय

सुप्रीम कोर्ट ने सोरेन की याचिका पर अगले सप्ताह विचार करने की बात कही।

के आदेश का संज्ञान लेते हुए कहा कि, सौरेन की अनुच्छेद 32 के तहत शीर्ष अदालत में दायर याचिका, जो सुनवाई पूरी होने के बाद फैसला सुरक्षित रहने की अवधि को देरी का आधार बनाकर दायर की गई थी, का अब कोई अर्थ नहीं रहा। पीठ ने अनुच्छेद 32 के तहत दायर उस याचिका का निपटारा करते हुए कहा कि, झारखंड उच्च न्यायालय की ओर से याचिका खारिज करने के आदेश को चुनौती देने वाली सौरेन की गृहार पर वह अगले सप्ताह विचार करेगी।

‘चुनाव प्रचार में भाग लेना न तो ...’

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

चुनाव में प्रचार करने का अधिकार कोई संवैधानिक, मौलिक और यहाँ तक कि विधिक अधिकार भी नहीं है। किसी भी राजनेता को चाहे वह चुनाव में प्रत्याशी ना भी हो, तब भी कभी चुनाव प्रचार के लिए अंतरिम जमानत नहीं दी गई और चुनाव लड़ने वाला कोई प्रत्याशी यदि जेल में है तो उसे खुद के चुनाव प्रचार के लिए भी कभी अंतरिम जमानत पर रिहा नहीं किया गया।

जॉर्ज एन-एन-डी. ने अपने शपथ पत्र में कहा कि “कोई भी राजनेता किसी सामान्य नागरिक से अधिक के विशेष दर्जे का दावा नहीं कर सकता और उसे कोई अपराध करने पर देश के किसी अन्य नागरिक की भांति गिरफ्तार किया जा सकता है और जेल में बंद किया जा सकता है। ऐसे कई उदाहरण मौजूद हैं जिनमें न्यायिक हिरासत में रहने के दौरान राजनेताओं ने चुनाव लड़े और उनमें से कुछ जीते भी, लेकिन चुनाव प्रचार के लिए उन्हें कभी अंतरिम जमानत नहीं दी गई।” शपथ पत्र में कहा गया है कि “यदि चुनाव प्रचार के अधिकार को अंतरिम जमानत मंजूर करने का आधार माना जाए तो इससे अनुच्छेद 14 के सिद्धान्तों का उल्लंघन होगा क्योंकि अपराध करने वाले किसी किसान के लिए फसल कटाई के लिए अंतरिम जमानत लेना भी उन ही महत्वपूर्ण हैं और किसी कंपनी

का डायरेक्टर, कंपनी बोर्ड की मीटिंग या वार्षिक आम मीटिंग के लिए भी अंतरिम जमानत की मांग कर सकता है।”

ई.डी. ने केजरीवाल को दिल्ली के आबकारी घोटाले का “सरगना” और मुख्य पक्ष्यत्रकर्ता बताते हुए शीर्ष अदालत से कहा कि केजरीवाल को नौ समन जारी किए गए थे, लेकिन उनके बावजूद वह “पूछताछ” से बचते रहे जिससे ई.डी. के जॉर्ज अधिकार की यकीन हो गया कि वे मनी लॉण्ड्रिंग के दोषी हैं।

ई.डी. ने केजरीवाल की अंतरिम जमानत नामंजूर करने का बैच से अनुरोध करते हुए कहा कि “यह ना केवल विधिक निर्धारित सिद्धांतों के खिलाफ होगा, बल्कि इससे “विधिक शासन,” जो कि संविधान की मूल अवधारणा है का भी उल्लंघन होगा।” सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि केजरीवाल अपनी अंतरिम जमानत की अवधि के दौरान अपने कार्यालय अथवा दिल्ली सिचिवालय में नहीं जा सकते। कोर्ट ने जमानत शर्तों के रूप में उन पर कुछ प्रतिबंध लगाए हैं। बैच ने केजरीवाल से कहा कि वह 21 दिन की अपनी अंतरिम जमानत अवधि के दौरान किसी ऑफिशियल फाइल पर तब तक हस्ताक्षर नहीं करेंगे, जब तक कि उस पर दिल्ली के लैप्सनेट गवर्नर का अनुमोदन लेना बेहद जरूरी

ना हो। बैच ने केजरीवाल को यह निर्देश भी दिया कि वे जेल अधीक्षक की टिप्पणी के लिए 50,000 रूपए की जमानत का मुचलका करें।

शीर्ष अदालत ने कहा कि “केजरीवाल वर्तमान केस से संबंधित अपनी भूमिका को लेकर कोई टिप्पणी नहीं करेंगे और इस केस से संबंधित किसी गवाह से बातचीत नहीं करेंगे और केस से संबंधित किसी सरकारी फाइल तक अपनी पहुंच नहीं करेंगे।” कोर्ट ने केजरीवाल को राहत प्रदान करते हुए कहा कि “इसमें कोई संदेह नहीं इनके विरुद्ध गंभीर आरोप हैं, लेकिन यह भी है कि इनका अभी तक दोष सिद्ध नहीं हुआ है। इनकी कोई आपराधिक पृष्ठभूमि नहीं रही है और ये समाज के लिए भी खतरा नहीं है।”

हेमंत सोरेन...

(प्रथम पृष्ठ का शेष) बचाया जा सके। मुझे खुशी है कि सुप्रीम कोर्ट ने इस तरह का समझौता है।” इसी दौरान केजरीवाल जिनको एनफोर्समेंट डायरेक्टोरेट (ई.डी.) ने 21 मार्च को गिरफ्तार किया था, को शीर्ष अदालत ने एक जून तक के लिए अंतरिम जमानत दे दी है। सुप्रीम कोर्ट ने उन दलीलों को खारिज कर दिया कि, केजरीवाल को जमानत देने से राजनीतिज्ञ आम आदमी की तुलना में विशिष्ट माने जाएंगे। कोर्ट ने माना है कि आम चुनाव “इस वर्ष का सबसे महत्वपूर्ण और अहम आयोजन है” और “असाधारण महत्व” के हैं। कोर्ट ने यद्यपि, केजरीवाल की जमानत पर कुछ शर्तें रखी हैं जिनके अनुसार केजरीवाल मुख्यमंत्री कार्यालय और दिल्ली सिचिवालय नहीं जाएंगे और किसी आधिकारिक फाइल पर दस्तखत तब तक नहीं करेंगे जब तक कि वह फाइल उपराज्यपाल से किसी जरूरी अनुमति/पुगतान के लिए ऐसा करना जरूरी न हो।

केजरीवाल को ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष) कार्यालय में भी नहीं जाएंगे। जमानत अवधि समाप्त होने के बाद उन्हें समर्पण करना होगा और वो 2 जून को वापस जेल जाएंगे। शर्त यह भी है कि मामले के किसी भी गवाह से बातचीत नहीं करेंगे और न ही वे इस केस से संबंधित कार्यालय की फाइल देखेंगे।

बीजापुर में नक्सलियों से मुठभेड़ में 12 नक्सली मरे, दो जवान घायल

बीजापुर, 10 मई। छत्तीसगढ़ के बीजापुर जिले के पीड़ा के जंगलों में आज सुबह से पुलिस और नक्सलियों के बीच जारी मुठभेड़ में देर शाम तक मृतक नक्सलियों की संख्या बढ़ कर ग्यारह हो गयी। वहीं, दो जवान घायल हो गए हैं। मौके से भारी मात्रा में हथियार भी बरामद हुए हैं तथा सच अभी भी जारी है। दक्षिण बस्तर क्षेत्र के उप पुलिस महानिरीक्षक कमलोजन कश्यप ने बताया कि, बीजापुर जिला मुख्यालय से 55 किलोमीटर दूर पीड़ा के जंगलों में नक्सलियों का बड़ा लीडर होने की सूचना पर दंतेवाड़ा, बीजापुर तथा सुकमा, तीन जिलों के जवानों ने शुक्रवार सुबह से संयुक्त ऑपरेशन

मौके से पुलिस को भारी मात्रा में हथियार भी मिले हैं।

पुलिस सूत्रों ने बताया कि, पीड़ा के जंगलों में दंतेवाड़ा, बीजापुर और सुकमा जिलों की पुलिस ने संयुक्त कार्यवाही की, इसमें जिला रिजर्व पुलिस बल, टॉस्क फोर्स व केन्द्रीय सुरक्षा बल भी शामिल थे।

लॉन्च किया। इसके तहत जिला रिजर्व पुलिस बल, स्पेशल टास्क फोर्स, केन्द्रीय सुरक्षा बल सहित कोबरा बटालियन समेत 12 सौ से अधिक जवानों ने इलाके को घेर लिया। कमलोजन ने बताया कि, सुबह से जारी मुठभेड़ के बाद सच अभियान शुरू किया गया। देर शाम तक नक्सलियों के

ग्यारह शव बरामद किए गए और भारी मात्रा में हथियार भी बरामद हुए, जिसमें बारह बंदूकें भी शामिल हैं। मुठभेड़ के दौरान पास के ही केन्द्रीय सुरक्षा बल के कैम्प से पुलिस के उच्च अधिकारी कमल संभाले हुए थे। इस मुठभेड़ में दो जवान भी घायल हुए हैं, जिन्हें अस्पताल ले जाया गया है।

देश भर में एक जुलाई से तीन नए आपराधिक कानून लागू होंगे

जयपुर, 10 मई। भारतीयता को ध्यान में रखते हुए, नए आपराधिक कानून “पीडित केन्द्रित” बनने की दिशा में महत्वपूर्ण बदलाव के साथ लाए गए हैं। जिनमें न्याय और पीडित पर फोकस किया गया है। गृह मंत्रालय एवं पत्र सूचना कार्यालय जयपुर के संयुक्त तत्वावधान में पत्रकारों के लिए, तीन नए आपराधिक कानूनों पर जयपुर में आयोजित कार्यशाला “वार्तालाप” में अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक, पुलिस ट्रेनिंग, डॉ. मालिनी अग्रवाल ने ये विचार व्यक्त किए।

उन्होंने कहा कि 1 जुलाई से तीन नए आपराधिक कानून देशभर में लागू हो जाएंगे। आज साइबर अपराधों कि संख्या में बढ़ोतरी हुई है। नए आपराधिक कानून, भारतीय न्याय संहिता 2023, भारतीय नागरिक सुरक्षा 2023 और भारतीय साक्ष्य अधिनियम 2023, 25 दिसंबर 2023 को कानून बन गए, इसके साथ ही भारत की आपराधिक न्याय प्रणाली में एक नए युग की शुरुआत हुई है। तीन नए प्रमुख कानूनों का मकसद सजा देने की बजाय न्याय देना है। उन्होंने कहा कि,

अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक मालिनी अग्रवाल ने मीडिया से वार्ता में यह जानकारी दी और कहा कि, नए कानूनों में पीड़ितों और न्याय पर फोकस किया गया है

नए कानूनों के साथ आने वाले समय में फॉरेंसिक लैब की सुविधा को जिला स्तर पर भी स्थापित किया जाएगा। इस अवसर पर पत्र सूचना कार्यालय की अपर महानिदेशक ऋतु शुक्ला ने कहा कि, इस वार्तालाप का उद्देश्य नए कानूनों की जानकारी मीडिया के माध्यम से आम लोगों तक पहुंचाना है, ताकि वे इन कानूनों के प्रति जागरूक हो सकें। भारत सरकार के गृह मंत्रालय के पुलिस अनुसंधान एवं विकास ब्यूरो के सी.डी.टी.आई. से जुड़े समन्वयक, सेवानिवृत्त अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक जगमोहन शर्मा ने बताया कि, इन कानूनों के लागू होने के बाद से लेकर अदालत के निर्णय तक की पूरी प्रक्रिया ऑनलाइन हो जाएगी और भारत अपनी आपराधिक न्याय प्रणाली में आधुनिक तकनीक का सबसे अधिक इस्तेमाल

करने वाला देश बन जाएगा। यह कानून तारीख-थे-तारीख के चलन की समाप्ति सुनिश्चित करेंगे और देश में एक ऐसी न्यायिक प्रणाली स्थापित होगी जिसके जरिए एक वर्षों के भीतर न्याय मिल सकेगा। उन्होंने बताया कि 35 धाराओं में समयसीमा निर्धारित की गई है। इलेक्ट्रॉनिक तरीके से शिक्षायात दायर करने के तीन दिन के भीतर दर्ज करने का प्रावधान है। साथ ही यौन उत्पीड़न के मामले में सात दिन के भीतर जांच रिपोर्ट देनी होगी। पहली सुनवाई के 60 दिनों के भीतर आरोप तय करने का प्रावधान किया गया है। उन्होंने बताया कि भगोड़े अपराधियों की गैर-मौजूदगी के मामलों में 90 दिनों के भीतर केस दायर करने का प्रावधान किया गया है। साथ ही आपराधिक मामलों में सुनवाई पूरी होने के 45 दिनों के भीतर फैसला देना होगा।

इन कानूनों के लागू होने के बाद से लेकर अदालत के निर्णय तक की पूरी प्रक्रिया ऑनलाइन हो जाएगी और भारत अपनी आपराधिक न्याय प्रणाली में आधुनिक तकनीक का सबसे अधिक इस्तेमाल करने वाला देश बन जाएगा।

पांच हजार रुपए से कम चोरी के मामलों में तथा छह अन्ध श्रेणी के अपराधों में सामुदायिक सेवा का प्रावधान किया गया है।

छोटे-मोटे मामलों में सामुदायिक दण्ड का प्रावधान रखा गया है। पांच हजार रुपए से कम की चोरी के मामलों में सामुदायिक सेवा का प्रावधान किया गया है तथा छह अपराधों में सामुदायिक सेवा का प्रावधान है। भारत सरकार के गृह मंत्रालय के पुलिस अनुसंधान एवं विकास ब्यूरो के सी.डी.टी.आई. से जुड़े समन्वयक,

सेवानिवृत्त अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक अशोक चौहान ने बताया कि, भारतीय न्याय संहिता में महिलाओं एवं बच्चों के खिलाफ अपराध पर एक नया अध्याय लिखा गया है, जिसके अंतर्गत उनके खिलाफ अपराधों से संबंधित करीब 35 धाराएं हैं। जिनमें लगभग 13 नए प्रावधान हैं और शेष में कुछ संशोधन किए गए हैं। सामूहिक दुष्कर्म में 20 साल

का प्रावधान किया जा रहा है, जिसके अंतर्गत ज़िरो एफ.आई.आर., ई-एफ.आई.आर. और चार्जशीट डिजिटल होंगे। पीडित को 90 दिनों के भीतर सूचना प्रदान की जाएगी और 7 साल या उससे अधिक की सजा के प्रावधान वाले मामलों में फॉरेंसिक जांच अनिवार्य होगी। उन्होंने बताया कि, राजद्रोह को निरस्त कर देशद्रोह को परिभाषित किया गया है। इसमें भारत की संस्रभुटा और अखंडता के खिलाफ कार्यों के लिए 7 साल तक की सजा या आजीवन कारावास का प्रावधान किया गया है। उन्होंने बताया कि, नए संशोधित आपराधिक कानून बेहद सरल हैं और सहजता के साथ अध्ययन करने पर इन्हें आसानी से समझ जा सकता है। उन्होंने कहा कि, तीनों कानून सर्वोच्च न्यायालय के कई ऐतिहासिक फैसलों को ध्यान में रखते हुए बनाए गए हैं। इन कानूनों के लागू होने से न्याय त्वरित गति से मिलेगा, साथ ही मुकद्दमों की संख्या भी कम होगी। उन्होंने कहा कि इलेक्ट्रॉनिक साक्ष्य भी मान्य होंगे।